राहुल के आरोपों के बाद आयोग.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

कृति द्वारा अपनी फिल्म का ट्रेलर... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 178 | गाजियाबाद / बुधवार 30 सितंबर 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

10 दिन पहले अस्पताल में थी, मंगलवार को किया कमाल

भारतीय निशानेबाज नीरू ढांडा का 'गोल्ड' पर निशाना

नीरू एशियाड में ट्रैप शूटिंग जीतने वाली पहली भारतीय महिला

नगोया (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज नीरू ढांडा ने एशियन गेम्स में विमेंस ट्रैप शूटिंग का गोल्ड मेडल जीत लिया है। नीरू एशियाड में इस इवेंट का गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। नीरू 10 दिन पहले तक दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती थीं। उन्हें फ्लू हुआ था और चार दिन तक वह गन उठाने की स्थिति में भी नहीं थी। उन्होंने तेज रिकवरी की और आज भारत के लिए गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। नीरू की इस कामयाबी की बदौलत भारत के नाम अब तक 6 गोल्ड सहित 50 मेडल हो गए हैं। हालांकि, भारत अब भी मेडल टेबल के टॉप-10 में नहीं आ पाया है। टीम 11वें स्थान पर है। नीरू 10 दिन पहले हॉस्पिटल में एडमिट थीं। उन्हें तेज फ्लू था।

महिलाओं ने किया कमाल, दिलाया छठवां गोल्ड

एशियन गेम्स 2026 में भारत को दिन का दूसरा और कुल छठा गोल्ड मेडल मिल गया है। महिलाओं की 4×400 मीटर रेस में भारत ने चीन को मात देते हुए गोल्ड पर कब्जा जमाया। विथ्या रामराज, किरण, प्राची और पूवम्मा की भारतीय चौकड़ी ने इस रेस में भारत के लिए हिस्सा लिया।

सोशल मीडिया अकाउंट के लिए 18 की उम्र जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र की सरकार से नियम बनाने को कहा

दिए निर्देश-सभी प्लेटफॉर्म्स को भारतीय कानून मानने होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सरकार से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 18 साल से कम उम्र के बच्चों के अकाउंट को लेकर कानून बनाने पर विचार करने को कहा। कोर्ट ने कहा कि नाबालिगों से जुड़े भारतीय कानूनों का पालन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को करना होगा। नाबालिग 18 साल से कम उम्र के होते हैं और खुद कानूनी अनुबंध नहीं कर सकते। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस की याचिका

पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में सोशल मीडिया और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों की सुरक्षा की मांग की गई है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि यह शर्त सिर्फ गाइडलाइन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से इंटरमीडियरी नियमों के तहत इसे वैधानिक रूप देने पर विचार करने को कहा। जस्टिस बागची ने कहा, प्लेटफॉर्म्स को भारतीय कानूनी जरूरतों के हिसाब से अपनी व्यवस्था बनानी होगी। तुषार मेहता ने इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट की धारा 79 का भी जिक्र किया। मेहता ने कहा कि पहली नजर में यह मुद्दा डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 के दायरे में आता है।

मौजूदा कानून में नाबालिगों की तरफ से किए समझौते शून्य

जेआरसीए की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एचएस फूलका ने कहा कि डेटा प्रोटेक्शन कानून के संबंधित प्रावधान 2027 में लागू होंगे। उन्होंने दलील दी कि नए कानून का इंतजार करने की जरूरत नहीं है। मौजूदा कानून के तहत नाबालिगों की ओर से किए गए समझौते शून्य होते हैं। सॉलिसिटर जनरल ने सुझाव दिया कि माता-पिता की सहमति के आधार पर रेगुलेटरी व्यवस्था बनाई जा सकती है। इसमें अनुबंध माता-पिता और प्लेटफॉर्म के बीच किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान बेंच ने यह भी कहा कि भारत में काम करने वाले कई डिजिटल इंटरमीडियरीज विदेशों में रेगुलेटेड या रजिस्टर्ड हैं। इनमें अमेरिका की कंपनियां भी शामिल हैं। कोर्ट ने कहा कि भारत में काम करने के दौरान इन प्लेटफॉर्म्स को भारतीय कानूनों का पालन करना होगा। केंद्र धारा 79 के तहत इंटरमीडियरीज को नाबालिगों से जुड़े कानूनों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दे सकता है। याचिका में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स से बच्चों को होने वाले कई खतरों का जिक्र किया गया है। इनमें ग्रूमिंग, यौन शोषण, डिजिटल तस्करी और सेक्सटॉर्शन शामिल हैं। याचिका में व्यवहार की प्रोफाइलिंग, निजी डेटा के गलत इस्तेमाल का खतरा भी बताया गया है।

संक्षिप्त समाचार

रामद्रोहियों को अयोध्या का वैभव बर्दाश्त नहीं हो रहा

सीएम योगी बोले-ये भ्रम पैदा करेंगे

गोरखपुर (एजेंसी)। गोरखपुर में सीएम योगी मंगलवार को महंत दिग्विजयनाथ की 57वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह में शामिल हुए। गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने कहा- आज अयोध्या में रामलला का भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। 500 वर्ष के बाद अयोध्या एक बार फिर से हर सनातन धर्मावलंबी को गौरव की अनुभूति कराती है। उन्होंने कहा- आज जब अयोध्या स्थित भगवान श्रीराम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर बन गया है तो रामद्रोहियों को अयोध्या का

वैभव बर्दाश्त नहीं हो रहा है। राम द्रोही भ्रम पैदा करेंगे। उन्होंने कहा- जब बजरंग बलि भी संजीवनी बूटी लेने गए थे तो भ्रम पैदा करने के लिए उनके रास्ते कोई कालनेमि आया था। हनुमान जी पहचान गए थे। आप भी रामभक्तों को भी वह शक्ति अपने अंदर अर्जित करनी चाहिए। सनातन धर्म की एकता व गौरव के मार्ग में किसी प्रकार का भ्रम नहीं होना चाहिए, कोई संशय नहीं होना चाहिए। हम सही दिशा में आगे बढ़े हैं और उसी गति की परिणति है कि काशी में बाबा विश्वनाथ का भव्य मंदिर बना है। अध्योध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर बना है। **समाज के लिए समर्पित होना ही महापुरुषों की पहचान-** सीएम योगी ने कहा- जब आप महापुरुषों के बारे में जानते, सुनते है, एक नई प्रेरणा प्राप्त होती है। आज युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि है। आज से लगभग 95 वर्ष पहले जब यह देश गुलाम था, जब साधन नहीं थे, संसाधनों का भी अभाव था, तब महंत दिग्विजयनाथ ने गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की।

सौरभ भारद्वाज-विधायक जरनैल पर एफआईआर

हेड कांस्टेबल सादे कपड़ों में केजरीवाल का बना रहा था वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तिलक नगर में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर आरोप है कि उन्होंने सादे कपड़ों में मौजूद दिल्ली पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल को घेरकर मारपीट की। अरविंद केजरीवाल सोमवार को यहां दौरे पर थे और पुलिसकर्मी मोबाइल से केजरीवाल की रिकॉर्डिंग कर रहा था। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सौरभ भारद्वाज, जरनैल सिंह, साहिब सिंह और एएपी कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। वहीं, सौरभ भारद्वाज और विधायक जरनैल सिंह को मंगलवार को पुलिस ने पुलिस हेडक्वार्टर के बाहर

प्रदर्शन के दौरान हिरासत में ले लिया। ये सभी मंत्री प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। दरअसल, दो दिन पहले, 27 सितंबर को दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने एक युवक को थप्पड़ मारा था। इसके अगले दिन सोमवार को प्रवेश वर्मा ने केजरीवाल को चेतावनी दी कि सरकारी काम रोकने वाले एएपी नेताओं और समर्थकों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वीडियो में भीड़ पुलिसकर्मी को धक्का देते और उसके साथ बदसलूकी करते नजर आ रही है। पुलिसकर्मी को फ्लाईओवर के नीचे ले जाया गया और उसे वहां से जाने नहीं दिया गया। वर्दी में मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने अपने साथी को बाहर निकाला।

देश के पिछले कई चुनावों में हुई है फिक्सिंग

राहुल बोले-मुख्य चुनाव आयुक्त समझौता कर चुके हैं

कांग्रेस की आयोग-सरकार के खिलाफ रणनीति पर बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मंगलवार को ढाई घंटे बैठक हुई। इसमें राहुल गांधी ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त पूरी तरह समझौता कर चुके हैं और देश की चुनाव व्यवस्था 'फिक्स' है। हाल के सभी चुनाव अवैध हैं। राहुल ने कहा, चाहे एसआईआर हो या मतदाता सूची, दोनों से छेड़छाड़ की गई है। दोनों का इस्तेमाल भाजपा चुनाव जीतने की रणनीति के तौर पर कर रही है। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तत्काल इस्तीफा दें। एसआईआर तत्काल रोकी जाए। हटाए गए 13 करोड़ 30 लाख नाम बहाल किए जाएं, प्रस्ताव पास किए गए। बैठक में 68 सदस्यों ने हिस्सा लिया।

पीएम मोदी ने युवाओं को वोट देने से रोकने की साजिश रची- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार मोदी सरकार की कठपुतली बन गए हैं। उन्हें तुरंत हटाया जाना चाहिए। मोदी सरकार ने व्यवस्थित रूप से उस मजबूत लोकतांत्रिक नींव को खोखला कर दिया है जिसे हमारे पूर्वजों ने बनाया था। युवाओं को वोट देने से रोकने की साजिश- पीएम मोदी ने युवाओं को वोट देने से रोकने की साजिश रची है। फॉर्म 6 से जुड़े नियमों में गैरकानूनी तरीके से बदलाव किया गया।

हम तुम्हारा बचपन लौटा नहीं सकते, लेकिन साहस याद रखेंगे

● दिल्ली की जज ने रेप पीड़ित बच्ची को लिखा 'स्पेशल' लेटर ● रजनी रंगा ने लिखा-दोषी अब कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की ट्रायल कोर्ट जज रजनी रंगा ने 10 साल की रेप पीड़ित बच्ची के लिए फैसला सुनाने के बाद एक खास लेटर लिखा।

इसमें उन्होंने कहा- हम तुम्हारा बचपन तो नहीं लौटा सकते, लेकिन तुम्हारी हिम्मत याद रखेंगे। जिसने तुम्हें चोट पहुंचाई, वह अब कभी जेल से बाहर नहीं आ पाएगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने अब इस लेटर को बच्ची या उसके परिवार तक पहुंचाने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने इसे 'करेज नोट' यानी साहस का संदेश बताया। नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को इसे प्रिंट कर दो हफ्ते में बच्ची तक पहुंचाने को कहा गया है। मामला 23 जुलाई 2023 का है। उस समय बच्ची 7 साल की थी। उसके माता-पिता ने सुमित शक्य के खिलाफ रेप की शिकायत की थी। बच्ची उसे अंकल कहती थी। पीड़ित ने कोर्ट से कहा था कि अंकल को तब तक जेल में रखा जाए, जब तक वह बूढ़ा न हो जाए।

आरोपी को उम्रभर जेल की सजा, बच्ची को 10.50 लाख मुआवजा- सुमित शक्य को पॉक्सो के तहत 12 साल से कम उम्र की बच्ची के खिलाफ गंभीर यौन अपराध के मामले में प्राकृतिक जीवन के बाकी समय तक कठोर कारावास की सजा मिली है। उस पर 1 लाख का जुर्माना भी लगाया गया। आपराधिक धमकी के मामले में उसे 5 साल की कठोर कैद और 20 हजार जुर्माने की सजा सुनाई गई। दोनों सजाएं साथ चलेंगी।

'डियर चाइल्ड' से शुरू हुआ लेटर

जज रजनी रंगा ने लेटर की शुरुआत 'डियर चाइल्ड' से की। उन्होंने बच्ची के कोर्ट में आने, आरोपी की पहचान करने और सच बताने की हिम्मत की तारीफ की। जज ने लिखा- तुम चुप नहीं रही, बल्कि अपनी मां को पूरी बात बताई। तमने जिस हिम्मत के साथ सच बताया, उससे आरोपी को किसी दूसरे बच्चे को नुकसान पहुंचाने से रोका जा सका। कोर्ट तुम्हारी इस बहादुरी को याद रखेगा। जज ने लेटर में लिखा- कोर्ट ने तुम्हारी बात सुनी है। दोषी अपनी जिंदगी के बाकी समय तक जेल में रहेगा। वह जेल में ही बूढ़ा होगा और वहीं उसकी जिंदगी खत्म होगी। वह तुम्हें, तुम्हारी छोटी बहन या किसी दूसरे बच्चे को दोबारा नुकसान नहीं पहुंचा सकेगा।

अरुणाचल में भारत-म्यांमार सीमा पर उग्रवादी हमला

● असम राइफल्स का जवान हो गया शहीद, 4 घायल ● गश्त के दौरान घात लगाकर उग्रवादियों ने की फायरिंग

इटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में मंगलवार को उग्रवादी हमले में असम राइफल्स का एक जवान शहीद हो गया। 4 अन्य जवान घायल हो गए। हमला भारत-म्यांमार सीमा के पास नामपोंग सर्कल में सुबह करीब 6.30 बजे हुआ। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार हमला नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का (युंग आंग गुट) के उग्रवादियों ने किया है। गश्त के दौरान गोलीबारी में हवलदार जानखोकाई कुकी (42) शहीद हो गए। हमला नामपोंग नाले के पास हुआ। इस इलाके में सीमा पर बाड़ लगाने का काम चल रहा है। शुरुआती जांच और खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि घात लगाकर किए गए हमले के लिए नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड का युंग आंग गुट के उग्रवादी जिम्मेदार हैं। हमले के बाद, भारतीय सेना और जिला पुलिस ने तुरंत इलाके की घेराबंदी की और भाग रहे उग्रवादियों को पकड़ने के लिए आस-पास के जंगलों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया।

बांग्लादेश के आतंकी संगठन से बंगाल को खतरा!

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल में कथित तौर पर आतंकी मॉड्यूल और स्लीपर सेल बनाने की कोशिश कर रहे आतंकी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश की जांच-पड़ताल में एनआईए ने पश्चिम बंगाल के विभिन्न जगहों पर छापेमारी अभियान चलाया है। असम में दर्ज एक केस के आधार पर, इन्वेस्टिगेटर ने मंगलवार सुबह पश्चिम बंगाल में डायमंड हार्बर, बर्दवान और दक्षिण दिनाजपुर समेत कुल 5 इलाकों में एक साथ सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सूत्रों के मुताबिक दक्षिण दिनाजपुर जिले के बंशीहारी थाने के कुशकारी मुंडेहार गांव में सुबह सुबह सुबह 5.30 बजे सेंट्रल जांच एजेंसी एनआईए की चार मेंबर टीम ने किसान मिजानुर रहमान के घर पर रेड की। इस घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया है।

आतंकवाद पर सहानुभूति नहीं तो रिश्ते प्रभावित होंगे: जयशंकर

अमेरिका-पाकिस्तान की गलबहियां पर पहली बार खुल कर बोले विदेश मंत्री

साझेदार देश भारत की संवेदनाओं का ख्याल रखें, वरना रिश्ते प्रभावित होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिका दौरे के दौरान भारत-अमेरिका संबंधों में पिछले डेढ़ वर्षों से चले आ रहे तनाव पर खुलकर बात की। एशिया सोसायटी में सोमवार को हुए कार्यक्रम में उन्होंने साफ कहा कि व्यापार मतभेद और पाकिस्तान-पोषित आतंकवाद, ये दोनों मुद्दे भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने संकेत दिया कि अगर साझेदार देश भारत की प्रमुख संवेदनाओं का ख्याल नहीं रखते, तो उसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ेगा। आतंकवाद पर भारतीय विदेश मंत्री ने खास तौर पर जोर दिया और इसे भारत के लिए संवेदनशील मुद्दा बताया।

हमारी चिंताओं का ख्याल नहीं तो संबंधों पर असर पड़ेगा

उन्होंने कहा, एक-दूसरे की संवेदनाओं का ख्याल रखना महत्वपूर्ण मुद्दा है। भारत के लिए खास तौर पर आतंकवाद का मुद्दा काफी संवेदनशील है। हमें लगता है कि दुनिया में बहुत कम देश हैं जिन्होंने अपने पड़ोसी देश की तरफ से जान-बूझकर पोषित आतंकवाद को उस तरह से झेला है जैसा हमने झेला है। जो मुद्दा हमारे लिए इतना महत्वपूर्ण है, अगर कोई हमारा साझेदार हमारी प्रमुख चिंताओं का ख्याल नहीं रखता है तो इसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ेगा। यह बयान बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पाक पहुंचा भारतीय दल

● एससीओ की बैठक में शामिल हुए, पीएम मोदी को न्योता दे सकता है इस्लामाबाद

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के करीब डेढ़ साल बाद भारत ने एससीओ की बैठक में शामिल होने के लिए अपना एक सीनियर अधिकारी पाकिस्तान भेजा है। विदेश मंत्रालय के एडिशनल सेक्रेटरी और भारत के एससीओ को-ऑर्डिनेटर आलोक डिमरी सोमवार से इस्लामाबाद में शुरू हुई बैठक में भारतीय टीम की अगुवाई कर रहे हैं। यह बैठक बुधवार तक चलेगी। बैठक में पाकिस्तान की अध्यक्षता में होने वाले एससीओ के कार्यक्रमों, आने वाली बैठकों की

तैयारियों और संगठन से जुड़े दूसरे मुद्दों पर चर्चा होगी। पाकिस्तान में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्योता दिए जाने की भी संभावना है। **पाकिस्तान से द्विपक्षीय बातचीत नहीं करेगा भारत-** भारत ने साफ किया है कि पाकिस्तान में एससीओ की बैठक में शामिल होने का मकसद सिर्फ संगठन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना है। भारत की अलग से द्विपक्षीय बातचीत नहीं होगी।

राहुल के आरोपों के बाद आयोग ने आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि बढ़ाई

नई दिल्ली , एजेंसी।
यमुना किनारे स्थित बेला स्टेट बस्ती में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची से सैकड़ों नाम हटाए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बस्ती पहुंचकर इस बाबत अधिकारियों पर सवाल उठाने के बाद, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी कर स्थिति स्पष्ट की है।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि बेला स्टेट बस्ती से संबंधित इस मामले को निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) पहले ही देख चुके हैं। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि दिल्ली के लिए दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 30 अक्टूबर 2026 कर दिया गया है। यह विस्तार सुनिश्चित करेगा कि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न हो।
चुनाव आयोग ने उन नागरिकों को निर्देश दिया है जिनके नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में दर्ज नहीं हैं कि वे निर्धारित घोषणा पत्र और आवश्यक दस्तावेजों के साथ फॉर्म-6 भरकर स्वयं को नए मतदाता के रूप में पंजीकृत करा सकते हैं। ये आवेदन संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ), सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ), बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास अथवा निर्धारित मतदान केंद्रों पर आसानी से जमा किए जा सकते हैं। इससे पहले सोमवार को बेला स्टेट बस्ती पहुंचे कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया कि बस्ती के कुल 728 निवासियों में से एसआईआर प्रक्रिया के बाद 727 लोगों के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं और केवल एक ही व्यक्ति का नाम सूची में शेष बचा है। राहुल गांधी के अनुसार, ये नागरिक वर्षों से इसी क्षेत्र में रह रहे हैं और उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव व 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2023 में घर तोड़े जाने के बाद भी ये लोग यहीं रह रहे हैं, ऐसे में सामूहिक रूप से इनके नाम हटाना अन्यायपूर्ण है। चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण और समय-सीमा विस्तार से अब पात्र नागरिकों को अपने अधिकारों को पुनः प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

गुटखा विज्ञापनों पर मुंढे का कड़ा संदेश : अभिनेताओं को अपनी संतान को खिलाना चाहिए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्राधिकरण (एफडीए) प्रमुख तुकाराम मुंढे ने गुटखा और पान मसाला के विज्ञापनों में शामिल अभिनेताओं को नोटिस भेजने के अपने फैसले का बचाव किया है। उन्होंने अभिनेताओं की दोहरी नैतिकता पर सवाल उठाकर कहा है कि यदि वे जिस उत्पाद का विज्ञापन कर रहे हैं, वह वाकई अच्छा है, तब उन्हें स्वयं भी इस्तेमाल करना चाहिए और अपनी संतानों को भी खिलाना चाहिए। एफडीए प्रमुख मुंढे ने दोहरे मापदंड रखने वाले लोगों पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, जो लोग अपने कहे, किए और काम करने के तरीके में ईमानदार नहीं होते, वे वास्तविक व्यक्ति नहीं होते। मुंढे ने कहा कि अगर कोई उत्पाद अच्छा है, तब उसका प्रचार करने वाले को उसे स्वयं अपनाना चाहिए और दूसरों को उसका अनुसरण करने के लिए कहने से पहले खुद से शुरुआत करनी चाहिए। मुंढे ने अभिनेताओं को चुनौती देकर कहा, अगर आप पान गुटखा का विज्ञापन कर रहे हैं, तब पहले आप खुद खाओ, अपने बच्चों को खाने के लिए लगाओ, उसकी आदत बनाओ। उन्होंने तंज कसा कि यदि विज्ञापन में केसर होने का दावा किया जाता है, तब अभिनेताओं को पहले अपने परिवार को भी वह उत्पाद खाने को देना चाहिए। इस प्रवृत्ति को उन्होंने न केवल अनैतिक, बल्कि अवैध भी करार दिया। एफडीए प्रमुख ने अभिनेताओं को उनकी सामाजिक जिम्मेदारी का एहसास कराया। उन्होंने कहा कि प्रभावशाली व्यक्ति होने के नाते, अभिनेताओं की जिम्मेदारी सामान्य नागरिकों से कहीं अधिक है और वे केवल यह मेरा काम है और मैं पैसे कमा रहा हूं कहकर अपनी जवाबदेही से पल्ला नहीं झाड़ सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माता बेशक जिम्मेदार हैं, लेकिन अभिनेता भी अपनी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। गौरतलब है कि अगस्त की शुरुआत में, एफडीए ने विमल इलायची के विज्ञापन को लेकर शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को कारण बताओ नोटिस जारी किए थे। मुंढे ने तब कहा था कि वे अखबारों, टेलीविजन या सोशल मीडिया पर दिखने वाले सभी विज्ञापनों पर कड़ी नजर रख रहे हैं और नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गंडक नदी का बगहा में 91.25 मीटर हुआ जलस्तर ; दो जगह पर टूटा तटबंध

पटना (एजेंसी)। गंडक नदी पर निर्मित तटबंधों पर भारी दबाव है और कई स्थलों पर सीपेज, पाईपिंग एवं ओवर-टापिंग की समस्या भी पैदा होती रही है। अभी तक 169 बिंदुओं पर हुए सीपेज/पाईपिंग को तत्काल कार्य कराते हुए सुरक्षित किया गया है। बढ़े हुए जलस्तर के कारण 28-29 सितंबर की रात में, पश्चिम चंपारण जिला अंतर्गत, गंडक नदी के बाएं तट पर निर्मित चंपारण तटबंध 2 स्थलों पर एवं ग्राम-फुलियाखाड़, प्रखंड-बैरिया क्षतिग्रस्त हुआ है। इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश प्रभाग में कुशीनगर जनपद अंतर्गत गंडक नदी के दायें तट पर निर्मित तटबंध एक स्थल पर क्षतिग्रस्त हुआ है। जल संसाधन विभाग एवं जिला प्रशासन पश्चिम चंपारण की टीम द्वारा जरुरी पहल हो रही है।
क्षेत्रीय अभियंता लगातार बाढ़ संघर्षात्मक कार्य में लगे हैं, तटबंधों पर काफी दबाव है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यालय से रात में ही कार्यपालक अभियंता की अध्यक्षता में चार दलों को बगहा, बेतिया, मोतिहारी एवं गोपालगंज भेजा गया है। अप्रत्याशित जलश्राव के मद्देनजर पूर्व में भी अतिरिक्त अभियंताओं की प्रतिनियुक्ति स्थल पर की गई है। अपस्ट्रीम में जल स्तर के घटने और डाउन स्ट्रीम में बढ़ने की प्रवृत्ति है। वरीय पदाधिकारियों द्वारा लगातार मानीटरिंग की जा रही है।

यूपी में 150 से कम सीटों पर नहीं लड़ेंगे चुनाव, कांग्रेस ने दिए संकेत

-सपा और कांग्रेस में मामला सीटों की संख्या का नहीं, चयन को लेकर है

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने सीट बंटवारे पर अपनी रणनीति स्पष्ट करने के संकेत दिए हैं। कांग्रेस गठबंधन के भीतर सम्मानजनक सीट शेयरिंग के साथ चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने संकेत दिया है कि वह प्रदेश में 150 से कम विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के पक्ष में नहीं है। कांग्रेस के यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के मुताबिक कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगियों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर अक्टूबर में फैसला हो सकता है। ऐसे में अगले महीने गठबंधन के अंदर सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत निर्णायक दौर में पहुंच सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस ने यूपी में 150 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ने का रुख सामने रखा है। पार्टी का कहना है कि उसके पास प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार मौजूद हैं। ऐसे में कांग्रेस गठबंधन में अपनी हिस्सेदारी को लेकर मजबूत दावा पेश करने की तैयारी में है। 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के बीच सीट शेयरिंग पर अक्टूबर में सहमति बनाने की कोशिश तेज होने की उम्मीद है। कांग्रेस का फोकस गठबंधन के भीतर सम्मानजनक सीट हिस्सेदारी हासिल करने और उसके आधार पर अपनी चुनावी तैयारियों को आगे बढ़ाने पर है।

प्रवेश वर्मा थप्पड़ विवाद : आप ने एफआईआर की मांग की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह पर लगे थप्पड़ मारने के आरोपों को लेकर सियासी गहमागहमी तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी (आप) ने इस मामले में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इसी क्रम में, आप नेता सौरभ भारद्वाज मंगलवार को पुलिस कमिश्नर के कार्यालय पहुंचे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि वह दोपहर एक बजे पुलिस कमिश्नर के दफ्तर पहुंचकर मंत्री प्रवेश वर्मा पर एफआईआर की मांग करेंगे। भारद्वाज ने सोमवार रात साझा किए एक वीडियो में पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आधी रात से ज्यादा हो गई है, हमारे वालंटियर्स को अलग-अलग थानों में बंद किया गया और उन्हें खुद भी द्वारका सेक्टर 23 ले जाया गया। उन्होंने पूछा, मंगलवार को हम पुलिस कमिश्नर से पूछेंगे कि एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की जा रही है। भारद्वाज ने अपनी एक्स पोस्ट में पुलिस पर सवाल उठाते हुए लिखा, शर्म आनी चाहिए, प्रवेश वर्मा के खिलाफ अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। जब एक डॉग लवर ने सीएम रेखा गुप्ता को थप्पड़ मारा था, तो हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया गया और आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। वह एक साल से ज्यादा समय से जेल में है। आप के आधिकारिक एक्स अकाउंट से सोमवार देर रात एक पोस्ट में आरोप लगाया गया कि दिल्ली पुलिस, भाजपा के गुंडा मंत्री की ढाल बनी हुई है। पोस्ट में कहा गया, प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बजाय दिल्ली पुलिस आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और विधायक जनरैल सिंह के साथ बदसलूकी और धक्का-मुक्की कर रही है और लगातार दूसरी रात उन्हें हिरासत में ले रही

सीएम उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में पेश किए पांच अहम विधेयक

-विधायकों की सैलरी 3 लाख रुपए प्रति माह करने की सिफारिश की

जम्मू, एजेंसी।
जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में पांच अहम विधेयक पेश किए। इन विधेयकों में मंत्रियों और विधायकों के वेतन और भत्तों, पूर्व विधायकों की पेंशन में बढ़ोतरी के अलावा जीएसटी और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से जुड़े कानून में संशोधन के प्रस्ताव शामिल हैं। सबसे प्रमुख प्रस्ताव विधायकों के मासिक पारिश्रमिक से जुड़ा है, जिसके तहत विधायकों का मौजूदा कुल वेतन 1.8 लाख रुपए से बढ़ाकर 3 लाख रुपए प्रति माह करने की सिफारिश की है। हालांकि, अंतिम रूप लेने से पहले इन प्रस्तावित बदलावों को विधायी प्रक्रिया से गुजरना होगा।
सीएम उमर ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर राज्य विधानसभा के सदस्यों की सैलरी और भत्तों से जुड़े कानून में संशोधन का प्रस्ताव रखने वाला एक बिल भी पेश किया था। एक अन्य बिल में जम्मू-कश्मीर राज्य विधानसभा सदस्य पेंशन अधिनियममें बदलाव का प्रस्ताव है। पारिश्रमिक और पेंशन से जुड़े ये तीनों उपाय मौजूदा विधायकों, मंत्रियों और विधानसभा के पूर्व सदस्यों पर लागू मौजूदा प्रावधानों की समीक्षा करने के उद्देश्य से लाए गए हैं। सैलरी में प्रस्तावित संशोधन विधानसभा के पिछले सत्र में इस मुद्दे पर हुई चर्चा के बाद लाया गया। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों वाली एक सदन समिति ने इस मामले की जांच की थी और मासिक पारिश्रमिक में बढ़ोतरी की सिफारिश की थी।

खेल महाकुंभ में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, सांसद डॉ. कल्पना सैनी ने किया प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

हरिद्वार (शिखर समाचार)। खेल महाकुंभ 2026-27 के अंतर्गत संसदीय क्षेत्र स्तर पर राज्यसभा सांसद चैम्पियनशिप ट्रॉफी खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन मंगलवार को योगस्थली खेल परिसर, रोशनाबाद में युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में किया गया। प्रतियोगिताओं का शुभारंभ राज्यसभा सांसद डॉ. कल्पना सैनी ने किया। उन्होंने ध्वजारोहण, दीप प्रज्ज्वलन और गुब्बारे उड़ाकर प्रतियोगिताओं की शुरूआत की। इस अवसर पर वंदे मातरम् का गायन किया गया तथा प्रतिभागियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। सांसद ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अनुशासन, लगन और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिताओं में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से खिलाड़ियों ने

उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंडर-14 बालक वर्ग की 60 मीटर दौड़ में खानपुर के अक्ष खठाना प्रथम, मंगलौर के अर्श द्वितीय और भगवानपुर के अभी तृतीय रहे। 600 मीटर दौड़ में लक्सर के तन्मय रावत प्रथम, भगवानपुर के साहिल द्वितीय और मंगलौर के अर्श तृतीय स्थान पर रहे। लंबी कूद में खानपुर के जतिन कुमार ने प्रथम, भगवानपुर के अभी ने द्वितीय और मंगलौर के कन्हैया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। ऊंची कूद में भगवानपुर के राममोहन प्रथम, लक्सर के तन्मय रावत द्वितीय और खानपुर के गौरव तृतीय रहे। अंडर-14 बालिका वर्ग की 60 मीटर दौड़ में खानपुर की रिया प्रथम, लक्सर की बिष्ठी द्वितीय और भगवानपुर की अंबिका तृतीय रहीं। 600 मीटर दौड़ में मंगलौर की तनू प्रथम, खानपुर की आरूषी सैनी द्वितीय और लक्सर की बिष्ठी तृतीय रहीं। लंबी कूद में मंगलौर की तनु प्रथम, खानपुर की ओजस्वी भंडारी द्वितीय और भगवानपुर की दीक्षा तृतीय रहीं। ऊंची कूद में खानपुर की आरूषी प्रथम, भगवानपुर की वर्षा द्वितीय और मंगलौर की वंदना तृतीय रहीं। वहीं लोकसभा सांसद चैम्पियनशिप ट्रॉफी के अंडर-19 बालक फुटबॉल में बीएफएफसी प्रथम, बीएमएस द्वितीय और वात्सल्य वाटिका तृतीय तथा वॉलीबॉल में डोईवाला प्रथम, ऋषिकेश द्वितीय और धर्मपुर तृतीय रहे। अधिकारियों और प्रशिक्षकों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ याचिका पर एससी करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट अगले सप्ताह मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करेगा। याचिका उनके कथित एकतरफा फैसलों पर सवाल उठाती है, जो कि वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ के समक्ष एक गंभीर मसला बताया। विकास सिंह ने तर्क दिया कि कानून के अनुसार, चुनाव आयोग में निर्णय सर्वसम्मति या बहुमत से होने चाहिए। उन्होंने चिंता जाहिर की कि यदि एसआईआर (विशिष्ट जानकारी के लिए अनुरोध) सहित अन्य महत्वपूर्ण निर्णय आयोग ने सामूहिक रूप से नहीं लिए हैं, तब यह आयोग के बहु-सदस्यीय संरचना के उद्देश्य को कमजोर करता है और इसकी जांच जरुरी है। उन्होंने बताया कि यदि आयोग ने सर्वसम्मति से निर्णय नहीं लिया है, तब अदालत द्वारा दिए गए फैसले भी प्रभावित हो सकते हैं, क्योंकि वे आयोग के सामूहिक निर्णय के आधार पर होते हैं। मुख्य न्यायाधीश ने उनकी दलीलें सुनने के बाद मामले को अगले सप्ताह सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया। विवाद की जड़ 23 सितंबर को प्रकाशित हुई रिपोर्ट है, जिसमें खुलासा किया गया था कि चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने सीईसी ज्ञानेश कुमार से जुड़े 14 फैसलों पर लिखित आपत्तियां दर्ज कराई थीं। इसी रिपोर्ट के बाद, वकील शैलेंद्र मणि त्रिपाठी ने 25 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें ज्ञानेश कुमार और अन्य संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और आपत्तिजनक सभी फैसलों को रद्द करने की मांग की गई है।

कड़ी मेहनत और लगन से ही लक्ष्य हासिल किया जा सकता है : मयूर दीक्षित

हरिद्वार (शिखर समाचार)। सत्यम पाठशाला के बच्चों ने मंगलवार को जनपद मुख्यालय का भ्रमण कर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित समेत वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान अधिकारियों ने बच्चों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुशासन तथा यातायात नियमों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बच्चों से बातचीत करते हुए कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के लिए सबसे पहले लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी है। इसके बाद कड़ी मेहनत और लगन के साथ लक्ष्य की दिशा में निरंतर प्रयास करने से सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने तथा अपने समय का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने बच्चों को मोबाइल फोन और सामाजिक माध्यमों के अत्यधिक इस्तेमाल से बचने की सलाह देते हुए कहा कि मोबाइल के अधिक इस्तेमाल में कई बच्चे अपना महत्वपूर्ण समय बर्बाद कर देते हैं। इसलिए समय का उपयोग पढ़ाई और रचनात्मक गतिविधियों में करना चाहिए। पुलिस अधीक्षक अपराध एवं यातायात निशा यादव ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि मेहनत और लगन के बल पर हर बच्चा भारतीय प्रशासनिक सेवा या भारतीय पुलिस सेवा में अधिकारी बनने का सपना पूरा कर

सकता है। उन्होंने बच्चों को अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आरके सिंह ने शिक्षा के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता और नियमित समाचार पढ़ने के महत्व पर प्रकाश डाला। अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार ने भी बच्चों से संवाद किया। सत्यम पाठशाला के संचालक अरुण कश्यप ने बताया कि बच्चों को शिक्षा के साथ समाज की मुख्यधारा से जोड़ना पाठशाला का प्रमुख उद्देश्य है। इस अवसर पर शिक्षिका रेणु देवी सहित आशा, वैष्णवी, शिवम, अश्विन, शालू, आयुष, हंसिका, तेजस, शौर्य, प्राणिका, प्रणव, मीरा, पायल, कृष्णा, श्रेष्ठ, देवांशु, शिवानी, दिव्यांका, मानवी, अनु और वांशिका आदि बच्चे मौजूद रहे।

हैप्पी हत्याकांड का एक और मुख्य आरोपी गिरफ्तार, तमंचा और खून से सनी शर्ट बरामद

हरिद्वार (शिखर समाचार)। बहादराबाद पुलिस ने 14 सितंबर को पतंजलि रोड स्थित देव धर्मकांटा के पास हुई 28 वर्षीय हैप्पी की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए एक और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त .315 बोर का तमंचा, खोखा कारतूस और खून से सनी शर्ट बरामद की है। इससे पहले पुलिस एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। घटना के संबंध में मृतक के भाई कपिल की तहरीर पर बहादराबाद कोतवाली में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी हरिद्वार नवनीत सिंह ने पुलिस टीमों का गठन कर आरोपियों की गिरफ्तारी और घटना के शीघ्र खुलासे के निर्देश दिए थे। पुलिस के अनुसार लगातार तलाश के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी इस्तकार फतेहपुर क्षेत्र में मौजूद है। सूचना पर बहादराबाद पुलिस टीम ने सहारनपुर के छुटमलपुर फ्लाईओवर के पास घेराबंदी कर इस्तकार उर्फ इस्तयाक को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी मुदस्सिर और शादाब के साथ पुरानी रंजिश के चलते हैप्पी की हत्या करने की बात बताई।

पुलिस के मुताबिक इस्तकार को शक था कि हैप्पी ने वर्ष 2022 के एक मामले में पुलिस की मुखबिरी की थी। इसी को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था। आरोपी के अनुसार हैप्पी द्वारा उसे पुलिस से पकड़वाने की धमकी देने और पैसों की मांग करने से रंजिश और बढ़ गई थी। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने 12 सितंबर को घटनास्थल की रेकी की और 14 सितंबर को वारदात को अंजाम दिया। पुलिस अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अमरजीत सिंह, अशोक सिरसवाल, विकास रावत, अजय कुमार, हेमदत्त भारद्वाज सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

मेरठ-सहारनपुर के बाद अब मथुरा का दौरा करेंगे बीजेपी अध्यक्ष, तारीख अभी तय नहीं

-सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों का फीडबैक लेंगे

लखनऊ, एजेंसी।
यूपी में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बीजेपी ने संगठन को क्षेत्रवार मजबूत करने की कवायद तेज कर दी है। मेरठ-सहारनपुर दौरे के बाद अब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के संभावित रूप से मथुरा में दो दिवसीय प्रवास का कार्यक्रम है। सूत्रों के मुताबिक यह दौरा अक्टूबर के पहले सप्ताह में हो सकता है, हालांकि कार्यक्रम की अंतिम तारीख अभी तय नहीं हुई है।
बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने बताया कि विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में दो-दिवसीय प्रवास के जरिए संगठन और चुनावी तैयारियों की जमीनी स्थिति जानने का क्रम शुरू किया है। मेरठ और सहारनपुर के बाद अब ब्रज क्षेत्र के मथुरा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा प्रस्तावित है। इस दौरान उनके प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, सीएम योगी आदित्यनाथ और संगठनमंत्री धर्मपाल भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि मथुरा में दो दिवसीय प्रवास के दौरान नितिन नबीन स्थानीय सांसदों, विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों का फीडबैक लेंगे। इसके अलावा बूथ से लेकर मंडल और जिला स्तर तक संगठन की स्थिति की जानकारी ली जाएगी। पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं से मिलने वाली प्रतिक्रिया को भी बैठक में अहमियत दी जाएगी।
बीजेपी नेतृत्व का फोकस केवल चुनावी रणनीति बनाने तक सीमित नहीं है बल्कि संगठन की जमीनी मजबूती और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बेहतर करने पर भी है। इसी क्रम में नबीन अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर रहे हैं। इससे पहले नितिन नबीन ने 21 और 22 सितंबर को मेरठ और सहारनपुर का दो दिवसीय दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने बूथ, शक्ति केंद्र, मंडल और जिला स्तर तक संगठन की तैयारियों की समीक्षा की और पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से संवाद किया था। सहारनपुर में उन्होंने पूर्व पदाधिकारियों, सांसदों, विधायकों और जिला स्तर के पदाधिकारियों के साथ भी बैठक की थी। पश्चिमी यूपी के बाद मथुरा में संभावित दो दिवसीय प्रवास को भी इसी संगठनात्मक अभियान की अगली कड़ी के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी का जोर विधानसभा चुनाव से पहले संगठन के सभी स्तरों को सक्रिय करने और स्थानीय स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करने पर है।

जनसुनवाई में दिव्यांग की पेंशन समस्या का तत्काल समाधान, डीएम ने अधिकारियों को दिए संवेदनशीलता से काम करने के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई करते हुए आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गरीब, पीड़ित और बेसहारा लोगों की समस्याओं के समाधान में अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और जरूरतमंदों का सहारा बनें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का नियमानुसार और समयबद्ध तरीके से निस्तारण किया जाए, ताकि फरियादियों को अपनी समस्याओं के लिए अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनसुनवाई के दौरान मोदीनगर निवासी दिव्यांग क्रिकेटर ओमवीर सैन ने नगर पालिका मोदीनगर में रोजगार उपलब्ध कराने, उनके नाम पर सड़क का नामकरण कराने तथा अन्य सहयोग प्रदान करने के लिए जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया। वहीं ग्राम दोसा बंजारपुर निवासी दिव्यांग मुकेश कुमार अपने बड़े भाई के साथ दिव्यांग पेंशन से

संबंधित समस्या लेकर जिलाधिकारी के समक्ष पहुंचे। जिलाधिकारी ने उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए और दिव्यांग पेंशन संबंधी शिकायत का तत्काल निस्तारण कराया। इसके साथ ही मुकेश कुमार को व्हीलचेयर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। तत्काल सहायता मिलने पर मुकेश कुमार और उनके बड़े भाई ने जिलाधिकारी एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को पात्र लोगों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी प्राथमिकता के आधार पर दिलाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक, अपर जिलाधिकारी प्रशासन सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आईएमएस गाजियाबाद में स्वच्छता अभियान, 374 विद्यार्थियों ने लिया स्वच्छ परिसर का संकल्प

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद के विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम परिसर में 29 सितंबर को स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छ परिसर, उज्ज्वल भविष्य थीम पर स्वच्छता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और कर्मचारियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ सामूहिक जिम्मेदारी तथा स्वच्छ एवं हरित परिसर के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन सामान्य सचिव सीए डॉ. राकेश छारिया के मार्गदर्शन में किया गया। मुख्य अतिथि एवं निदेशिका प्रोफेसर डॉ. जसकीरन कौर ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान जैव विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार राय और प्रबंधन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. कुमार सौरव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समन्वय राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर डॉ. ऋषि कुमार सिंह और सामाजिक

उत्तरदायित्व एवं स्थिरता क्लब की समन्वयक डॉ. संघदीप गौतम ने किया। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता शपथ, जागरूकता रैली और परिसर स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने निर्धारित क्षेत्रों की सफाई करने के साथ रैली के माध्यम से आमजन को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक किया। विभिन्न विभागों के 374 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वच्छ परिसर, स्वस्थ समुदाय तथा उज्ज्वल भविष्य का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रो. संजय शर्मा, डॉ. ममता बारिक, डॉ. रश्मि वैष्णव, डॉ. अर्चना गुप्ता, खेल अधिकारी कपिल चौधरी, मुख्य वार्डन देवेंद्र पांडे, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग से रिंकू शर्मा और प्रशासन विभाग से उमेश शर्मा सहित शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में करण पासवान, वंश शर्मा, पावनी कौशिक, तनिष्क डोभाल, दिव्या कंसल, वंशिका चौहान, माही त्यागी, अंशिका राणा, अंशिका चौधरी, सिमरप्रीत, भूमिका कौशिक, अवनी गर्ग, खुशी लोधी, प्रज्ञा, नवनीत और अनुज कुमार सहित विद्यार्थियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छ, हरित एवं स्वस्थ परिसर के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

चिकित्सा सेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. अभिनय गर्ग को इंटरनेशनल अटल अवॉर्ड 2026

सहारनपुर (शिखर समाचार)। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. अभिनय गर्ग को प्रतिष्ठित इंटरनेशनल अटल अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। 28 सितंबर 2026 को प्रधानमंत्री संग्रहालय, तीन मूर्ति, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में अटल फाउंडेशन की ओर से उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान पत्र में डॉ. अभिनय गर्ग को वर्ष 2026 के लिए चिकित्सा सेवा श्रेणी में अंतरराष्ट्रीय अटल पुरस्कार प्रदान किए जाने का उल्लेख है। प्रमाण-पत्र में चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उनके समर्पण, करुणामय नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति सराहनीय सेवा को सम्मानित किए जाने की बात कही गई है। डॉ. अभिनय गर्ग चिकित्सा सेवा के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण से जुड़ी गतिविधियों में भी सक्रिय रहे हैं। आमजन को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए उनके प्रयास जारी हैं। वह निवारक

स्वास्थ्य सेवाओं, स्वस्थ जीवनशैली और स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति लोगों को प्रेरित करने के साथ जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को चिकित्सा परामर्श तथा आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में भी योगदान देते हैं। विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों और जनकल्याण कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय सहभागिता रही है। उनकी चिकित्सा कार्यशैली में मरीजों के प्रति संवेदनशीलता, सेवा-भाव, ईमानदारी और चिकित्सा नैतिकता को विशेष महत्व दिया जाता है। उनका मानना है कि चिकित्सक की जिम्मेदारी केवल बीमारी का उपचार करना नहीं, बल्कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी है। चिकित्सा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में डॉ. अभिनय गर्ग को इससे पहले भी विभिन्न संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें एक्सप्रेस न्यूज भारत, भारतीय जनता पार्टी के चिकित्सा प्रकोष्ठ, कोरोना योद्धा सम्मान, मां शाकुंभरी विद्यालय और लायंस क्लब सहित विभिन्न संस्थाओं से सम्मान मिल चुका है। सम्मान प्राप्त करने पर डॉ. अभिनय गर्ग ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए गौरव का विषय है और इससे समाज व मरीजों की सेवा के प्रति जिम्मेदारी को और अधिक समर्पण एवं संवेदनशीलता से निभाने की प्रेरणा मिलती है।

मुरादनगर में 37 हजार वर्ग मीटर में कट रहीं 4 अवैध कॉलोनियों पर गरजा जीडीए का बुलडोजर, भारी विरोध के बीच सड़कें और बाउंड्रीवॉल जमींदोज

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने मंगलवार को मुरादनगर क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग और अनाधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ बड़ा ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। प्रवर्तन जोन-02 की टीम ने भारी पुलिस बल के साथ कार्रवाई करते हुए लगभग 37 हजार वर्ग मीटर (करीब 9 एकड़) से अधिक जमीन पर अवैध रूप से बसाई जा रही चार कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान कॉलोनाइजरों ने कार्रवाई का कड़ा विरोध किया और हंगामा करने की कोशिश की, लेकिन प्राधिकरण के पुलिस बल ने उन्हें मौके से खदेड़कर अभियान जारी रखा।

इन चार स्थानों पर हुई बड़ी कार्रवाई:

- **ग्राम सैतली (नवीपुर बम्बा रोड):** खसरा संख्या-563 में राजकुमार, दुष्यंत, प्रमोद आदि द्वारा लगभग 18,000 वर्ग मीटर जमीन पर चिनाई कर और सड़कें बनाकर अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी, जिसे बुलडोजर चलाकर जमींदोज किया गया।

- **शोभापुर, साई एन्क्लेव:** विकास चौधरी उर्फ काजू चौधरी द्वारा विकसित साई एन्क्लेव के पास करीब 1,500 वर्ग मीटर में अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। टीम ने यहां बनी अवैध संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया।
- **ग्राम भिक्कनपुर:** भट्टे के पास खसरा संख्या-537 पर प्रमोद त्यागी द्वारा करीब 9,000 वर्ग मीटर में अवैध कॉलोनी काटी जा रही थी, जिसे पूरी तरह नष्ट कर दिया गया।
- **बीएलएएम पब्लिक स्कूल के पास (नवीपुर बम्बा रोड):** सन्नी त्यागी द्वारा लगभग 8,500 वर्ग मीटर क्षेत्र में मिट्टी भराव और चिनाई करके सड़कें व प्लॉट तैयार किए गए थे, जिन्हें बुलडोजर से तोड़ दिया गया।

सड़कें, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस तोड़े गए

जीडीए अधिकारियों के मुताबिक, मौके पर कॉलोनाइजर विकास प्राधिकरण से स्वीकृत कोई भी नक्शा या वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। इसके बाद दस्ते ने कॉलोनाइजरों द्वारा बनाई गई अवैध सड़कें, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिसों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन-02 के प्रभारी, सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन दस्ते के कर्मचारी और प्राधिकरण पुलिस बल मौजूद रहा। जीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि क्षेत्र में बिना नक्शा पास कराए किसी भी सूरत में अवैध निर्माण नहीं होने दिया जाएगा और आने वाले महीनों में ध्वस्तीकरण व सीलिंग का यह अभियान और तेज किया जाएगा।

तारिक कमर को सृजन सम्मान, कुसुम सिंह को सृजन प्रेरणा सम्मान

लखनऊ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब और उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के संयुक्त तत्वावधान में सृजन सम्मान एवं काव्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उर्दू साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रसिद्ध शायर तारिक कमर को सृजन सम्मान तथा समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए कुसुम सिंह को सृजन प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि शाहजहांपुर की डॉ. इंदु अजनबी के साथ हसीब सिद्दीकी, सर्वेश अस्थाना और विनोद शंकर शुक्ल ने सम्मान प्रदान किया। डॉ. इंदु अजनबी ने अपनी पंक्तियों, "मछेरे तो मछेरे हैं, है फितरत फांस लेने की, मछलियां भी तो अक्सर जाल से दूरी नहीं रखतीं" के माध्यम से वर्तमान सामाजिक परिवेश पर व्यंग्य करते हुए श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया। डॉ. बलवंत सिंह के संयोजन और शीतल बाजपेयी के संचालन में आयोजित कवि सम्मेलन का शुभारंभ रश्मि शरद की वाणी वंदना से हुआ। इसके बाद कवियों और शायरों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सामाजिक सरोकारों, जीवन और समसामयिक विषयों को प्रस्तुत किया। कवि सम्मेलन में डॉ. सुरभि सिंह, अरविंद झा, डॉ. सुभाष गुरुदेव, राजीव वत्सल, योगी योगेश शुक्ला, रविशंकर रवि, अमीर फैसल, प्रो. जहां आरा, पूजा श्रीवास्तव, तमाचा लखनवी, उमा लखनवी, शकुंतला श्रीवास्तव, अनिता अरोड़ा, डॉ. ममता पंकज, रविकांत पांडेय, मनीष शर्मा, अनुराग मिश्रा, सौरभ दीक्षित सार्थक, सुनील राव, डॉ. सुभाष रशिया, राजेश राज, रामनिवास यादव, विजय आलोक, संजय कुमार चौहान, प्रतिभा श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव, अच्युतानंद जैसवाल, मधु पाठक मांझी, संतोष मिश्रा, डॉ. रश्मि सिन्हा और उत्तम शोला सहित अन्य रचनाकारों ने काव्य पाठ किया। साहित्य प्रेमियों ने कवियों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया और आयोजन की सराहना की।

जनसुनवाई में पांच समस्याएं पहुंचीं, सीवर की शिकायत का तत्काल कराया समाधान

सहारनपुर (शिखर समाचार)। नगर निगम की जनसुनवाई में मंगलवार को नागरिकों की ओर से पांच समस्याएं प्रस्तुत की गईं। इनमें सीवर लाइन की सफाई से संबंधित शिकायत का नगरायुक्त शिपू गिरि ने तत्काल संज्ञान लेते हुए मौके पर सफाई कर्मचारी भेजकर समाधान करा दिया। वहीं स्ट्रीट लाइट से संबंधित तीन शिकायतों के निस्तारण के लिए पथ प्रकाश प्रभारी को स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके अलावा अवैध डेरियों के संचालन से संबंधित शिकायत पर नगर निगम के पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वार्ड सात नाला पटरी निवासी उस्मान मलिक ने सीवर लाइन की साफ-सफाई कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। नगरायुक्त के निर्देश पर सफाई कर्मचारी भेजकर समस्या का

तत्काल समाधान कराया गया। वार्ड 16 शिवाजी नगर निवासी पद्म सिंह शर्मा, वार्ड 66 नदीम कॉलोनी निवासी आसिफ और वार्ड 22 खुमरान पुल निवासी ममता वर्मा ने स्ट्रीट लाइट खराब होने की शिकायत करते हुए उन्हें ठीक कराने की मांग की। नगरायुक्त शिपू गिरि ने पथ प्रकाश प्रभारी को संबंधित स्थानों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। वार्ड छह वर्धमान कॉलोनी निवासी राजीव ने चिलकाना रोड स्थित घास कांटे वाली गली में संचालित अवैध डेरियों को बंद कराने की मांग की। इस पर नगरायुक्त ने पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ. संदीप मिश्रा को स्थलीय निरीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान अपर नगरायुक्त सूरज कुमार यादव, मृत्युंजय, सहायक नगरायुक्त विकासधर दुबे, महाप्रबंधक जलकल पुरुषोत्तम कुमार, मुख्य अभियंता निर्माण सुरेंद्र प्रसाद मिश्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गालंद में 25,000 वर्ग मीटर में कट रही अवैध कॉलोनी पर चला जीडीए का बुलडोजर, विरोध के बीच सड़कें और बाउंड्रीवॉल जमींदोज

गाजियाबाद/हापुड़ (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने अवैध निर्माण और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए मंगलवार को बड़ी कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-5 की टीम ने हापुड़ जिले के ग्राम गालंद क्षेत्र में करीब 25,000 वर्ग मीटर जमीन पर बसाई जा रही अवैध कॉलोनी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान कॉलोनाइजरों ने जमकर विरोध और हंगामा किया, लेकिन भारी पुलिस बल के आगे उनकी एक न चली।

प्राधिकरण के वाद संख्या ऋ्छअ/अभि./2025/0004222 के तहत विनोद यादव और अंजू कंचन द्वारा गालंद क्षेत्र में लगभग 25 हजार वर्ग मीटर भूमि पर अवैध रूप से प्लॉटिंग की जा रही थी। बिना ले-आउट पास कराए यहां सड़कें बनाई जा रही थीं, पत्थर डाले जा रहे थे और भूखंडों को चिन्हित करने के लिए बाउंड्रीवॉल का निर्माण किया जा रहा था।

ध्वस्तीकरण आदेश का पालन करते हुए प्राधिकरण का दस्ता बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंचा और अवैध सड़कों व चारदीवारी को मलबे में तब्दील कर दिया।

कार्रवाई शुरू होते ही स्थानीय निर्माणकताओं और कॉलोनाइजरों ने विरोध जताते हुए बाधा डालने की कोशिश की। मौके पर मौजूद प्राधिकरण के पुलिस बल ने हंगामा कर रहे लोगों को नियंत्रित कर खदेड़ा और

कार्रवाई जारी रखी। इस अभियान में प्रभारी प्रवर्तन जोन-5, अवर अभियंता, प्रवर्तन टीम का स्टाफ और भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अवैध कॉलोनियों के खिलाफ यह अभियान थमेगा नहीं; आगामी माह में भी अवैध निमार्णों को सील करने और ध्वस्त करने की कार्रवाई तेज गति से जारी रहेगी।

बिजनौर में 1 अक्टूबर को सजेगी मुशायरे की महफिल, साहित्य प्रेमियों को आमंत्रण

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद बिजनौर के तत्वावधान में आयोजित जिला कृषि, औद्योगिक एवं सांस्कृतिक प्रदर्शनी 2026 के अंतर्गत स्थगित किया गया मुशायरा अब आगामी 1 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। मुशायरे का आयोजन इंदिरा बाल भवन परिसर में होगा। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि प्रदर्शनी के अंतर्गत आयोजित होने वाला यह सांस्कृतिक कार्यक्रम पहले 23 सितंबर 2026 को निर्धारित किया गया था, लेकिन कुछ अपरिहार्य कारणों के चलते इसे स्थगित करना पड़ा था। अब प्रशासन ने

कार्यक्रम की नई तिथि घोषित कर दी है। उन्होंने बताया कि मुशायरे का आयोजन पूर्व निर्धारित स्थान इंदिरा बाल भवन, बिजनौर में ही किया जाएगा। इस साहित्यिक आयोजन में शायर अपनी गजलों और काव्य रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं का मनोरंजन करेंगे। मुशायरा जिले की सांस्कृतिक प्रदर्शनी का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें साहित्य और शायरी के प्रेमियों को एक साथ जुटने का अवसर मिलेगा। नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने जिले के सभी कला एवं साहित्य प्रेमियों से 1 अक्टूबर को इंदिरा बाल भवन पहुंचकर मुशायरे में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन साहित्य, कला और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने के साथ ही लोगों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रदर्शनी के अंतर्गत आयोजित होने वाले इस मुशायरे को लेकर साहित्य प्रेमियों में उत्साह की उम्मीद है।

पालन-पोषण के बहाने 14 माह के मासूम का पांच लाख में सौदा, तीन महिलाओं समेत छह गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना इलाके में 14 माह के मासूम बच्चे की खरीद-फरोख्त का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने बच्चे को सकुशल बरामद करते हुए मामले में तीन महिलाओं समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, बच्चे को बेहतर देखरेख और पालन-पोषण का भरोसा देकर लिया गया था, लेकिन बाद में आरोपियों ने उसका पांच लाख रुपये में सौदा कर दिया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि उनके सीयूजी मोबाइल नंबर पर गुप्त सूचना मिली थी। सूचना देने वाले नगीना के भूरापुर निवासी ताजुद्दीन ने बताया कि उसकी बहन शबनम निवासी नैनपुर ने अपने 14 माह के बेटे को बेहतर पालन-पोषण के लिए सफीकन नाम की महिला को सौंपा था। आरोप है कि सफीकन ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर बच्चे को बेच दिया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि जितेंद्र कुमार उर्फ विक्की, कपिल उर्फ राजवीर और शिवानी ने बच्चे को हरिद्वार के बहादराबाद निवासी सुलोचना को पांच लाख रुपये में बेचा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर कार्रवाई शुरू की और बच्चे को सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस ने खरीद-फरोख्त में शामिल जितेंद्र कुमार उर्फ विक्की, कपिल उर्फ राजवीर निवासी नंदपुर नगीना, फरमान, सफीकन और शबनम निवासी नैनपुर नगीना तथा सुलोचना निवासी बहादराबाद हरिद्वार को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि मामला करीब एक वर्ष पुराना है। पुलिस अब इस मामले से जुड़े अन्य लोगों और संपर्कों की जानकारी जुटा रही है। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की जा रही है।

संयुक्त आंगन मिलन में ग्रामीणों को पोषण और सरकारी योजनाओं के प्रति किया जागरूक

शामली (शिखर समाचार)। ग्राम मालेंडी स्थित पंचायत भवन में बाल विकास परियोजना ऊन के अंतर्गत संयुक्त आंगन मिलन कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को पोषण, स्वास्थ्य तथा महिला और बाल कल्याण से जुड़ी सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुनीत द्विवेदी, भाजयुमो जिला अध्यक्ष रोहित विश्वकर्मा और भाजपा अनुसूचित जाति-जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष बादल गौतम ने विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों को सरकार की ओर से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक रहना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को उनके कार्य के लिए सम्मानित भी किया गया। आयोजन में दो गर्भवती महिलाओं की पारंपरिक गोदभराई की रस्म पूरी कर उन्हें पोषण पोटली प्रदान की गई। इसके साथ ही दो बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने पोषण एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण बना दिया। बाल विकास परियोजना अधिकारी बाबर खान ने कार्यक्रम का संचालन किया। पर्यवेक्षक अर्चना और उर्मिला देवी ने उपस्थित लाभार्थियों को विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं, पोषण सेवाओं और महिला-बाल कल्याण कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने लाभार्थियों से योजनाओं का लाभ लेने के साथ बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

सेवा संकल्प अभियान में 200 बच्चों ने दिखाई चित्रकला प्रतिभा

हापुड़ (शिखर समाचार)। सेवा संकल्प अभियान के तहत बाबूगढ़ छावनी स्थित केएन पब्लिक स्कूल में ब्लॉक स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों से करीब 200 बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी रचनात्मक और सृजनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने चित्रों के माध्यम से अपनी कल्पनाशीलता और कलात्मक अभिव्यक्ति को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल बना रहा और प्रतिभागी बच्चों ने पूरे मनोयोग से अपनी कलाकृतियां तैयार कीं। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागी बच्चों को जिला

बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को सामने लाने के साथ उनकी रचनात्मक सोच को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई के साथ कला और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिला समन्वयक समेकित संजय यादव, खंड शिक्षा अधिकारी योगेश गुप्ता सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक और अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना और उन्हें अपनी सृजनात्मक अभिव्यक्ति के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने अभियान के उद्देश्यों को भी मजबूती प्रदान की।

संक्षिप्त समाचार

सीबीडीटी ने आयकर रिटर्न और ऑडिट रिपोर्ट की अंतिम तिथि बढ़ाई

कानपुर, एजेंसी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। टैक्स ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की समय सीमा में भी विस्तार किया गया है। मर्चेंट चैंबर ऑफ उत्तर प्रदेश जीएसटी कमेटी के चेयरमैन संतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि पहले आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर 2026 थी। अब इसे बढ़ाकर 21 नवंबर 2026 कर दिया गया है। टैक्स ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की तिथि में भी बदलाव किया गया है। यह तिथि पहले 30 सितंबर 2026 थी। इसे अब 21 अक्तूबर 2026 तक बढ़ा दिया गया है।

कबाड़ से उपयोगी वस्तुएं बनाने को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

गोरखपुर , एजेंसी। पूर्वोत्तर रेलवे में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत सोमवार को मुख्यालय गोरखपुर और तीनों मंडलों के विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्य्र म आयोजित किए गए। अभियान 17 सितंबर से दो अक्तूबर तक चलाया जा रहा है। कार्य्र मों में स्वच्छता से समृद्धि विषय पर लोगों को जागरूक किया गया। रेलवे के कबाड़ को उपयोगी वस्तुओं में बदलने के लिए कबाड़ से जुगाड़ और कबाड़ से कला के तहत पहल की गई। पुराने संकेत उपकरण, डिब्बों के पुर्जे और धातु के कबाड़ से उपयोगी वस्तुएं और कलाकृतियां बनाने के लिए रेलकर्मियों को प्रेरित किया गया। इन वस्तुओं को स्टेशनों, रेल कॉलोनियों और अन्य स्थानों पर प्रदर्शित किया जाएगा। स्टेशनों और रेल कॉलोनियों में एकत्र प्लास्टिक कचरे को अधिकृत पुनर्च्र णकर्ताओं तक पहुंचाने के लिए भी कार्य्र म किए गए। यात्रियों, रेलकर्मियों और आम लोगों से रेलवे परिसरों को स्वच्छ रखने और स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की गई।

नई पीढ़ी को सनातन मूल्यों से जोड़ेगी श्रीरामकथा

कानपुर, एजेंसी। नई पीढ़ी विशेषकर जनरेशन अल्फा और बीटा के बच्चों को सनातन धर्म, परंपराओं और जीवन मूल्यों से परिचित कराने के उद्देश्य से श्रीरामकथा का आयोजन किया जाएगा। श्रीरामलीला सोसाइटी (रजि.) परेड के 150वें स्वर्णिम विजयदशमी महोत्सव के तहत 29 सितंबर से सात अक्तूबर तक सिविल लाइंस स्थित मर्चेंट चैंबर हॉल में प्रतिदिन शाम सात बजे से कथा होगी।दीदी मां मंदाकिनी श्रीरामकिंकर कथा सुनाएंगी। मेस्टन रोड स्थित रामलीला सोसाइटी भवन में आयोजित वार्ता में उन्होंने कहा कि कथा के 50 वर्ष पूरे होना ऐतिहासिक अवसर है। श्रीरामचरितमानस केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन दर्शन है। इसके माध्यम से बच्चों और युवाओं को संस्कृति, संस्कार और मर्यादा से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को स्वयं तय करना होता है कि वह दशरथ के साथ जाएगा या दशमुख के। जीवन में सही मार्ग चुनने का संदेश रामकथा देती है। कथा के दौरान स्वर्ण की परिभाषा भी समझाई जाएगी।

एक ही विद्यालय के पांच पहलवानों ने जीते स्वर्ण पदक, रचा इतिहास

गोरखपुर , एजेंसी। देवरिया में आयोजित 70वीं माध्यमिक विद्यालयी प्रदेशीय बालक वर्ग कुश्ती प्रतियोगिता में गोरखपुर के पीएमश्री राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज के एक ही विद्यालय के पांच पहलवानों ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय का गौरव बढ़ने के साथ ही गोरखपुर मंडल अंक तालिका में भी आगे हो गया। प्रतियोगिता के अंडर-17 फ्री स्टाइल बालक वर्ग में गोरखपुर के पहलवानों ने विभिन्न भार वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया। 57 किलोग्राम भार वर्ग में आदित्य यादव, 60 किलोग्राम में अरुण गुप्ता, 72 किलोग्राम में सतीश यादव, 80 किलोग्राम में विवेक चौहान और 92 किलोग्राम भार वर्ग में अंश यादव ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं, इसी विद्यालय के पहलवान इरशाद ने 61 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर विद्यालय की पदक तालिका में एक और उपलब्धि जोड़ी। एक ही विद्यालय के पांच खिलाड़ियों के स्वर्ण पदक जीतने से खेल जगत में खुशी की लहर है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर संयुक्त शिक्षा निदेशक सतीश सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक अजीत कुमार सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विश्व प्रकाश सिंह, डॉ. अरुणेंद्र राय, नीलम देवी, कुंवर गौरव सिंह, रामचंद्र यादव, चंद्रेश पटेल, हरिकेश यादव, राम हरि यादव और संतोष सिंह सहित अन्य लोगों ने बधाई दी।

युवक को मौत के मुंह से खींच लाई, कुछ ही मिनटों में ऐसे बचाई जान, परिजनों ने जताया आभार

आगरा, एजेंसी। आगरा के अछनेरा थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर सोमवार देर रात को एक सुसाइड पोस्ट डालकर आत्मघाती कदम उठाने जा रहे एक 29 वर्षीय युवक को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सकुशल बचा लिया। युवक ने देर रात अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किया कि %यारों आज हमारा लास्ट दिन है, यारों गलती हो गयी माफ करना%। पोस्ट वायरल होते ही एसीपी अछनेरा शैलेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और युवक को समय रहते ट्रैक कर बचा लिया। उसकी परिवार के सामने युवक की काउंसलिंग की गई, जिसके बाद उसने अपनी गलती मानी। पुलिस ने कागजी कार्रवाई पूरी कर युवक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। परिजनों ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। एसीपी अछनेरा ने बताया की सूचना मिलते ही युवक के घर पहुंच उसको बचाया और भविष्य मे कोई ऐसी गलती नहीं करने का आश्वासन मिला है।

धुएं के गुबार के बीच अस्पताल में थमीं सांसें

सहमे मरीज, गत्ता-कॉपर वायर ने भड़काईं लपटें

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में मुढ़ैला तिराहा स्थित पंखा फैक्टरी के गोदाम में लगी भीषण आग ने अस्पताल में भर्ती मरीजों की सांसों पर भी संकट खड़ा कर दिया। देखते ही देखते असमान में काले धुएं का ऐसा गुबार उठा कि अस्पताल के वार्डों तक में दृश्यता बेहद कम हो गई। चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल रहा। फैक्टरी के टीनशेड को फाड़कर उठती लपटें और धुएं के गुबार ने हर किसी को सहमा दिया। मेघना अस्पताल के मरीजों और तीमारदारों के कमरे और वार्ड में धुआं भर गया। मरीजों को तुरंत दूसरे वार्ड में शिफ्ट करना पड़ा। तीसरी और दूसरी मंजिल के लोगों को ग्राउंड फ्लोर पर लाया गया।

आग की लपटें जितनी तेजी से उठीं, उससे कहीं ज्यादा तेजी से जहरीला धुआं आसपास के इलाके में फैल गया। फैक्टरी में भारी मात्रा में मौजूद प्लास्टिक प्लास्टिक पंखों के ब्लेड, कॉपर वायर और पैकेजिंग गत्तों के जलने से उठा रासायनिक धुआं सीधे अस्पताल की ओर रुख कर गया। अस्पताल के जनरल वार्ड से लेकर प्राइवेट कमरों तक धुएं की गंध पहुंचते ही मरीजों और तीमारदारों में अफरातफरी जैसी स्थिति बन गई। मरीजों को सांस लेने में भारी तकलीफ का सामना करना पड़ा। जैसे ही धुएं की परत गहरी हुई कई तीमारदार अपने मरीजों को अस्पताल से बाहर सुरक्षित स्थानों पर जाते दिखे। वार्डों में भर्ती मरीजों के परिजनों के चेहरे पर दहशत साफ देखी जा सकती थी। अस्पताल प्रशासन ने एहतियात के तौर पर खिड़कियों को सील करने और तुरंत एग्जॉस्ट फैन चालू करने का प्रयास किया। वहीं, मुढ़ैला तिराहे पर आग देखने वालों की भीड़ और दमकल की गाड़ियों के आवागमन के कारण चांदपुर-रोहनिया मार्ग का एक लेन पूरी तरह जाम हो गया। मंडुवाडीह पुलिस ने रास्ता खाली कराया।

आग की उठती लपटों ने निकाला सुरक्षा का गुबार : तीमारदार वैभव मिश्रा ने बताया कि ऐसा लगा कि अस्पताल के वार्ड में ही धुआं भर गया। तुरंत मरीजों को बाहर निकाला गया। स्थानीय निवासी अनूप शाही ने बताया कि अगर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां समय पर पहुंचकर आग पर काबू न पातीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। जिस तरह से फैक्टरी से आग की लपटें उठ रही थीं, उसने सुरक्षा पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया। इस घटना ने एक बार फिर व्यावसायिक इमारतों और अस्पतालों के बीच सुरक्षित दूरी व फायर सेफ्टी ऑडिट की जमीनी हकीकत की पोल खोलकर रख दी है। सुबह 4 बजे से लगातार उठती आग की लपटों और धुएं के गुबार से 50 मीटर के दायरे में मकान, दुकान और अस्पताल के लोग परेशान हो गए। हर तरफ भागमभाग जैसी स्थिति रही। फायर ब्रिगेड के जवान लगातार आसपास के इलाकों से टैंकरों को रिफिल करते रहे। चांदपुर, मुढ़ैला और आसपास के औद्योगिक संस्थानों से पानी भरा गया।

फायर सुरक्षा की जांच के लिए कमेटी गठित : अग्निशमन स्टेशन अफसर विनोद पांडेय ने बताया कि फैक्टरी की फायर एनओसी थी और आग सुरक्षा बचाव के सभी मानक पाए गए। लेकिन, वहां म में रखे गए केमिकल, कार्टन, उपकरण ने आग में घी की तरह काम किया। आग को बुझाया गया लेकिन गोदाम में रह-रहकर आग की लपटें रात 10 बजे के बाद भी उठती रहीं। 95 फीसदी तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। जांच के लिए कमेटी गठित की गई है। मंडुवाडीह थाना प्रभारी दिगंबर उपाध्याय ने बताया कि आग के कारणों की जांच फायर ब्रिगेड करेगी।

प्लास्टिक, गत्ते और कॉपर वायर, आग के लिए बने बारूद : फैक्टरी में लगी भीषण आग ने कुछ ही देर में सब कुछ जलाकर खाक कर दिया। दमकल की गाड़ियों ने घंटों मशक्कत के बाद लपटों पर काबू तो पा लिया, लेकिन इस अग्निकांड ने कई गंभीर सवाल पीछे छोड़ दिए हैं। शुरुआती तौर पर आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, लेकिन जिस तेजी से आग ने विकराल रूप लिया, उसने यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या यह सिर्फ एक हादसा था या सुरक्षा मानकों की अनदेखी का नतीजा। ये सिर्फ फैक्ट्री नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर स्टॉक रखने का गोदाम भी था। अंदर पंखों के प्लास्टिक के बॉडी पार्ट्स, फाइबर फिनिश ब्लेड्स, कॉपर बाइंडिंग और पैकेजिंग के लिए रखे गए सैकड़ों गत्ते (कार्टन) ठसाठस भरे हुए थे। ये सभी सामान आग के लिए बारूद बन गए। प्लास्टिक और फाइबर के जलते ही अत्यधिक तीव्र ज्वलनशील गैसें बनीं, जिसने आग में घी का काम किया। गत्तों और पॉलिथीन पैकेजिंग ने लपटों को सेकंड्स में एक कोने से दूसरे कोने तक पहुंचा दिया।

अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक गोदामों में क्षमता से अधिक सामान डंप कर दिया जाता है। अग्निकांड के दौरान सबसे बड़ी समस्या वेंटिलेशन (हवा की निकासी) की आई। यहां हवा और धुएं के निकलने का सही रास्ता न होने के कारण अंदर अत्यधिक ऊष्मा बनती गई, जिससे थर्माकोल और प्लास्टिक के पार्ट्स खुद-ब-खुद सुलगने लगे। फैक्टरी में आग लगने के दौरान सिर्फ एक गार्ड था। फिलहाल मंडुवाडीह पुलिस और फायर ब्रिगेड आग लगने के सटीक कारणों की जांच में जुटी है। फॉरेंसिक और इलेक्ट्रिकल सुरक्षा विशेषज्ञों की रिपोर्ट के बाद ही साफ हो पाएगा कि यह महज एक तकनीकी खराबी (शॉर्ट सर्किट) थी या फिर सुरक्षा इंतजामों में बरती गई कोई बड़ी लापरवाही।

आसपास के मकान खाली कराए, अस्पताल का गेट बंद कराया : आग की लपटें बढ़ती देख मंडुवाडीह थाना प्रभारी दिगंबर उपाध्याय ने एहतियातन आसपास के मकानों में रहने वाले लोगों को बाहर निकलवाया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। पास स्थित मेघना अस्पताल और अन्य मकानों में रहने वालों की भी अलसुबह नींद टूट गई। धुआं उठता देख पुलिस ने मेघना अस्पताल का दूसरा गेट भी बंद करा दिया। ऊपरी मंजिल पर भर्ती मरीजों और वहां मौजूद कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर नीचे पहुंचाया गया। आग और धुएं के कारण अफरातफरी मच गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग भी घरों से बाहर निकल आए। वाराणसी-रोहनिया मार्ग से गुजर रहे राहगीर भी रुककर आग की भयावहता देखते रहे।

सड़क से संकरे मार्ग पर फैक्टरी, सटा हुआ था निजी अस्पताल : चांदपुर-रोहनिया मार्ग स्थित फैक्टरी की ओर जाने का रास्ता संकरा रहा। इस वजह से दमकल विभाग की गाड़ियां गेट तक नहीं पहुंच सकी। अग्निशमन अधिकारी विनोद पांडेय ने बताया कि सड़क पर ही गाड़ियां खड़ी हो रही थीं और पाइप के जरिये आग पर पानी की बौछार मारी जा रही थी। फैक्टरी के ठीक सामने मालिक का मकान भी है। वहां और आसपास मकानों की छतों से लोग पानी की बौछारें मार रहे थे। दमकल विभाग ने कई तरह के रसायन, फोम और पानी का इस्तेमाल किया।

महामाया स्टेडियम में 30 करोड़ के विकास कार्यों का निरीक्षण, खिलाड़ियों से सीधे संवाद कर सुनी समस्याएं

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। महामाया स्टेडियम में करीब 30 करोड़ रुपये की लागत से कराए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का सांसद अतुल गर्ग, शहर विधायक संजीव शर्मा और मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरव ने निरीक्षण किया। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्टेडियम में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के साथ खिलाड़ियों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याओं तथा आवश्यकताओं की जानकारी ली। खिलाड़ियों ने खेल सुविधाओं, प्रशिक्षण व्यवस्था और अन्य जरूरतों से संबंधित अपने सुझाव और समस्याएं जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखीं। इस पर संबंधित अधिकारियों को खिलाड़ियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि गाजियाबाद में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है। महामाया स्टेडियम को आधुनिक खेल सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है, ताकि खिलाड़ियों को अभ्यास और प्रशिक्षण के लिए बेहतर वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रयास है कि गाजियाबाद के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करें। शहर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। स्टेडियम में चल रहे विकास कार्य पूरे होने के बाद खिलाड़ियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और उन्हें अपनी प्रतिभा निखारने का बेहतर अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि ओलंपिक में शामिल 31 खेलों में से 24 खेल महामाया स्टेडियम में खेले जाते हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी जनप्रतिनिधियों को दी। कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी राममिलन, मधु अवस्थी, ऋचा सूद, अरुण चौधरी भुल्लन, मुनेंद्र, धर्मेंद्र चौधरी, आशुतोष शर्मा, अंकित गुप्ता, संदीप शर्मा, मनोज कांगड़ा सहित अनेक प्रशिक्षक, खिलाड़ी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऑपरेशन कवच 2.0 में बसों पर बड़ी कार्रवाई, नियम विरुद्ध चल रहीं सात बसें सीज

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सड़क सुरक्षा और यात्री वाहनों के सुरक्षित एवं नियमानुसार संचालन को लेकर परिवहन विभाग ने ऑपरेशन कवच 2.0 के तहत जनपद में बसों के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। अभियान के दौरान विभिन्न मार्गों और प्रमुख स्थलों पर बसों की सघन जांच की गई। परिवहन विभाग की टीम ने बसों के परमिट, फिटनेस, कर, बीमा, प्रदूषण प्रमाण-पत्र सहित अन्य आवश्यक वैधानिक दस्तावेजों की जांच की। जांच के दौरान नियमों के विपरीत संचालित पाई गईं सात बसों को सीज कर दिया गया। सीज की गई बसों को नियमानुसार साहिबाबाद डिपो परिसर और अन्य निर्धारित स्थानों पर खड़ा कराया गया है। संबंधित वाहनों के विरुद्ध प्रचलित प्रावधानों के तहत आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान वाहन संख्या यूपी23टी4959 की जांच में बस के अंदर पेंट से संबंधित माल पाया गया। जांच में माल के संबंध में वस्तु एवं सेवा कर से जुड़ी अनियमितता अथवा कर चोरी की संभावना सामने आने पर मामले की जानकारी संबंधित विभाग को दी गई। परिवहन विभाग ने तत्काल वस्तु एवं सेवा कर विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाया और संबंधित बस तथा माल को आवश्यक जांच एवं अग्रिम कार्रवाई के लिए उनके सुपुर्द कर दिया। परिवहन विभाग ने बस संचालकों और वाहन स्वामियों को वैध परमिट,

फिटनेस, बीमा, कर तथा अन्य जरूरी दस्तावेजों के साथ ही वाहनों का संचालन करने और यात्रियों की सुरक्षा के निर्धारित मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। विभाग ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन कवच 2.0 के तहत जांच और प्रवर्तन कार्रवाई आगामी दिनों में भी लगातार जारी रहेगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले यात्री वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कचरा प्रबंधन में लापरवाही पर एएमयू और धनीपुर मंडी को नोटिस

अलीगढ़ , एजेंसी। कचरा प्रबंधन में लापरवाही पर नगर निगम ने सोमवार को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) और धनीपुर मंडी समिति को नोटिस जारी किया है। दोनों संस्थानों से तीन दिन के भीतर जवाब मांगा गया है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने और नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं करने पर निगम उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा मुकदमा दर्ज कराएगा।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि दोनों संस्थाओं को पूर्व में भी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में पत्राचार कर आवश्यक जानकारी और कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद नियमों के अनुपालन की स्थिति स्पष्ट नहीं होने पर यह कदम उठाया गया है। नगर आयुक्त ने बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के तहत प्रतिदिन 100 किलोग्राम से अधिक कचरा उत्पन्न करने वाले, 20 हजार वर्ग मीटर या इससे अधिक निर्मित क्षेत्रफल वाले अथवा प्रतिदिन 40 हजार लीटर या इससे अधिक पानी का उपभोग करने वाले संस्थान बल्क वेस्ट जनरेटर्स की श्रेणी में आते हैं। ऐसे संस्थानों को अपने परिसर में उत्पन्न कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करना अनिवार्य है।

नगर आयुक्त के मुताबिक, जवाब संतोषजनक नहीं मिलने और नियमों का अनुपालन नहीं होने पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम अन्य बड़े संस्थानों, होटल, रेस्टोरेंट और मैरिज होम में भी कचरा प्रबंधन की व्यवस्था की जांच कर कार्रवाई करेगा। प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा कि शहर की स्वच्छता और पर्यावरण से जुड़े नियमों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एएमयू का पक्ष

नगर निगम का नोटिस मिला है। इसका अवलोकन किया जा रहा है। नोटिस के हिसाब से बिंदुवार अपशिष्ट पदार्थों का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

– प्रोफेसर मोहम्मद नवेद खान, प्रॉक्टर

धनीपुर मंडी समिति का पक्ष

जिस निजी कंपनी पर धनीपुर मंडी में साफ-सफाई कराने का जिम्मा है उसे नियमों का पालन न करने पर नोटिस जारी किया गया है। मंडी में साफ-सफाई व वैज्ञानिक तरीके से कूड़ा निस्तारण पर जोर दिया जाएगा।

– मुकेश त्रिपाठी, मंडी सचिव, धनीपुर मंडी समिति

लखनऊ में अब सिर्फ 15 लाख में होगा हार्ट ट्रांसप्लांट

केजीएमयू में जल्द शुरू होगी सेवा

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ स्थित केजीएमयू में दो महीने में हार्ट ट्रांसप्लांट शुरू हो जाएगा। संस्थान में यह सुविधा शुरू करने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। डोनर और मरीजों के पंजीकरण की प्र्रिया शुरू हो गई है। शुरुआती पांच हृदय प्रत्यारोपण पूरी तरह मुफ्त होंगे। कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद की अध्यक्षता में हुई कार्यपरिषद की बैठक में यह निर्णय लिया जा चुका है। अभी एसजीपीजीआई में यह सुविधा उपलब्ध है।

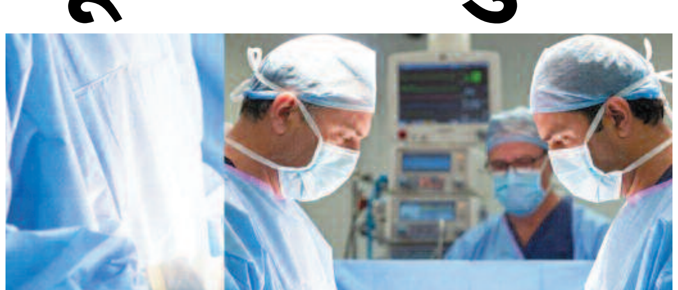

केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह के अनुसार कार्डियोवैस्कुलर एंड थोरेसिक सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग को हार्ट ट्रांसप्लांट का लाइसेंस पहले ही मिल चुका है। संस्थान में ट्रांसप्लांट के लिए जरूरी उपकरण, प्रशिक्षित चिकित्सकों की टीम और पैरामेडिकल स्टाफ भी उपलब्ध हैं। अन्य तैयारियां भी लगभग पूरी हैं। उम्मीद है कि दो माह में हार्ट ट्रांसप्लांट शुरू हो जाएगा।

निजी में एक करोड़ रुपये, सरकारी में 15 लाख तक खर्च

हार्ट ट्रांसप्लांट बेहद महंगी चिकित्सा प्र्रिया है। निजी अस्पतालों में इसके लिए करीब एक करोड़ रुपये तक खर्च आता है। सरकारी चिकित्सा संस्थानों में यह प्र्रिया 12 से 15 लाख रुपये में संभव है। केजीएमयू ने अभी ट्रांसप्लांट की शुल्क दर तय नहीं की है।

उधर, लारी कॉर्डियोलॉजी के हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. अक्षय प्रधान ने बताया हृदय की मांसपेशियों को नुकसान पहुंचने पर खून में ट्रोपोनिन का स्तर बढ़ सकता है। शुरुआती जांच सामान्य आने के बावजूद यदि सीने में दर्द, सांस फूलना या अन्य लक्षण रहें तो कुछ घंटे बाद ट्रोपोनिन की दोबारा जांच की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में केवल एक सामान्य ईसीजी रिपोर्ट के आधार पर हार्ट अटैक की आशंका को पूरी तरह खारिज नहीं किया जाना चाहिए। लक्षणों और मरीज की स्थिति के आधार पर डॉक्टर आगे की जांच तय करते हैं।

धूमधाम से मनाया गया 200वां गनर्स डे, शहीदों को किया नमन

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ। रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी ने सोमवार को लखनऊ में अपना 200वां गनर्स डे मनाया। इस अवसर पर रेजिमेंट की दो शताब्दियों की गौरवशाली सेवा, वीरता, बलिदान और पेशेवर उत्कृष्टता को याद किया गया। कार्य्र म में सेवारत जवानों के साथ बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

मध्य कमान के जनसंपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि समारोह के तहत मुख्यालय के एमजी आर्टी मेजर जनरल व्रि मजीत सिंह गिल ने रेजिमेंट के पूर्व सैनिकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ युद्ध स्मृतिका पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले गनर्स को नमन किया और रेजिमेंट की गौरवशाली सैन्य परंपरा को याद किया। इस दौरान मध्य कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने पूर्व सैनिकों और सभी रैंक के जवानों से बातचीत की। उन्होंने 200वां गनर्स डे पूरा होने पर गनर समुदाय को बधाई दी। लेफ्टिनेंट जनरल ने रेजिमेंट की साहस, पेशेवर दक्षता और ऑपरेशनल उत्कृष्टता की परंपरा की सराहना की। उन्होंने पूर्व सैनिकों के योगदान को भी महत्वपूर्ण बताया और कहा कि उनकी सेवा, बलिदान और अनुभव नई पीढ़ी के गनर्स के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। कार्य्र म में सेवारत सैनिकों और पूर्व सैनिकों ने एक-दूसरे से मुलाकात कर रेजिमेंट की एकजुटता और भाईचारे की भावना को मजबूत किया।

यूपीआईटीएस-2026 में 4,400 एमओयू, 6,500 करोड़ रुपये के समझौते और 15,500 करोड़ के कारोबार की संभावना

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस)-2026 का चौथा संस्करण मंगलवार को इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में पांच दिवसीय आयोजन के बाद संपन्न हो गया। आयोजन के दौरान करीब 6,500 करोड़ रुपये मूल्य के 4,400 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए, जबकि कारोबार संबंधी पूछताछ के आधार पर करीब 15,500 करोड़ रुपये के संभावित कारोबार का अनुमान लगाया गया है। आयोजन से जुड़े आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार इस दौरान कुल 41,500 व्यवसाय-से-व्यवसाय बैठकें हुईं। इनमें 13,500 बैठकें रिवर्स बायर्स-सेलर्स मीट क्षेत्र में और करीब 28,000 बैठकें मुख्य प्रदर्शनी क्षेत्र में हुईं। पांच दिनों में कुल 5,98,693 लोगों की आमद दर्ज की गई, जिसमें 1,74,990 घरेलू कारोबारी खरीदार और 4,23,703 आम दर्शक शामिल रहे। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार कारोबारी गतिविधियों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। 2025 में 31,650 बी2बी बैठकों के मुकाबले इस वर्ष इनकी संख्या 41,500 रही। वहीं रिवर्स बायर्स-सेलर्स मीट की बैठकें 6,050 से बढ़कर 13,500 हो गईं। एमओयू की संख्या भी 3,900 से बढ़कर 4,400 पहुंची। इस वर्ष आयोजन में अंतरराष्ट्रीय भागीदारी का दायरा भी विस्तृत रहा और रूस के साथ ऑस्ट्रिया, जापान, सिंगापुर, बेलारूस तथा वियतनाम सहित छह साझेदार देशों की भागीदारी रही। विदेशी खरीदारों ने उत्तर प्रदेश के विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, वस्त्र और कृषि-खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में रुचि दिखाई। आयोजन में एक जिला, एक उत्पाद योजना के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों के उत्पादों को खरीदारों के सामने प्रस्तुत किया गया। हस्तशिल्प, हथकरघा, पीतल उत्पाद, कालीन, चमड़ा और कृषि उत्पादों को कारोबारियों से जोड़ने के लिए मंच उपलब्ध हुआ। आधिकारिक कार्यक्रम के अनुसार यूपीआईटीएस का आयोजन 25 से 29 सितंबर तक किया गया था।

व्यापारियों से जुड़ी योजनाओं की जानकारी लेने मुख्य विकास अधिकारी से मिला व्यापार मंडल

सहारनपुर (शिखर समाचार)। पश्चिमी व्यापारी एकता व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह वर्मा के नेतृत्व में नवनियुक्त मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार वर्मा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने विकास भवन पहुंचकर मुख्य विकास अधिकारी से विभाग द्वारा संचालित व्यापारियों से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी हासिल की और इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ व्यापारियों तक पहुंचाने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष हरपाल सिंह वर्मा ने कहा कि सरकारी विभागों की ओर से व्यापारियों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी उन्हें समय पर मिलना जरूरी है, ताकि पात्र व्यापारी उनका लाभ उठा सकें। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी से व्यापारियों से संबंधित योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार और पात्र लोगों तक उनका लाभ पहुंचाने की दिशा में सहयोग का अनुरोध किया। मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने प्रतिनिधिमंडल की बात सुनी और विभागीय योजनाओं से संबंधित जानकारी साझा की। इस दौरान व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने व्यापारियों की विभिन्न आवश्यकताओं और समस्याओं से भी अधिकारियों को अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल में जिला अध्यक्ष मनोज ठाकुर, महानगर अध्यक्ष विजय सनी मल्होत्रा, रोहित अग्रवाल, सीमांत वशिष्ठ, बोधराम धीमान, पंकज धीमान, डॉ. मनोज सेन, मनोज फौजी, सुशील काम्बोज, विशु वर्मा, निखिल ठाकुर, शोएब अंसारी, विनोद कुमार, आशु पुंडीर और प्रदीप वर्मा सहित बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल रहे। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापारियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी और उनका लाभ मिलने से कारोबार को बेहतर बनाने में सहायता मिलेगी। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य विकास अधिकारी के साथ भविष्य में भी व्यापारियों से जुड़े विषयों पर संवाद बनाए रखने की बात कही।

जिला जज, डीएम और एसपी ने डासना जेल का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिला जज अजय कुमार सिंह प्रथम, जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने मंगलवार को डासना स्थित जिला कारागार का संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने निरीक्षण के दौरान पुरुष और महिला बंदी बैरकों, भोजनालय तथा अस्पताल का जायजा लिया। बैरकों और भोजनालय में साफ-सफाई की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने रसोईघर में तैयार किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जानकारी ली और अस्पताल में बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सीय सुविधाओं को भी परखा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न बैरकों में जाकर बंदियों से सीधे संवाद किया, उनका हालचाल जाना तथा जेल में मिल रही सुविधाओं और व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। अधिकारियों ने ऐसे बंदियों की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली, जिनके पास अपने मुकदमे की पैरवी के लिए अधिवक्ता उपलब्ध नहीं हैं। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि ऐसे बंदियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से नियमानुसार निशुल्क कानूनी सहायता और पैरवी उपलब्ध कराई जाए। इस दौरान बंदियों को सरकार की ओर से संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अधिकारियों ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के साथ सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी व्यवस्था का भी जायजा लिया। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने जेल अधीक्षक को कारागार की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने तथा बंदियों को नियमानुसार सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने साफ-सफाई, भोजन, स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक सहित कारागार के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

हापुड़ के जिंदल ज्वेलर्स को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान, शिल्पा शेट्टी ने प्रदान किया पुरस्कार

हापुड़ (शिखर समाचार)। नगर के सराफा बाजार स्थित प्रतिष्ठित जिंदल ज्वेलर्स को एक ग्राम स्वर्ण आभूषण श्रेणी में उत्कृष्ट डिजाइन और गुणवत्ता के लिए अंतरराष्ट्रीय डैजलिंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दिल्ली स्थित द तिवोली गार्डन रिजॉर्ट में आयोजित अंतरराष्ट्रीय डैजलिंग पुरस्कार समारोह के पांचवें संस्करण में जिंदल ज्वेलर्स को सर्वश्रेष्ठ एक ग्राम स्वर्ण आभूषण श्रेणी का पुरस्कार प्रदान किया गया। जिंदल ज्वेलर्स के संचालक सचिन जिंदल और प्रथम जिंदल ने यह सम्मान फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा के हाथों प्राप्त किया। हापुड़ के राजेंद्र नगर निवासी सचिन जिंदल और प्रथम जिंदल सराफा बाजार में जिंदल ज्वेलर्स का संचालन करते हैं। उनके प्रतिष्ठान के पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक ग्राम स्वर्ण आभूषण के विभिन्न केंद्र संचालित हैं। आयोजकों के अनुसार, जिंदल ज्वेलर्स को एक ग्राम स्वर्ण आभूषणों में डिजाइन और गुणवत्ता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए इस सम्मान के लिए चुना गया। समारोह में देशभर से विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं और उद्योग जगत से जुड़ी हस्तियों को सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मान मिलने की जानकारी के बाद हापुड़ क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय व्यापारियों, सराफा कारोबारियों, शुभचिंतकों और परिचितों ने सचिन जिंदल तथा प्रथम जिंदल को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिंदल ज्वेलर्स से जुड़े लोगों का कहना है कि यह सम्मान प्रतिष्ठान के लिए गौरव का विषय है और इससे ग्राहकों को बेहतर डिजाइन तथा गुणवत्ता वाले आभूषण उपलब्ध कराने के प्रयासों को आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलेगी।

वृद्धाश्रम में डीएम का औचक निरीक्षण, दो दिन में सीसीटीवी लगाने के निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी ने मंगलवार को समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित दनकौर स्थित वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण कर वहां रह रहे वृद्धजनों से संवाद किया और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने वृद्धजनों से उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं के बारे में भी पूछा तथा संबंधित अधिकारियों को उनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वृद्धाश्रम परिसर की साफ-सफाई, रसोईघर, भंडार कक्ष, खान-पान, पेयजल, विद्युत एवं प्रकाश व्यवस्था तथा सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और भंडार कक्ष में रखे खाद्य पदार्थों के नमूने लेने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। पेयजल व्यवस्था की जांच करते हुए वाटर कूलर के पानी की गुणवत्ता की जांच कराने को कहा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि वृद्धाश्रम में सभी आवश्यक सुविधाएं सुचारु और क्रियाशील रहें तथा किसी भी कमी का तत्काल समाधान कराया जाए। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वृद्धाश्रम परिसर में दो दिन के भीतर सीसीटीवी कैमरे लगाने और उनकी निगरानी का अभिगम कलेक्ट्रेट में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने प्रबंधन को वृद्धजनों के स्वास्थ्य, स्वच्छता, खान-पान, सुरक्षा और दैनिक जरूरतों का विशेष ध्यान रखने को कहा। समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को वृद्धजनों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए शिविर आयोजित कर पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम के पास खाली भूमि पर पड़े कूड़े-कचरे का भी जिलाधिकारी ने संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों को वहां कचरा डालने पर रोक लगाने तथा आसपास स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों की सेवा और सुविधाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

कबाड़ी और कचरा बीनने वालों को कचरा न जलाने के लिए किया जागरूक

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। स्वच्छता को बढ़ावा देने और वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। मंगलवार को प्राधिकरण ने सहयोगी संस्था फीडबैक फाउंडेशन के साथ राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के पास जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें कबाड़ी और कचरा बीनने वाले श्रमिकों को व्यक्तिगत स्वच्छता, साफ-सफाई बनाए रखने तथा प्लास्टिक और अन्य प्रकार के कचरे को नहीं जलाने के प्रति जागरूक किया गया। जागरूकता सत्र में श्रमिकों को बताया गया कि कार्यस्थल और उसके आसपास कचरा एकत्र होने से गंदगी और प्रदूषण बढ़ता है। इसलिए कचरे का उचित प्रबंधन और नियमानुसार निस्तारण किया जाना जरूरी है। प्रतिभागियों को नियमित रूप से व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने और अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही प्लास्टिक और अन्य कचरा जलाने से निकलने वाले धुएं के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि कचरा जलाने से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण बढ़ाने के साथ मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। इसलिए श्रमिकों से कचरा नहीं जलाने और उसे उचित तरीके से अलग कर निस्तारित करने की अपील की गई। प्राधिकरण की ओर से कहा गया कि स्वच्छता और प्रदूषण नियंत्रण के लिए जनसहभागिता जरूरी है। इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जिम्मेदार बनाने और स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त ग्रेटर नोएडा के निर्माण में उनकी भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधक राम कुमार, प्रबंधक कनुप्रिया, पर्यवेक्षक राजेश तथा फीडबैक फाउंडेशन के परियोजना प्रबंधक संजय शुक्ला सहित अन्य संबंधित प्रतिनिधि मौजूद रहे।

युवाओं के ज्ञान और करियर का केंद्र बना सूचना विभाग का पवेलियन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का पवेलियन पांच दिनों तक युवाओं के लिए ज्ञान, करियर और प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का प्रमुख केंद्र बना रहा। पवेलियन में पुस्तकों की प्रदर्शनी के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से संबंधित सामग्री उपलब्ध कराई गई, जिससे युवाओं में विशेष रुचि दिखाई दी। भारतीय इतिहास, संस्कृति, राजनीतिक विज्ञान, उभरते भारत, उभरते उत्तर प्रदेश और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़ी पुस्तकों को देखने के लिए दिनभर युवाओं की आवाजाही बनी रही। कई युवा पुस्तकों को वहीं बैठकर पढ़ते नजर आए, जबकि कुछ ने पसंद आई पुस्तकों और उनके प्रकाशकों की जानकारी अपने मोबाइल में दर्ज की। उत्तर प्रदेश वार्षिकी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए विशेष आकर्षण रही। सिकंदराबाद से आईं पीसीएस अभ्यर्थी निधि यादव ने बताया कि उनकी सहपाठी ने उन्हें ट्रेड शो में उपलब्ध उत्तर प्रदेश वार्षिकी के बारे में जानकारी दी थी, जिसके बाद वह विशेष रूप से पुस्तक देखने और लेने पहुंचीं। पवेलियन में 'बनारस तेरे रंग हजार', 'योगी का राम राज्य', 'लोक आराधना की अभिव्यक्ति', 'तीर्थनामा अयोध्या', 'न्यू यूपी फॉर ए न्यू इंडिया' और 'विकसित यूपी विकसित भारत' जैसी पुस्तकों में भी युवाओं ने रुचि दिखाई। पवेलियन का सेल्फी क्षेत्र भी युवाओं के आकर्षण का केंद्र रहा। अयोध्या का राम मंदिर, वाराणसी का नमो घाट, वृंदावन का प्रेम मंदिर और सारनाथ जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों की पृष्ठभूमि में युवाओं ने तस्वीरें लीं। इलेक्ट्रॉनिक ग्लोब के जरिए उभरते भारत और उभरते उत्तर प्रदेश की जानकारी भी प्रदर्शित की गई। सेल्फी लेने के लिए कई युवाओं को करीब आधे घंटे तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। तस्वीर लेने के बाद सूचना विभाग की ओर से युवाओं को उपहार भी दिए गए। पांच दिवसीय आयोजन में पवेलियन ने युवाओं को ज्ञान, करियर, संस्कृति और डिजिटल माध्यम से प्रदेश की विरासत से जोड़ने का प्रयास किया।

नाला निर्माण विवाद में नया मोड़, महिलाओं ने सभासद पर अभद्रता के आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की

शामली (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद के वार्ड-16 में नाला निर्माण को लेकर 19 सितंबर को हुआ विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। विवाद के बाद स्थानीय महिलाओं और लोगों ने वार्ड सभासद अनिल उपाध्याय पर कथित अभद्रता और बदसलूकी के आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। इससे पहले विवाद के दौरान सभासद के साथ मारपीट होने तथा दोनों पक्षों की ओर से पुलिस को तहरीर दिए जाने की जानकारी सामने आई थी। स्थानीय महिलाओं और शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि विवाद के दौरान सभासद ने महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया। उनका कहना है कि घटना के बाद उनके पक्ष की शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई, जबकि दूसरे पक्ष की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया। शिकायतकर्ताओं ने पुलिस के उच्चाधिकारियों से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। बताया गया है कि महिलाओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर अपनी शिकायत रखी और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ताओं ने सभासद पर राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया है। साथ ही सभासद से जुड़े पूर्व विवादों और अन्य मामलों की जांच कराने की मांग की गई है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। महिलाओं का कहना है कि यदि उनकी शिकायत पर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो वे मामले को उच्चाधिकारियों के समक्ष उठाती रहेंगी। उन्होंने पुलिस प्रशासन से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने और जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। मामले को लेकर दोनों पक्षों के आरोपों के बीच पुलिस की जांच को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बिना पंजीकरण चल रहे चार चिकित्सकीय प्रतिष्ठान सील, स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई से मचा हड़कंप

थानाभवन/शामली (शिखर समाचार)। बिना पंजीकरण और निर्धारित मानकों के विपरीत संचालित किए जा रहे कथित चिकित्सकीय प्रतिष्ठानों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को थानाभवन कस्बे में अभियान चलाया। नोडल अधिकारी डॉ. दीपक चौधरी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर जांच की। जांच के दौरान चार प्रतिष्ठानों को सील कर दिया गया। कार्रवाई की सूचना मिलते ही बिना पंजीकरण चिकित्सा कार्य करने वाले संचालकों में हड़कंप मच गया। टीम ने थानाभवन में डॉ. उस्मान, डॉ. आदिल और डॉ. मुस्तकीम समेत अन्य चिकित्सकीय प्रतिष्ठानों की जांच की। अधिकारियों ने मौके पर उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, व्यवस्थाओं और संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल की। जांच के दौरान एक व्यक्ति टीम को देखकर मौके से फरार हो गया। अधिकारियों ने संबंधित प्रतिष्ठानों में नियमों और पंजीकरण से जुड़े अभिलेखों की जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई करते हुए चार प्रतिष्ठानों पर सील लगा दी। इसके अलावा कुछ अन्य संचालकों को पंजीकरण तथा चिकित्सा कार्य से संबंधित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किए गए। अधिकारियों ने निर्धारित समय के भीतर अभिलेख उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। दस्तावेजों की जांच के बाद संबंधित मामलों में आगे की कार्रवाई की जाएगी। नोडल अधिकारी डॉ. दीपक चौधरी ने बताया कि थानाभवन क्षेत्र में बिना आवश्यक पंजीकरण चिकित्सा कार्य किए जाने की शिकायतें स्वास्थ्य विभाग को मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर प्रतिष्ठानों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच में नियमों का उल्लंघन मिलने पर सीलिंग समेत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया कि बिना पंजीकरण अथवा निर्धारित मानकों का पालन किए संचालित होने वाले चिकित्सकीय प्रतिष्ठानों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

इंजीनियरिंग कॉलेज कर्मचारी का गन्ने के खेत में मिला शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

मोदीनगर (शिखर समाचार)। कोतवाली क्षेत्र के बखरवा गांव से 21 सितंबर की सुबह लापता हुए 42 वर्षीय व्यक्ति का शव मंगलवार को गांव से कुछ दूरी पर जंगल में गन्ने के खेत से बरामद होने के बाद सनसनी फैल गई। शव को जानवरों ने बुरी तरह नोच रखा था। मृतक की पहचान बखरवा गांव निवासी पवन शर्मा के रूप में हुई है, जो क्षेत्र स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज में कार्यरत था। बताया गया कि पवन शर्मा 21 सितंबर की सुबह कॉलेज जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटा। परिजन तभी से उसकी तलाश कर रहे थे। मंगलवार को ग्रामीणों को जंगल में गन्ने के खेत में एक शव पड़ा होने की जानकारी मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। इसके बाद फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से आवश्यक नमूने एकत्र किए। कुछ देर बाद शव की पहचान पवन शर्मा के रूप में हो गई। मृतक के परिजनों ने पवन शर्मा के अपहरण के बाद हत्या किए जाने की आशंका जताते हुए जांच की मांग की है। पुलिस को शव के पास से जहरीले पदार्थ की एक खाली डिब्बी भी मिली है। पुलिस के अनुसार मृतक ने कुछ समय पहले अपनी जमीन बेचकर मकान बनाया था, लेकिन इसके बावजूद उस पर लाखों रुपये का कर्ज होने की जानकारी सामने आई है। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है।

मृतक पवन शर्मा का फाइल फोटो

आशाओं ने कलक्ट्रेट पर किया धरना-प्रदर्शन, मानदेय बढ़ाने समेत कई मांगें उठाईं

शामली (शिखर समाचार)। अखिल भारतीय संगिनी व आशा वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले मंगलवार को आशा कार्यकताओं और संगिनियों ने विभिन्न मांगों को लेकर कलक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कार्यकताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और मांगों का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि शासन स्तर की मांगों को लेकर पूर्व में दिए गए ज्ञापन पर अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। वहीं स्थानीय स्तर की समस्याओं के संबंध में भी अधिकारियों की ओर से संगठन के साथ चर्चा नहीं की गई और वार्ता के लिए कोई तिथि निर्धारित नहीं की गई। इससे नाराज आशा कार्यकताओं और संगिनियों ने कार्य बहिष्कार के बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी। ज्ञापन में प्रत्येक आशा कार्यकर्ता को 21 हजार रुपये और आशा संगिनी को 26 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। इसके अलावा भ्रमण के लिए प्रतिपूर्ति राशि, नियुक्ति पत्र जारी करने तथा वर्ष 2006 से लंबित भ्रमण दिवस के आधार पर 700 रुपये प्रतिदिन मुआवजा देने की मांग की गई। कार्यकताओं ने मृत्यु एवं दुर्घटना बीमा लागू करने, भ्रमण के लिए यात्रा भत्ता एवं दैनिक भत्ता देने तथा स्कूटी उपलब्ध कराने की मांग भी रखी। सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन और 12 लाख रुपये की सहायता दिए जाने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही। आशा कार्यकताओं ने जिलाधिकारी से उनकी मांगों को शासन तक पहुंचाकर उचित कार्रवाई कराने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान डोली, बबिता, सीमा, रेखा, रेणु, बबली, सुनीता, हेमा, अंजू, मुकेश, रीना, मीना, उर्मिला, रश्मि, पूनम, रीता, पूजा सहित बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता और संगिनियां मौजूद रहीं।

संपादकीय

चुनाव आयोग की निष्पक्षता और सामूहिक निर्णय प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट की नजर

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने और मतगणना के बाद सरकार बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी असली ताकत उन संस्थाओं की निष्पक्षता में निहित है, जिनके जिम्मे लोकतांत्रिक व्यवस्था को संचालित करने की जिम्मेदारी है। चुनाव आयोग ऐसी ही एक संवैधानिक संस्था है, जिसकी विश्वसनीयता देश के प्रत्येक नागरिक के मताधिकार से जुड़ी हुई है। ऐसे में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कथित एकतरफा फैसलों और चुनाव आयोग के भीतर निर्णय प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों पर सुप्रीम कोर्ट का ध्यान जाना महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। मंगलवार, 29 सितंबर 2026 को वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस मामले को उठाया। अदालत ने याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई करने की बात कही है। यह मामला केवल एक अधिकारी के अधिकारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके केंद्र में यह महत्वपूर्ण प्रश्न है कि क्या चुनाव आयोग जैसे बहुसदस्यीय संवैधानिक संस्थान के निर्णय सामूहिक सहमति अथवा निर्धारित बहुमत के आधार पर होने चाहिए और इस प्रक्रिया का पालन किस प्रकार सुनिश्चित किया जाए। याचिकाकर्ता राकेश कुमार सिंह ने संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल कर मांग की है कि चुनाव आयोग को प्राप्त संवैधानिक शक्तियों का इस्तेमाल आयोग एक सामूहिक संस्था के रूप में करे, न कि मुख्य चुनाव आयुक्त अकेले करें। याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त के कथित एकतरफा निर्णयों पर सवाल उठाते हुए उनके अधिकारों की न्यायिक जांच की मांग भी की गई है। इस विवाद की पृष्ठभूमि में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की ओर से कथित तौर पर दर्ज कराई गई आपत्तियां हैं। याचिका के अनुसार, अक्टूबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच दोनों चुनाव आयुक्तों ने कम से कम 14 बार कुछ फैसलों और प्रक्रियाओं पर असहमति जताई। इन आपत्तियों का संबंध मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, मतदाता पंजीकरण से जुड़े प्रपत्रों में बदलाव, चुनाव आयोग के आंकड़ों तक पहुंच और कुछ प्रशासनिक निर्णयों से बताया गया है। हालांकि, इन आरोपों को अभी न्यायिक रूप से प्रमाणित नहीं माना जा सकता। चुनाव आयोग ने अपनी ओर से कहा है कि आयोग के भीतर मतभेद होना किसी संस्थागत टूट का प्रमाण नहीं है और उसके निर्णय निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप तथा सर्वसम्मति से लिए गए हैं। यही वह बिंदु है, जिस पर आगामी सुनवाई में संवैधानिक और कानूनी दृष्टिकोण से चर्चा होने की संभावना है। भारत के संविधान का अनुच्छेद 324 चुनावों के संचालन, निर्देशन और नियंत्रण की जिम्मेदारी चुनाव आयोग को सौंपता है। इसका उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को एक स्वतंत्र संवैधानिक व्यवस्था के अंतर्गत संचालित करना है। वहीं, मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल से संबंधित 2023 के कानून की धारा 18 आयोग की निर्णय प्रक्रिया का उल्लेख करती है। इसके अनुसार, आयोग जहां तक संभव हो, सर्वसम्मति से काम करेगा और यदि किसी विषय पर मतभेद हो तो निर्णय बहुमत के आधार पर लिया जाएगा। इस कानूनी व्यवस्था का मूल उद्देश्य आयोग के भीतर विचार-विमर्श और सामूहिक निर्णय को संस्थागत रूप देना है। इसलिए यह मामला केवल प्रशासनिक अधिकारों का विवाद नहीं, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं में जवाबदेही और पारदर्शिता की व्यवस्था को समझने का अवसर भी है।

याचिका में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। मतदाता सूची का पुनरीक्षण चुनाव व्यवस्था का आवश्यक हिस्सा है। इसका उद्देश्य मृत, स्थानांतरित और दोहरे पंजीकरण वाले मतदाताओं के नामों की पहचान करना तथा पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करना है।

~ मौलिक चिंतन ~

जीवन बदलने का सबसे अच्छा दिन कोई आने वाला दिन नहीं, आज है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©

विनय संकोची

पहाड़ तीर्थ और धार्मिक आयोजन की गरिमा को बचाना जरूरी

ऋतुपर्ण दवे

हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों से तेज आवाज के कारण गंभीर घटनाएं और मौतें सामने आई हैं,बद्रीनाथ धाम जैसे पवित्र स्थलों और विभिन्न विसर्जन यात्राओं में डीजे के नाम पर होने वाले शोर-शराबे और डांस को लेकर विवाद बढ़ गया है।धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में डीजे के बढ़ते शोर से गंभीर नुकसान हो रहा है, जो अब केवल सांस्कृतिक धार्मिक कार्यक्रम न रहकर एक बड़ा सामाजिक और स्वास्थ्य संकट का रूप ले चुका है।

हाल ही में पवित्र तीर्थ स्थल बद्रीनाथ पर आयोजित कार्यक्रम के सम्बन्ध में लोगों का मानना है कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रमों से शांति और गरिमा नष्ट होती है।ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने इस आयोजन की कड़ी आलोचना की।इसे देवभूमि की संस्कृति के खिलाफ और बाजारू संस्कृति करार दिया गया। पर्यावरणविदों और स्थानीय लोगों ने भी उच्च हिमालयी और संवेदनशील इको-जोन में तेज बेस व कंपन से ग्लेशियर/पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई।

आपको बता दें कि बद्रीनाथ धाम पर मुरली मनोहर जोशी ने चिंता व्यक्त की है कि अब खुद जिम्मेदार लोग ही इस पर धर्म और आस्था के नाम पर नियम-कानूनों को ताक पर रखना, प्रकृति को नुकसान पहुंचाना और आम जनता के जीवन से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहें हैं , यह विकृति बढ़ रही हैं। अभी 19 और 20 सितंबर को उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम पर टूरिस्ट अराइवल प्लाजा में दो दिनों के देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान तेज आवाज में डीजे, साउंड सिस्टम और गानों पर लोगों के थिरकने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इस के बाद आलोचना का दौर शुरू हो गया।

आपको यह भी बता दें कि सत्ता रूढ़ दक्षिण पंथी पार्टी भाजपा जेन-जी पीढ़ी को संस्कार संस्कृति से जोड़ कर अपसंस्कृति गालीबाजी और बड़ों को अपशब्द व आपत्तिजनक व्यवहार से बचाने दूसरी ओर टर्न करने के लिए सक्रिय है। इसी कड़ी में देश भर के जेन-जी को आकर्षित करने के लिए कुछ कार्यक्रम किए जा रहे हैं।बद्रीनाथ के कार्यक्रम में खुद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शामिल हुए। आपको पता रहे अभी दो दिन पहले खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भजन क्लबिंग में हिस्सा लिया और बाकायदा ट्वीट किया कि हमारी जेन जी भजन क्लबिंग की ओर बढ़ रही है... यह आध्यात्मिकता और आधुनिकता का एक सुंदर संगम है, जिसमें भजनों की पवित्रता का भी पूरा ध्यान रखा जाता है।वहीं यह भी मानने वाली बात है कि जिन्हें आलोचना करनी है उनको हर काम में बुराई नजर आती है नई पीढ़ी को धर्म अध्यात्म की ओर आकर्षित कर उन्हें ड्रग्स लिव-इन रिलेशन अमर्यादित यौन हिंसा और विकृत सम्बन्धों से काफी हद तक बचाया जा सकता है। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने भजन क्लीबिंग का एक ट्वीट भी किया था यह ट्वीट बता रहा है कि अभी उन्होंने नयी पीढ़ी से जुड़ने की कोशिश की है।नयी पीढ़ी अध्यात्म दर्शन भक्ति और नवोन्मेष के मॉडल को अपना रही है, जिसे वो नैतिकता आध्यात्मिकता और आधुनिकता का संगम कह रहे हैं। नैतिकता आध्यात्मिकता दर्शन नवोन्मेष आधुनिकता में कभी भी अलगाव नहीं रहा है, ये हमेशा साथ चले हैं।

दूसरी ओर यह भी नकारा नहीं जा सकता है कि कुछ लोग अलग ही किस्म का दर्शन धार्मिक कार्यक्रमों पर थोप रहे हैं, जिसमें भक्ति के नाम पर सड़क पर शोभा यात्रा डीजे और देव स्वरूपों को नचाने का धतकरम चल रहा है धर्म के इस दिखावे में धर्म का नुकसान हो रहा है, यदि ऐसा कार्यक्रम तीर्थ स्थलों पर आयोजित किया जाता है तो सदियों से धर्म की रक्षा करने वाले तीर्थों की गरिमा को भी नुकसान पहुंच रहा है। बद्रीनाथ में सांस्कृतिक महोत्सव का अपना महत्व है इस तरह के आयोजन की रूपरेखा बनाते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे महोत्सव के दौरान तेज संगीत, डीजे वर्जित रखा जाए और मयार्दाओं में रह कर पहाड़ प्रकृति और धर्म का आचरण किया जाए। हाल ही के बद्रीनाथ कांसर्ट की आलोचना को सिरे से नकार देना उचित नहीं है हिमालय प्रेमी और बद्रीनाथ के प्रति श्रद्धा रखने वाले कई लोगों ने कड़ी आपत्ति जताई। यहां तक कि भाजपा के वरिष्ठ नेता और विज्ञान के शिक्षक रहे मुरली मनोहर जोशी ने भी सोशल मीडिया पर इस आयोजन की तीखी आलोचना करते हुए लिखा, बद्रीनाथ धाम में संगीत समारोह को छूट दिया जाना न सिर्फ सांस्कृतिक मयार्दाओं का उल्लंघन है बल्कि धाम की पवित्रता पर भी सीधा आघात है। आदि गुरु शंकराचार्य महाराज जी द्वारा इस धाम की स्थापना हिमालयी पर्यावरण में शांतिपूर्ण तरीके से भगवत भजन के लिए की थी। गौर करने वाली है कि इस जगह पर शंख बजाना भी मना है लेकिन हम उसे भूलकर शोर-शराबे वाले संगीत कार्यक्रमों का आयोजन कर भारतीय आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, पर्यावरणीय मूल्यों की घोर उपेक्षा तो कर ही रहे हैं, साथ में इतनी ऊंचाई पर हजारों लोगों के नाचने से उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की भी उपेक्षा कर रहे हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि अब देवभूमि को बाजारू संस्कृति के रूप में परिणीत किया जा रहा है।

जोशीजी की चिंता उचित और विचारणीय है। इसी क्षेत्र के माणा गांव के पूर्व प्रधान पीताम्बर सिंह मोलफा ने कहा कि हमारा इलाका बहुत ही संवेदनशील है। यहां धार्मिक परंपराओं और स्थानीय लोगों की भावनाओं को समझे बिना कोई भी बड़ा कार्यक्रम करना ठीक नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि चिपको आंदोलन से जुड़े चंडी प्रसाद भट्ट जी जैसे पर्यावरणविदों ने इस क्षेत्र के लिए काफी सुझाव दिए हैं, लेकिन मास्टर प्लान तैयार करते समय उनकी बातों को दरकिनार किया गया। मास्टर प्लान के तहत बड़ी-बड़ी मशीनें दिन-रात शोर कर रही हैं, हेली सेवा से जो शोर होता है, उस पर कोई बात नहीं करता। हालांकि अब प्रशासन कह रहा है कि भविष्य में बद्रीनाथ में ऐसे किसी भी कार्यक्रम पर रोक लगाई गई है। लेकिन उसे जवाब देना चाहिए कि पहले ही यह सब क्यों नहीं रोका गया। प्रदूषण से केवल बद्रीनाथ नहीं केदारनाथ धाम भी ग्रस्त है। यहां आई विनाशकारी बाढ़ ने बता दिया था कि किस तरह जरूरत से ज्यादा भीड़ पहुंचने से सारा इको सिस्टम प्रभावित हो रहा है। केदारनाथ क्षेत्र में स्थानीय लोग लंबे समय से पर्यावरण और बढ़ते पर्यटन के दबाव से जुड़ी समस्याओं की ओर ध्यान दिलाते रहे हैं। धाम के आसपास और यात्रा मार्ग पर साल-दर-साल रिकॉर्ड स्तर पर कचरा बढ़ रहा है, जिसका प्रबंधन नहीं हो पा रहा है। पर्यटक अपने पानी की खाली बोतल, खाने-पीने के पैकेट समेत कई सामान खाई में सीधे नीचे फेंक देते हैं, जिसे इकट्ठा करना काफी कठिनाई भरा या असंभव होता है । यह इस संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र के पर्यावरण के लिए एक गंभीर चेतावनी है। कचरे के बढ़ने के कारण भारी बारिश में हालात और बिगड़ जाते हैं। अभी रुद्रप्रयाग में ही लैंडस्लाइड होने की वजह से चारधाम यात्रा रोकनी पड़ी। बताया जा रहा है कि दोनों तरफ से करीब 4000 के आसपास तीर्थ यात्री फंसे हुए हैं। इस तरह की खबरों से जाहिर होता है प्रकृति की मार से इंसान बच नहीं सकता। फिर भी सबक नहीं लिया जा रहा है। और यह केवल पहाड़ों की बात नहीं है, मैदानी इलाकों में भी ध्वनि प्रदूषण से हालत बुरी है। अभी उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में एक स्कूल के बाहर गणेश विसर्जन के जुलूस के शोर से एक बारह साल की बच्ची की मौत की खबर आई है। कहा जा रहा है कि डीजे के शोर से बच्ची को हार्ट अटैक आया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस पूरे मामले का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।सुप्रीम कोर्ट ने ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए निर्देश दिए हैं, लेकिन धर्म के नाम पर उन निदेर्शों की अवहेलना हो रही है। स्पष्ट है कि जरुरत इस बात की है कि पहाड़ की संवेदनशीलता का ध्यान रखते हुए धार्मिक पर्यटन और कार्यक्रमों का नियमन किया जाए पहाड़ धर्म अध्यात्म संस्कृति सब की मयार्दा का पालन करना चाहिए तात्विक तौर पर यह सब परस्पर जुड़े हुए हैं और इसी को अंगीकार करने और समझने की प्रेरणा हमारे शास्त्रों और पुराणों में वर्णित है।

राम और शिव के बारे में रेवंत रेड्डी की टिप्पणियां हिंदू धर्म के प्रति उनकी घोर अज्ञानता को प्रदर्शित कर रही हैं

नीरज कुमार दुबे

भारतीय राजनीति में भगवानों के नाम पर सियासत कोई नई बात नहीं, लेकिन सवाल तब खड़ा होता है जब सत्ता की राजनीति में भगवानों को भी जाति, वर्ग और क्षेत्र के खांचों में बांटने की कोशिश होने लगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ताजा बयान ने यही सवाल देश के सामने ला खड़ा किया है कि क्या अब भगवान राम और भगवान शिव को भी राजनीति के अलग-अलग खेमों में खड़ा किया जाएगा? क्या राम को अमीरों का और शिव को गरीबों का भगवान बताकर आस्था को भी वोटबैंक की राजनीति में बांटने की कोशिश होगी? सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि एक मुख्यमंत्री के मुंह से निकले ऐसे शब्द देश की धार्मिक और सामाजिक एकता को कहां ले जाएंगे?

हम आपको बता दें कि एक कार्यक्रम में भाजपा पर निशाना साधते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि 'शिव गरीबों के भगवान हैं, जबकि राम अमीरों के भगवान हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भगवान राम को 'चुरा' लिया है और उत्तर भारत में चुनावी सफलता के लिए राम की भावना और आस्था का राजनीतिक इस्तेमाल किया। रेड्डी ने अपने तर्क को उत्तर-दक्षिण और द्रविड़-आर्य पहचान से भी जोड़ा। उनका कहना था कि 'हम द्रविड़ हैं और उत्तर भारत के लोग आर्य हैं। हम शिव के भक्त हैं और वे राम के भक्त हैं।' उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेता मंचों से 'हर हर महादेव' क्यों नहीं कहते और केवल 'जय श्रीराम' का उद्घोष क्यों सुनाई देता है? रेड्डी ने कहा कि जब दक्षिण भारत में 'हर हर महादेव' बोला जाता है तो भाजपा को यह पसंद नहीं आता।

यहीं से विवाद ने राजनीतिक रूप ले लिया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता बंडी संजय कुमार ने रेड्डी पर भगवान राम और भगवान शिव के बीच राजनीतिक विभाजन खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसी तेलंगाना में वेमुलवाड़ा को दक्षिण काशी और भद्राचलम को दक्षिण अयोध्या कहा जाता है। ऐसे में राम और शिव को उत्तर और दक्षिण की सीमाओं में बांटना उचित नहीं है। बंडी संजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी और काशी विश्वनाथ से जुड़ाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने वेमुलवाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर का दौरा किया।

देखा जाये तो भारतीय राजनीति में धर्म को चुनावी हथियार बनाने की प्रवृत्ति कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब राजनीति सीधे भगवानों के बीच भी वर्ग, क्षेत्र और विचारधारा की दीवार खड़ी करने लगे, तब सवाल सिर्फ किसी एक पार्टी या नेता का नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में आस्था की मयार्दा का बन जाता है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का ताजा बयान इसी वजह से गंभीर राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। सवाल उठ रहा है कि भगवान राम और भगवान शिव को राजनीति के दो अलग-अलग खेमों में खड़ा करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी? क्या किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह उचित है कि करोड़ों लोगों की साझा आस्था को 'अमीर बनाम गरीब' या 'उत्तर बनाम दक्षिण' की राजनीतिक श्रेणियों में बांट दिया जाए?

वैसे रेवंत रेड्डी का यह पहला विवादित बयान नहीं है। दिसंबर 2025 में उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं की संख्या और अलग-अलग पूजा परंपराओं को लेकर भी ऐसी टिप्पणियां की थीं, जिन पर भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने हिंदू आस्था का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया था। यही वजह है कि अब यह सवाल और तेज हो रहा है कि रेवंत रेड्डी के राजनीतिक भाषणों में हिंदू आस्था ही बार-बार निशाने पर क्यों दिखाई देती है? यहां हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह सवाल उठाना किसी दूसरे धर्म के प्रति पूर्वाग्रह नहीं है; बल्कि उद्देश्य यह पूछना है कि सत्ता और राजनीति में धार्मिक आस्थाओं के साथ समान मयार्दा क्यों नहीं होनी चाहिए?

साथ ही यहां सवाल यह भी उठता है कि धर्म और भगवान पर टिप्पणी कर रहे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को हिंदू धर्म के बारे में कितना ज्ञान है? राम को अमीरों का भगवान बता रहे रेड्डी को शायद यह पता नहीं कि भगवान राम का शबरी के आश्रम में जाना और उनकी भक्ति स्वीकार करना, निषादराज गुह के साथ उनका आत्मीय संबंध तथा वनवासी समाज के लोगों के साथ उनका लगाव इस बात के उदाहरण हैं कि राम के लिए भक्त की सामाजिक या आर्थिक स्थिति जरा भी महत्व नहीं रखती। जिन राम ने पिता के वचन की लाज रखने के लिए सारा राजपाट छोड़कर वन की राह पकड़ ली उन्हें अमीरों का भगवान बताना बेशर्मी की पराकाष्ठा है। वहीं भगवान शिव की आराधना में भी भक्तिभाव को ही प्रमुख माना जाता है। एक और बात रेवंत रेड्डी को जाननी चाहिए कि रामचरितमानस के उत्तरकांड में भगवान राम स्वयं शिव की महिमा बताते हुए कहते हैं कि शंकर की आराधना के बिना उनकी भक्ति भी प्राप्त नहीं हो सकती। यानी जिस राम को राजनीति में 'अमीरों का भगवान' और शिव को 'गरीबों का भगवान' बताकर दो वर्गों में बांटने की कोशिश की जा रही है, उसी राम की परंपरा शिव को अपनी भक्ति का मार्ग बताती है।

देखा जाये तो रेड्डी के बयान के बाद कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि क्या 'भगवानों को बांटना' उसकी नई राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है? राम को अमीर और शिव को गरीब बताकर आखिर हासिल क्या होगा? उत्तर भारत को राम और दक्षिण भारत को शिव से जोड़कर क्या देश की एकता मजबूत होगी? भगवान किसी पार्टी की संपत्ति नहीं हैं। न राम भाजपा के हैं, न शिव कांग्रेस के। आस्था करोड़ों भारतीयों की निजी और सांस्कृतिक विरासत है। राजनीति को अगर धर्म से दूरी नहीं रखनी है तो कम-से-कम धर्म के प्रति मयार्दा तो रखनी ही होगी। भगवानों के नाम पर वोट मांगने की राजनीति हो या भगवानों को ही राजनीति के अखाड़े में एक-दूसरे के सामने खड़ा करने की सियासत हो, दोनों ही रूपों में आस्था का राजनीतिक इस्तेमाल सवालों के कठघरे में खड़ा होता है।

बच्चों के हाथ में मोबाइल बढ़ा तो बचपन हुआ डिजिटल कैद

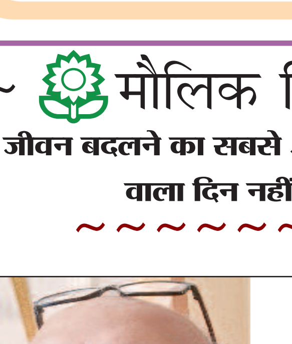

कांतिलाल मांडोत

तकनीक का विरोध समाधान नहीं है। स्मार्टफोन आधुनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और आने वाले समय में इसकी भूमिका और बढ़ेगी। जरूरत इस बात की है कि बच्चों को तकनीक का मालिक बनाया जाए, उसका गुलाम नहीं। मोबाइल बच्चे की चुप्पी खरीदने का साधन नहीं बल्कि ज्ञान और सीखने का माध्यम बने, इसके लिए परिवार को शुरूआत से ही स्पष्ट सीमाएं तय करनी होंगी।

अभिभावकों की जागरूकता से ही मोबाइल की लत पर लग सकता है अंकुश...

आज के समय में मोबाइल फोन जीवन की आवश्यकता बन चुका है। पढ़ाई, जानकारी, संवाद और मनोरंजन से लेकर अनेक जरूरी काम स्मार्टफोन के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। लेकिन जब यही सुविधा बच्चों की आदत और फिर लत में बदलने लगे तो यह चिंता का विषय बन जाता है। देश में बच्चों और किशोरों के बीच स्मार्टफोन का इस्तेमाल जिस तेजी से बढ़ रहा है, उसने अभिभावकों और समाज के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। खासकर 10 से 19 वर्ष की उम्र के बच्चे डिजिटल दुनिया में तेजी से प्रवेश कर रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2020 में 15 से 19 वर्ष के करीब 49 प्रतिशत बच्चे स्मार्टफोन का इस्तेमाल कर रहे थे, जो 2023 तक बढ़कर 91 प्रतिशत से अधिक हो गया। यानी तीन वर्ष में उपयोग में लगभग 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई।

बच्चों में स्मार्टफोन की पहुंच केवल किशोरों तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार 8 से 18 वर्ष की उम्र के करीब 30 प्रतिशत बच्चों के पास अपना व्यक्तिगत फोन है, जबकि 62 प्रतिशत बच्चे माता-पिता के फोन का इस्तेमाल करते हैं। वर्ष 2026 की शुरूआत तक 10 से 14 वर्ष की उम्र के लगभग 83 प्रतिशत बच्चों की स्मार्टफोन तक पहुंच बताई गई है। यह आंकड़ा वैश्विक औसत से भी अधिक है। ऐसे में यह समझना जरूरी हो जाता है कि मोबाइल केवल बच्चों के हाथ में पहुंचने वाली तकनीक नहीं है, बल्कि उसका इस्तेमाल उनके व्यवहार, सोच, पढ़ाई, सामाजिक संबंध और सुरक्षा को भी प्रभावित कर सकता है।

बच्चों को मोबाइल देने की शुरूआत अक्सर बहुत सामान्य कारणों से होती है। बच्चा खाना नहीं खा रहा हो, जिद कर रहा हो, रो रहा हो या शरारत कर रहा हो तो उसे शांत करने के लिए मोबाइल हाथ में थमा दिया जाता है। धीरे-धीरे बच्चा मोबाइल को मनोरंजन का सबसे आसान साधन मानने लगता है। माता-पिता भी व्यस्तता के कारण कई बार इस आदत पर तत्काल ध्यान नहीं देते। बच्चे की जिद पूरी करना उस समय आसान समाधान दिखाई देता है, लेकिन यही सुविधा आगे चलकर आदत का रूप ले सकती है। जब बच्चा हर खाली समय मोबाइल पर बिताने लगे और मोबाइल न मिलने पर बेचैनी दिखाए तो अभिभावकों को इसे गंभीर संकेत मानना चाहिए।

मोबाइल और इंटरनेट का सही इस्तेमाल बच्चों के लिए ज्ञान और सीखने का माध्यम बन सकता है। समस्या तब पैदा होती है जब स्क्रीन का उपयोग जरूरत से अधिक होने लगे। कई बच्चे प्रतिदिन सात से दस घंटे तक स्क्रीन के सामने समय बिताने लगे हैं। इससे पढ़ाई के लिए मिलने वाला समय प्रभावित होता है और खेलकूद, परिवार के साथ बातचीत तथा सामाजिक गतिविधियों के लिए समय कम हो जाता है। लगातार स्क्रीन पर रहने की आदत बच्चों को वास्तविक दुनिया से दूर कर सकती है। मोबाइल पर मिलने वाला लगातार मनोरंजन उन्हें सामान्य गतिविधियों में कम रुचि लेने के लिए भी प्रेरित कर सकता है।

बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा का पहलू इससे भी अधिक गंभीर है। इंटरनेट की दुनिया में अच्छी सामग्री के साथ ऐसी सामग्री भी मौजूद है जो बच्चों के लिए अनुपयुक्त और नुकसानदेह हो सकती है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार बच्चों के खिलाफ होने वाले 60 प्रतिशत से अधिक साइबर अपराध अश्लील सामग्री से जुड़े बताए गए हैं। यह स्थिति बताती है कि बच्चों को केवल स्मार्टफोन देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें इंटरनेट के सुरक्षित इस्तेमाल की जानकारी देना भी जरूरी है। अनजान लोगों से बातचीत, संदिग्ध संदेशों पर प्रतिक्रिया, निजी जानकारी साझा करना और अनुचित सामग्री के संपर्क में आना बच्चों को साइबर अपराधियों के निशाने पर ला सकता है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि अनेक बच्चों को ऑनलाइन सुरक्षा के साधनों की पूरी जानकारी नहीं है। एक सर्वे में केवल 37.1 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि वे सामग्री की शिकायत करने और सुरक्षा संबंधी उपकरणों का सही इस्तेमाल करना जानते हैं। वहीं पांच में से एक युवा को ऐसे सुरक्षा उपकरणों की जानकारी ही नहीं थी। ग्रामीण क्षेत्रों तथा 11 से 13 वर्ष की उम्र के बच्चों में जागरूकता का स्तर और कम पाया गया। इसका अर्थ साफ है कि इंटरनेट की पहुंच तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उसके सुरक्षित इस्तेमाल की समझ उसी गति से नहीं बढ़ रही है।

ऐसी स्थिति में अभिभावकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। बच्चों को मोबाइल से पूरी तरह दूर रखना हमेशा व्यावहारिक नहीं हो सकता, क्योंकि शिक्षा और ज्ञान के लिए भी डिजिटल माध्यम जरूरी हो चुके हैं। इसलिए प्रतिबंध के बजाय संतुलित उपयोग की आदत विकसित करना अधिक जरूरी है। माता-पिता को बच्चों के लिए मोबाइल इस्तेमाल का निश्चित समय तय करना चाहिए। पढ़ाई, भोजन, परिवार के साथ समय और सोने से पहले मोबाइल से दूरी जैसी आदतों को धीरे-धीरे दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है।

बच्चों को मोबाइल देने के बजाय उनके साथ समय बिताना भी जरूरी है। बच्चा जब जिद करे या परेशान हो तो हर बार मोबाइल को समाधान बनाने के बजाय उससे बातचीत करनी चाहिए। खेल, किताबें, रचनात्मक गतिविधियां और परिवार के साथ सामूहिक समय बच्चों को मोबाइल के विकल्प दे सकते हैं। माता-पिता स्वयं मोबाइल का कितना इस्तेमाल करते हैं, इसका भी बच्चों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यदि घर में बड़े लोग हर समय फोन में व्यस्त रहेंगे तो बच्चों से मोबाइल से दूरी की अपेक्षा करना कठिन होगा।

सरकार और विद्यालयों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को साइबर सुरक्षा, निजी जानकारी की सुरक्षा, संदिग्ध सामग्री की शिकायत और ऑनलाइन व्यवहार के बारे में उम्र के अनुरूप जानकारी दी जानी चाहिए। केवल सोशल मीडिया पर उम्र संबंधी प्रतिबंध लगाने से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। बच्चों, अभिभावकों, विद्यालयों और डिजिटल मंचों को मिलकर सुरक्षित वातावरण तैयार करना होगा। बच्चों को यह समझाना होगा कि इंटरनेट पर दिखाई देने वाली हर चीज सही या सुरक्षित नहीं होती।

तकनीक का विरोध समाधान नहीं है। स्मार्टफोन आधुनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और आने वाले समय में इसकी भूमिका और बढ़ेगी। जरूरत इस बात की है कि बच्चों को तकनीक का मालिक बनाया जाए, उसका गुलाम नहीं। मोबाइल बच्चे की चुप्पी खरीदने का साधन नहीं बल्कि ज्ञान और सीखने का माध्यम बने, इसके लिए परिवार को शुरूआत से ही स्पष्ट सीमाएं तय करनी होंगी। यदि अभिभावक समय रहते बच्चों की मोबाइल आदत पर ध्यान दें, उनके साथ संवाद बढ़ाएं और ऑनलाइन सुरक्षा की जानकारी दें तो डिजिटल दुनिया बच्चों के लिए खतरा बनने के बजाय अवसर का माध्यम बन सकती है। बच्चों का बचपन केवल स्क्रीन पर नहीं, बल्कि परिवार, खेल, किताब, मित्रता और वास्तविक जीवन के अनुभवों के बीच भी विकसित होना चाहिए।

मंटीनेशनल कंपनियों में ऐसे करें अप्लाई

बहुत बार लोगों को जब नौकरी की जरूरत होती है, तब उनके पास जॉब स्वीच करने के बहुत कम ऑप्शन होते हैं। इस आर्टिकल में जानें कुछ ऐसी कंपनियों के बारे में जहां आप कभी भी जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

नयी नौकरी ढूंढते वक्त बहुत से लोगों को सही ऑप्शन ना मिलने की समस्या का सामना करना पड़ता है। कंपनियों में निश्चित समय के लिए हायरिंग होती है, जिसके बाद बहुत से उम्मीदवार सही विकल्प की तलाश करने में परेशानी का सामना करते हैं। हालांकि, क्या आपको यह पता है कि कुछ कंपनियों में सालभर जॉब की वेकेंसी निकलती है? आइए जानते हैं इन कंपनियों के बारे में।

भारत में ढेर सारी ऐसा मंटीनेशनल कंपनी हैं, जहां हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग हो रही होती है। आपको नौकरी ढूंढने के लिए सबसे पहले मंटीनेशनल कंपनियों की लिस्ट तैयार करनी है। अब इन सभी कंपनियों के जॉब अप्लाई सेक्शन में जाएं और आवेदन दें। किसी भी एमएनसी में काम करने के लिए अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए। दरअसल ज्यादातर एमएनसी में इंटरव्यू से पहले एक लैंग्वेज टेस्ट लिया जाता है, जिसे क्लियर करना जरूरी होता है।

टाटा ग्रुप में करें अप्लाई

टाटा ग्रुप आज भारत का जाना-माना समूह है। टाटा ग्रुप के हाइरिंग पोर्टल पर भी आपको हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग होते हुए मिलगी। हालांकि, जॉब की लोकेशन भारत के अलग-अलग हिस्सों के लिए हो सकती है। टाटा ग्रुप में आवेदन देने के लिए आपको टाटा ग्रुप की वेबसाइट के करियर पेज पर अप्लाई करना है।

बड़ी कंपनियों को करें टारगेट

सेमसंग, हिटाची आदि जैसी फेमस कपंनियों में भी पूरे साल हाइरिंग चल रही होती है। पद से जुड़ी सारी जानकारी आपको पार्टल के करियर के सेक्शन में मिल जाएगी। करियर सेक्शन में जाकर आप इन पदों के लिए अपना रिज्यूमे और कवर लेटर भेज सकते हैं।

पेटीएम

अगर आप पेटीएम के जॉब सेक्शन में जाएंगे, तो हर वक्त 50 से ज्यादा पदों पर हाइरिंग की जानकारी प्राप्त होगी। आईटी से लेकर एचआर तक से जुड़े पदों पर आवेदन देने के लिए पेटीएम अच्छा ऑप्शन है।

अप्लाई करने के लिए 1 ट्रिक

बहुत बार हम अपना रिज्यूमे ठीक से नहीं बनाते और बिना कवर लेटर के ही जॉब के लिए अप्लाई कर देते हैं। कोशिश करें कि आप कवर लेटर के साथ ही आवेदन करें।

पशु-पक्षियों की बीमारियों की रोकथाम, नियंत्रण और इलाज से संबंधित है वेटरनरी शाखा

12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, बीएससी नर्सिंग बीएससी बायोटेक्नोलॉजी और वेटरनरी कोर्स किए जा सकते हैं।

वेटरनरी एक शाखा है, जो पशु-पक्षियों की बीमारियों की स्थिति और चोटों की रोकथाम, नियंत्रण और इलाज से संबंधित है। वेटरनरी कोर्स में पालतू और जंगली जानवरों की बीमारियों और उनके उपचार के बारे में बताया जाता है। पशु कल्याण के बढ़ते महत्व और पशु चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, ये कोर्स एक आशाजनक और बेहतर करियर का मार्ग प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पशु चिकित्सा कोर्स प्रैक्टिकल अनुभव देते हैं। आज के समय में पशु चिकित्सकों की कमी है। इस कोर्स के माध्यम से आप पशु अस्पतालों, चिड़ियाघरों, प्रयोगशालाओं में नौकरी या अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

पशु चिकित्सक की पढ़ाई के लिए 12वीं का है महत्व

इसके लिए छात्रों को 12वीं पीसीबी (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) के साथ पास करना होगा, ताकि वे पसंदीदा यूनिवर्सिटी और कोर्स में प्रवेश ले सकें। भारत में पशु चिकित्सक बनने के इच्छुक छात्रों को नीट-यूजी या एआईपीवीटी की परीक्षा पास करने की जरूरत होती है। 12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं

- बीएससी नर्सिंग
- बीएससी बायोटेक्नोलॉजी
- बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी
- बैचलर ऑफ फार्मेसी
- बीएससी मनोविज्ञान
- बीएससी बायोमेडिकल साइंस
- बीएससी क्लिनिकल रिसर्च
- बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी
- बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस
- पशु चिकित्सा विज्ञान

कोर्स की विविधताएं

इस क्षेत्र में आपके लिए बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, बीएससी इन वेटरनरी पैथोलॉजी, बीएससी इन एनिमल जेनेटिक्स एंड ब्रीडिंग, बीएससी एनिमल न्यूट्रिशन, बीएससी इन वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजी आदि कोर्स मौजूद हैं। आप वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हेल्थ टेक्नोलॉजी, वेटरनरी फार्मेसी, एनिमल हसबेंडरी में डिप्लोमा और वेटरनरी मेडिसिन, वेटरनरी सर्जरी में पीजी डिप्लोमा कर सकते हैं। अगर आप शोध करने के इच्छुक हैं, तो पीएचडी इन वेटरनरी साइंस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स के लिए जरूरी ज्ञान अध्ययन के पहले कुछ सालों के दौरान पशु चिकित्सक बनने के लिए जरूरी ज्ञान और सिद्धांतों से परिचित कराया जाएगा। अगले चरण में उन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा, जिनमें आप सबसे अधिक रुचि रखते हैं। अंत में, आप पशुओं का निरीक्षण और देखभाल करने वाले संगठनों से जुड़ सकते हैं।

रोजगार के अवसर

वेटरनरी कोर्स करने के बाद आप पशु सर्जन, चिड़ियाघर और वन्य जीव पशु चिकित्सा, पशु एनाटॉमिस्ट, वेटरनरी ऑफिसर, पशु रोग विशेषज्ञ, रिसर्चर, पशु चिरौप्रैक्टर, सरकारी और गैर-सरकारी एनिमल हॉस्पिटल से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

इनके अलावा, पैरामेडिकल क्षेत्र में भी कई कोर्स उपलब्ध हैं, जिनमें एनईईटी की आवश्यकता नहीं होती। इनमें चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, फिजियोथेरेपी और रेडियोलॉजी जैसे कोर्स शामिल हैं। नीट पास किए बिना मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के कुछ और विकल्प ये हैं, फ़्लेबोटोमिस्ट्स (रक्त का नमूना लेने वाले), मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट, पोषण विशेषज्ञ (न्यूट्रीशनिस्ट), फिजिशियन असिस्टेंट। हालांकि, नीट पास किए बिना किए गए इन कोर्सेज में किसी को भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं कहा जाएगा।

वेटरनरी कोर्स करने के लिए इन संस्थाओं में ले सकते हैं दाखिला

- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू)
- गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर
- वेटरनरी कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (वीसीआरआई), चेन्नई
- पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान कॉलेज, राजस्थान
- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई), बरेली

बिना एक्सपीरियंस के भी इन टिप्स की मदद से पा सकते हैं नौकरी

आज के समय में नौकरी पाने के लिए एक्सपीरियंस का होना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है तो भी आप इन टिप्स की मदद से नौकरी पा सकते हैं।

जीवन में सफलता पाने की शुरुआत एक्सपीरियंस के साथ होती है। जब आप कहीं पर नौकरी करते हैं तो आपको काम का एक्सपीरियंस मिलता है। एक बार एक्सपीरियंस मिल जाने के बाद जॉब स्विच करना काफी आसान हो जाता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब आपके पास काम का एक्सपीरियंस ना हो। अक्सर कंपनियां ऐसे लोगों को हायर करने से बचती हैं, जो फ्रेशर हों। दरअसल, फ्रेशर होने के कारण कंपनी सामने वाले व्यक्ति की काबिलियत का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं। ऐसे में फ्रेशर के लिए एक अच्छी जॉब पाना काफी मुश्किल हो जाता है। हो सकता है कि आपने भी अभी-अभी अपनी पढ़ाई खत्म की हो और अब आप एक अच्छी जॉब की तलाश में हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना एक्सपीरियंस के भी एक अच्छी नौकरी पा सकते हैं-

रिज्यूम को बनाए मजबूत

किसी भी कंपनी में जॉब इंटरव्यू के लिए पहले आपको अपना रिज्यूम देना होता है। इसलिए, सबसे पहला और जरूरी कदम है कि आप अपने रिज्यूम को थोड़ा मजबूत बनाने की कोशिश करें। भले ही आपके पास वर्क एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन फिर भी आप उस जॉब के लिए जरूरी स्किल्स को रिज्यूम में मेंशन करें। साथ ही, अगर आपने पढ़ाई के दौरान किसी तरह की वर्कशॉप आदि में भाग लिया है तो उसे भी जरूर लिखें। इस तरह छोटी-छोटी खूबियों को हाइलाइट करने से आपको नौकरी मिलने की चांस काफी अधिक बढ़ जाते हैं।

एंट्री-लेवल जॉब के लिए करें अप्लाई

चूंकि प्रोफेशनल लाइफ में अभी आपकी शुरुआत है तो ऐसे में आपके लिए एकदम से मनचाही जॉब मिलना काफी कठिन है। शुरुआत में आपको एक्सपीरियंस हासिल करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप एंट्री-लेवल पोस्ट के लिए अप्लाई करें। इस तरह की जॉब्स में कंपनियां पैसा काफी कम देती हैं, लेकिन वे एक फ्रेशर को काम करने का अवसर भी देती है। जब आप एंट्री-लेवल जॉब को हासिल कर लेते हैं तो फिर आपके लिए बेहतर नौकरी पाने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। आप ऑनलाइन वेबसाइट की मदद से एंट्री-लेवल जॉब ढूंढ सकते हैं और अप्लाई कर सकते हैं।

सीखना ना छोड़ें

अमूमन यह देखने में आता है कि जब पढ़ाई पूरी हो जाती है, तो लोग नौकरी की तलाश में लग जाते हैं। लेकिन अगर आप एक बेहतर जॉब की तलाश में हैं तो सीखना कभी भी ना छोड़ें। आप जॉब ढूंढने के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स पर भी काम करते रहें। आजकल ऑनलाइन व ऑफलाइन कई शॉर्ट टर्म कोर्स अवेलेबल हैं। आप अपने फील्ड को ध्यान में रखते हुए अन्य स्किल्स को शॉर्प करते रहें। इससे आपका रिज्यूम भी बेहतर बनता है और जॉब मिलना भी अधिक आसान होता है।

नेटवर्क व सोशल मीडिया का सहारा

नेटवर्किंग व सोशल मीडिया के जरिए भी आपको कई अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आप कई सोशल मीडिया वेबसाइट पर अपनी फील्ड के लोगों से जुड़ सकते हैं। साथ ही साथ, अपने काम या स्किल्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट अवश्य करें। इससे लोगों को आपकी काबिलियत का पता चलता है। इतना ही नहीं, आप अपने दोस्तों, परिवार, प्रोफेसरों और अन्य जानकारों की मदद से प्रोफेशनल कनेक्शन मजबूत करें। अक्सर कनेक्शन व नेटवर्किंग की मदद से प्रोफेशनल लाइफ में अपने पैर जमाना काफी आसान हो जाता है।

अच्छी आवाज के धनी लोगो के लिए डबिंग आर्टिस्ट है अच्छा करियर विकल्प

डबिंग आर्टिस्ट बनने के लिए किसी खास योग्यता की जरूरी नही होती हैं. यदि आप दिलकश आवाज और शानदार भास : के धनी हैं तो आप आसानी से डबिंग आर्टिस्ट बन सकते हैं. डबिंग आर्टिस्ट बनने के लिए हाल ही में कुछ कोर्सेज भी शुरू किये गए हैं हैं जिनके लिए शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 10 वी पास रहेगी.

योग्येता-

डबिंग आर्टिस्ट बनने के लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज हैं आवाज. आपकी आवाज ब्राडकास्टिंग क्वालिटी की होनी चाहिए इससे आप भले ही किसी भी फिल्म या विज्ञापन में अपनी आवाज दे आपकी आवाज आपकी गुणवत्ता को दर्शाएगी. इसके अलावा आपकी भाषा में अच्छी पकड़ भी होनी चाहिए क्यूंकि भाषायी कौशल भी इसके लिए बेहद जरूरी हैं.

आपका सही उच्चारण, आपको अलग अलग तरह से बोल पाने की योग्यता, लोगो के हाव भाव को समझ पाने का कौशल भी आपके अंदर होना जरूरी हैं. आपको डबिंग स्टार के रूप में लोगो के हाव भाव को भी समझ कर अपनाना होता हैं. अच्छे डबिंग स्टार के तोर पर आपको लोगो से कनेक्शन बना पाने की योग्यता भी आनी चाहिए.

अवसर-

डबिंग आर्टिस्ट के तोर पर करियर के कई अवसर उपलब्ध होते हैं. डबिंग स्टार के लिए रेडियो तथा टीवी चैनलों, प्रोडक्शन हाउसेज, विज्ञापन उद्योग, डॉक्यूमेंटरी फिल्म्स, एनिमेशन जगत, ऑनलाइन एजुकेशन (ऑडियो बुक डबिंग) में करियर के अवसर उपलब्ध हैं.. इस क्षेत्र में काफी स्ट्रगल भी हैं पर एक बार आपका करियर शुरू हो जाता हैं तो आगे बढ़ने के कई अवसर आपको मिलेंगे.

कोर्स-

इस क्षेत्र में डिग्री कोर्स या डिप्लोमा कोर्स नही होते हैं.पर कुछ संस्थाए ऐसी भी हैं जो सर्टिफिकेट कोर्स भी करवाती हैं.जिनकी अवधि एक महीने की होती हैं.

बॉन्ड यील्ड और डॉलर के असर से सोना-चांदी में गिरावट

- सोने का भाव 1.50 से नीचे, चांदी 2,25,321 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

वैश्विक स्तर पर बॉन्ड यील्ड में तेजी और अमेरिकी डॉलर की मजबूती के कारण मंगलवार को सोने और चांदी की कीमतों पर भारी दबाव देखा गया। इस वित्तीय दबाव के चलते घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में इन कीमती धातुओं के भाव में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजार कॉमेक्स पर सोने का वायदा भाव 4,160 डॉलर प्रति औंस के करीब तक लुढ़क गया, जबकि चांदी 61 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रही थी। खबर लिखे जाने के समय, कॉमेक्स पर सोना 1.80 डॉलर की गिरावट के साथ 4,166.60 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.75 डॉलर की गिरावट के साथ 60.97 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही थी। घरेलू बाजार एमसीएक्स पर खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 1.48,800 लाख रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,25,300 लाख रुपये तक गिर गए। सोने का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 79 रुपए की गिरावट के साथ 1,48,818 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 2,121 रुपए टूटकर 2,25,321 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गया, जो निवेशकों के लिए चिंता का विषय रहा। इस साल सोने ने 1,80,779 रुपए और चांदी ने 4,20,048 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ था।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए घरेलू तेल खोज क्षमता बढ़ाए भारत- आयल इं डिया

शिलॉन्ग

भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के कारण ऊर्जा सुरक्षा पर बढ़ते दबाव के बीच भारत को घरेलू स्तर पर तेल की खोज और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) के एक अे धिकारी ने इंडिया एनर्जी वीक (आईईडब्ल्यू) 2027 के शिलॉन्ग में हाल ही में आयोजित 'कर्टन रेजर' कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वैश्विक ऊर्जा उद्योग एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, जहां जनसंख्या वृद्धि, बढ़ती ऊर्जा मांग, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक वृद्धि ऊर्जा सुरक्षा पर दबाव डाल रहे हैं। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में हाल के व्यवधानों का हवाला देते हुए बताया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में किसी भी बाधा का ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों पर तत्काल असर पड़ता है। उन्होंने भारत के समुद्र से दूर और गहरे पानी में मौजूद विशाल ऊर्जा संसाधनों की संभावनाओं पर जोर दिया। बेहतर आंकड़ों, आधुनिक प्रौद्योगिकी, जोखिम साझा करने की व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के माध्यम से इन संसाधनों का दोहन करने का सुझाव दिया। उन्होंने समुद्र मंथन जैसी अपतटीय खोज योजनाओं को घरेलू ऊर्जा आपूर्ति मजबूत करने में महत्वपूर्ण बताया। अे धिकारी ने आईईडब्ल्यू को नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के लोगों और निवेशकों को जोड़ने वाला एक प्रमुख वैश्विक मंच बताया। 2026 के संस्करण में 120 से अधिक देशों के 75,000 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जो इस मंच की बढ़ती महत्ता को दर्शाता है।

अनुपम रसायन ने 1,750 करोड़ में ब्लिस जीवीएस फार्मा का किया अधिग्रहण

- विशेष रसायन कंपनी का फार्मा क्षेत्र में विस्तार, दवा उत्पादों के कारोबार में मजबूत पकड़ बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली । विशेष रसायन बनाने वाली अनुपम रसायन इंडिया ने ब्लिस जीवीएस फार्मा में 48.2 प्रतिशत की नियंत्रक हिस्सेदारी 1,750 करोड़ रुपये में अधिग्रहित कर ली है। इस अधिग्रहण के साथ कंपनी ने तैयार दवा उत्पादों के कारोबार में प्रवेश कर अपने पोर्टफोलियो का विविधीकरण किया है। यह अनुपम रसायन का तीसरा रणनीतिक अधिग्रहण है, जो टैनफैक इंडस्ट्रीज और जयहॉक फाइन केमिकल्स के बाद हुआ है। कंपनी ने ब्लिस जीवीएस फार्मा के प्रवर्तकों से हिस्सेदारी 299 रुपये प्रति शेयर की दर से खरीदी, साथ ही खुली पेशकश और बाजार से भी कुछ अतिरिक्त शेयर हासिल किए। कुल 1,750 करोड़ रुपये की इस डील में अधिग्रहण से संबंधित 50 करोड़ रुपये का खर्च भी शामिल है। अनुपम रसायन ने इस सौदे के लिए 300 करोड़ रुपये का सावधि ऋण लिया है, जबकि शेष लगभग 1,450 करोड़ रुपये बैन कैपिटल के नेतृत्व में निवेशकों जैसे ट्रस्ट ग्रुप और इन्वेस्टेक से गैर-नियंत्रक साधनों के माध्यम से जुटाए गए हैं। यह अधिग्रहण अनुपम रसायन की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी मेट्स वीजा कंसल्टेंसी के जरिये किया गया।

शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी, सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट का दौर जारी रहा, जहां प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान पर बंद हुए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 242.65 अंक गिरकर 72,529.07 के स्तर पर आ गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 64.05 अंक फिसलकर 22,716.20 पर बंद हुआ। मंगलवार को दिन के कारोबार में भारतीय बाजारों ने अपने निचले स्तरों से कुछ सुधार दिखाया था, लेकिन यह बहुत देर तक नहीं टिक सका। पश्चिम एशिया में आपूर्ति बाधाओं से जुड़ी बढ़ती कच्चे तेल की कीमतों ने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया, इससे बाजार पर दबाव बना रहा और अंततः यह लाल निशान में ही बंद हुआ। समग्र क्षेत्रीय धारणा मिली-जुली रही, लेकिन कई प्रमुख खंडों में व्यापक कमजोरी देखी गई।

खासकर सूचना प्रौद्योगिकी और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में सबसे अधिक बिकवाली का दबाव दिखाई दिया। रियल एस्टेट, रसायन, ऑटो और एफएमसीजी क्षेत्र भी कमजोर बने रहे। दूसरी ओर, फार्मा, धातु, मीडिया और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों ने तुलनात्मक रूप से बेहतर प्रदर्शन किया। जहां मंगलवार को मझौले शेयर बाजार में मजबूती दिखा रहे थे। बैंकिंग क्षेत्र अपेक्षाकृत लचीला रहा, जबकि वित्तीय सेवाएं दबाव में

रहीं। कुल मिलाकर, रक्षात्मक और कमोडिटी से जुड़े क्षेत्रों ने बाजार को कुछ हद तक सहारा दिया। बाजार में इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण रहे। ईरान और अमेरिका के बीच शांति समझौते की उम्मीदें धूमिल होने से निवेशकों में निराशा बढ़ी, जिससे भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाया। बॉन्ड प्रतिफल में उछाल भी एक महत्वपूर्ण कारक रहा, जिसने इक्विटी बाजारों से धन को आकर्षित किया। इसके अलावा, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.98 पर बंद हुआ, जो पिछले दो महीने का सबसे निचला स्तर है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की लगातार निकासी ने भी बाजार पर नकारात्मक असर डाला।

वर्मोरा ग्रेनिटो लिमिटेड का शेयर पांच प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

- कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,474.93 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली ।

टाइल और बाथवेयर बनाने वाली कंपनी वर्मोरा ग्रेनिटो लिमिटेड का शेयर अपने 148 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब पांच प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 152 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 2.70 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर इसने निर्गम मूल्य से 4.72 प्रतिशत की बढ़त के साथ 155 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 3,474.93 करोड़ रुपये रहा।वर्मोरा ग्रेनिटो लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गुरुवार को बोली लगाने के अंतिम दिन 1.58 गुना अभिदान मिला था।

कंपनी के 708 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 140-148 रुपये प्रति शेयर था। राजकोट स्थित कंपनी नए शेयर से मिली राशि का इस्तेमाल अपना कर्ज चुकाने और अपनी अनुषंगी कंपनियों–कवरटेक सेरामिका, वर्मोरा सैनिटरीवेयर और सिमोला टाइल्स का कर्ज चुकाने में करेगी। इसके अलावा कुछ राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।वर्मोरा ग्रेनिटो लिमिटेड ग्लेज्ड विट्रिफाइड, पॉलिश्ड विट्रिफाइड और सिरेमिक टाइल्स समेत कई तरह की टाइल बनाती है।

सेबी का ग्रोपिटल पर शिकंजा, 192 करोड़ की अवैध निवेश योजना बंद

नियामक ने इसे अनधिकृत सामूहिक निवेश योजना घोषित किया

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ऑनलाइन कृषि निवेश मंच ग्रोपिटल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। नियामक ने ग्रोपिटल की लगभग 192.88 करोड़ रुपए की अवैध सामूहिक निवेश योजना (सीआइएस) को तत्काल बंद करने का आदेश दिया है। इस योजना के माध्यम से 5,208 निवेशकों से रकम जुटाई गई थी, जिसे सेबी ने अनधिकृत और अनियमित पाया। ग्रोपिटल, जिसकी शुरुआत 2020 में हुई थी, ने निवेशकों को अपनी रकम कृषि परियोजनाओं में लगाने और आकर्षक, सुनिश्चित व कर-मुक्त रिटर्न का वादा किया था।

मंच पर निवेश की शुरुआत 5,000 रुपए जैसी छोटी राशि से की जा सकती थी। अब सेबी ने ग्रोपिटल को न केवल अपनी निवेश योजना बंद करने का निर्देश दिया है, बल्कि निवेशकों से जुटाई गई पूरी रकम 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ वापस करने का भी आदेश दिया है। इस मामले में सेबी ने ग्रोपिटल से जुड़ी 28 संस्थाओं पर कुल 26.1 करोड़ रुपए का भारी जुर्माना लगाया है। इसके अतिरिक्त आठ व्यक्तियों को अगले पांच वर्षों के लिए शेयर बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है, जबकि 20 अन्य व्यक्तियों और संस्थाओं पर तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया है। सेबी की यह कार्रवाई निवेशकों के हितों की रक्षा और अनधिकृत निवेश योजनाओं पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत-अमेरिका रिश्तों के लिए गेमचेंजर हो सकता है व्यापार समझौता जयशंकर

जयशंकर ने कहा, समझौते को अंतिम रूप देने की राह में कई चुनौतियां हैं

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच एक व्यापार समझौता दोनों देशों के संबंधों को बेहतर बनाएगा। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि समझौते को अंतिम रूप देने की राह में कई चुनौतियां हैं, विशेषकर जमीनी हकीकत और अमेरिका के हालिया शुल्क ढांचे में हुए बदलावों के कारण। जयशंकर ने एशिया सोसाइटी द्वारा आयोजित एक विशेष संवाद में भारतीय-अमेरिकी समुदाय और नीति विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए यह बात कही। जयशंकर ने कहा कि व्यापार वार्ता में तेजी से प्रगति की उम्मीद के सामने जमीनी हकीकत कहीं अधिक जटिल रही है। उन्होंने इसकी वजह भारत में छोटे उत्पादकों, छोटे कृषि उत्पादकों और छोटी फैक्टरी वालों की बहुलता तथा दोनों देशों की प्रति व्यक्ति आय व उत्पादन की प्रकृति में बड़े अंतर को बताया। हालांकि, उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि अब दोनों देश व्यापार समझौते को लेकर कमोबेश एक समझ की स्थिति में पहुंच गए हैं। लेकिन इस प्रगति के बावजूद अमेरिकी नीतियों में आए बदलावों ने अंतिम रूप देने में नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। विदेश मंत्री ने बताया कि अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा जवाबी शुल्क रद्द किए जाने के बाद अमेरिका ने एक नया शुल्क ढांचा अपनाया। इसके अलावा अमेरिका ने जुलाई में 'बंधुआ मजदूरी' के आरोप में भारत से आयात पर धारा 301 के तहत 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी लगाया था। जयशंकर ने सवाल उठाया कि अमेरिकी पक्ष में हुए इन बदलावों और धारा 301 की चल रही प्रक्रिया का समझौते पर क्या असर होगा। उन्होंने कहा कि अब मुख्य मुद्दा यह है कि किस बिंदु पर ऐसे समझौते को अंतिम रूप दिया जाए जो काफी हद तक आगे बढ़ चुका है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि आज की कूटनीति में सोशल मीडिया और जनमत की भूमिका महत्वपूर्ण है, जो संबंधों को प्रभावित करती है।

एस्सार ग्रुप आयोवा में बड़े स्टील प्लांट में करेगा करीब 18 अरब डॉलर का निवेश

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में रवि रुइया और रेवंत रुइया के साथ किया इसका एलान

नई दिल्ली,।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया है कि भारतीय कंपनी एस्सार ग्रुप अपनी अमेरिकी सब्सिडियरी मेसाबी मेटालिक्स के जरिए आयोवा में एक बड़े स्टील प्लांट में करीब 18 अरब डॉलर यानी 172800 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में एस्सार ग्रुप के को-फाउंडर रवि रुइया और मेसाबी मेटालिक्स के चेयरमैन रेवंत रुइया के साथ यह एलान किया और इस प्रोजेक्ट को अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा स्टील प्लांट बताया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फुली रेडी होने पर इस प्लांट से हर साल 10 मिलियन टन स्टील का उत्पादन होने की उम्मीद है और उत्पादन 2030 में शुरू होने का लक्ष्य रखा गया है। इस प्रोजेक्ट से निर्माण के दौरान हजारों नौकरियां और स्टील व माइनिंग ऑपरेशन्स में करीब 2,000 स्थायी नौकरियां मिलने की उम्मीद है। यह प्रोजेक्ट मिनेसोटा की आयरन ओर खदान को आयोवा के स्टील प्लांट से जोड़ेगा। आयोवा प्लांट एक इंटीग्रेटेड यूएस सप्लाई चेन का हिस्सा बनेगा, जिसमें आयरन ओर मिनेसोटा की मेसाबी आयरन रेंज में मेसाबी मेटालिक्स द्वारा डेवलप की जा रही नई खदान से आएगा।

मेसाबी मेटालिक्स ने इस खदान में करीब 2.5 अरब डॉलर का निवेश किया है। उम्मीद जताई है कि इससे हर साल करीब 75 लाख टन लौह अयस्क का उत्पादन होगा और करीब 350 लोगों को रोजगार मिलेगा।

रेवंत रुइया ने बताया कि उनका जन्म भारत में हुआ था, उन्होंने अपनी जिंदगी का आधा हिस्सा अमेरिका में बिताया है और इस निवेश को घर वापसी जैसा बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट खदान से मिल तक पूरी तरह से जुड़ी हुई सप्लाई चेन बनाएगा।

वहीं ट्रंप ने कहा कि मिनेसोटा की यह खदान 50 से ज्यादा सालों में अमेरिका में खुलने वाली पहली नई लौह अयस्क खदान होगी, जिसमें सबसे अच्छी क्वालिटी का अयस्क मिलेगा। ट्रंप के मुताबिक इस स्टील की माइनिंग, पिघलाने और बनाने का काम यहीं अमेरिका में होगा, जो कि बहुत अनोखी बात है।

अदाणी समूह का छह साल पुराना एमपीएस मामला सुलझा

- 1.48 करोड़ रुपए का किया गया भुगतान

मुंबई ।

अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी सहित समूह की चार प्रमुख कंपनियों और 13 अन्य संबंधित पक्षों ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ एक छह साल पुराने मामले का निपटारा कर लिया है। यह मामला न्यूनतम सार्वजनिक शेयरहोल्डिंग (एमपीएस) नियमों के कथित उल्लंघन से जुड़ा था, जिसके लिए कुल 1.48 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। सेबी की वेबसाइट पर 28 सितंबर को पुष्टि किए गए इस सेटलमेंट ऑर्डर के तहत, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पावर, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन और अदाणी ट्रांसमिशन (जो अब अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस है) जैसी कंपनियां शामिल थीं। यह मामला जून और जुलाई 2020 में सेबी को मिली शिकायतों से उपजा था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कुछ सूचीबद्ध अदाणी कंपनियों में न्यूनतम सार्वजनिक शेयरहोल्डिंग नियमों का पालन नहीं हो रहा है। जांच के बाद सेबी ने सितंबर 2024 में कारण बताओ नोटिस जारी किया था। यह समझौता बिना किसी पक्ष द्वारा तथ्यों या कानूनी निष्कर्षों को स्वीकार या खारिज किए हुए किया गया है।

नई राष्ट्रीय इस्पात नीति जल्द, 2047 तक के लिए खाका होगा तैयार

प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और आयात चुनौतियों से निपटने पर जोर

नई दिल्ली ।भारत सरकार इस्पात उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और आयात संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए एक महत्वाकांक्षी नई राष्ट्रीय इस्पात नीति पर काम कर रही है। इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि नीति का मसौदा करीब एक सप्ताह में सार्वजनिक किया जाएगा और हितधारकों से सुझाव मांगे जाएंगे। यह नई नीति भारतीय इस्पात क्षेत्र के लिए 2047 तक के विकास का खाका तय करेगी। इस्पात सचिव संदीप पौंड्रिक ने मैन्युफैक्चरिंग कॉन्फ्लुएंस 2026 कार्यक्रम में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि नई नीति का प्रमुख उद्देश्य सस्ते और घटिया आयात को हतोत्साहित करना होगा, जिसके लिए सुरक्षा शुल्क और डंपिंग रोधी शुल्क जैसे उपाय शामिल किए जाएंगे। इसके साथ ही भारतीय इस्पात उद्योग, विशेषकर छोटे उत्पादकों को प्रौद्योगिकी और लागत के मामले में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पौंड्रिक ने बताया कि 2017 की पिछली नीति की समीक्षा मौजूदा वैश्विक चुनौतियों, जैसे कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) के बढ़ते महत्व, साथ ही कार्बन उत्सर्जन में कमी और टिकाऊपन की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए आवश्यक हो गई थी। भारत दुनिया का एकमात्र प्रमुख देश है जहां इस्पात उत्पादन और खपत तेजी से बढ़ रही है, ऐसे में नई नीति इस वृद्धि को सतत बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय इस्पात क्षेत्र में उत्सर्जन कम करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की लागत से एक योजना तैयार कर रहा है। इसके तहत विकसित भारत इस्पात नामक एक विशेष योजना प्रस्तावित है, जो सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को उनके उत्पादन के आधार पर प्रोत्साहन देगी, बशर्ते वे कार्बन उत्सर्जन में कमी लाएं। यह प्रोत्साहन बेहतर प्रौद्योगिकी, उन्नत कच्चे माल और नवीकरणीय ऊर्जा के अधिक उपयोग से ही संभव होगा। इस योजना को जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

जापान में माइक्रोबायोफार्म को खरीदने के लिए गुजरात थेमिस ने जुटाए अरबों डॉलर

- यह सौदा कंपनी के अंतरराष्ट्रीय विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है

टोक्यो । भारतीय दवा कंपनी गुजरात थेमिस बायोसिन लिमिटेड ने जापान की माइक्रोबायोफार्म जापान कंपनी के अधिग्रहण को पूरा करने के लिए एशियाई और भारतीय निजी ऋण कोषों से कुल 58 मिलियन डॉलर (लगभग 480 करोड़ रुपए) और 585 करोड़ रुपए का निजी ऋण वित्तपोषण सफलतापूर्वक जुटाया है। यह सौदा कंपनी के अंतरराष्ट्रीय विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गुजरात थेमिस ने एशियाई निजी ऋण कोष ओरियन कैपिटल एशिया से 58 मिलियन डॉलर (लगभग 9.2 अरब येन) प्राप्त किए हैं। इस राशि का उपयोग मुख्य रूप से जापानी कंपनी के अधिग्रहण के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा, जिसके लिए कंपनी ने मई में 21.5 अरब येन में खरीदने की घोषणा की थी। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने सुरक्षित पांच साल की ऋण प्रतिभूतियों (10 फीसदी ब्याज) और 18 महीने की ऋण प्रतिभूतियों (17.75 फीसदी ब्याज) के निजी आवंटन के माध्यम से 585 करोड़ रुपए जुटाए हैं। भारत में अवेंडस कैपिटल और एडलवाइस अल्टरनेटिव्स द्वारा प्रबंधित निजी ऋण कोषों ने इन प्रतिभूतियों में निवेश किया है। कंपनी के अनुसार, इस राशि का उपयोग उसकी जापानी इकाई में निवेश करने, अधिग्रहण के वित्तपोषण और सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए किया जाएगा।

अडानी ने एशिया के सबसे अमीर का ताज गंवाया; अंबानी की संपत्ति भी घटी

अडानी की नेटवर्थ में 3.99 अरब डॉलर की कमी, अंबानी को भी 2.01 अरब डॉलर का नुकसान

नई दिल्ली ।

घरेलू शेयर बाजार में आई भारी बिकवाली के चलते भारतीय अरबपतियों को बड़ा झटका लगा है। इस गिरावट का सबसे ज्यादा असर गौतम अडानी पर पड़ा, जिन्होंने एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति का अपना ताज गँवा दिया, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की संपत्ति में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को भारी बिकवाली के चलते अडानी समूह की सभी सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट दर्ज की गई। इसका सीधा असर चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ पर पड़ा और इसमें करीब 3.99 अरब डॉलर की कमी आई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, अब उनकी कुल संपत्ति लगभग 103 अरब डॉलर रह गई है। इस गिरावट के साथ ही गौतम अडानी एशिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में एक पायदान खिसककर दूसरे स्थान पर आ गए हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर वह 20वें स्थान पर हैं। हालांकि, इस साल की शुरुआत से उनकी संपत्ति में अभी भी 18.3 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं टिकटॉक के संस्थापक झांग यिमिंग 105 अरब डॉलर की अनुमानित नेटवर्थ के साथ एक बार फिर एशिया के सबसे धनी व्यक्ति बन गए हैं। इस साल उनकी संपत्ति में 40.3 अरब डॉलर की शानदार बढ़ोतरी हुई है। घरेलू बाजार की गिरावट का असर रिलायंस इंडस्ट्रीज पर भी पड़ा, जिसके शेयरों में 2 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। इसके चलते मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में करीब 2.01 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई। उनकी कुल संपत्ति अब लगभग 78.9 अरब डॉलर है और वह दुनिया के अमीरों की सूची में 24वें स्थान पर हैं।

डेट म्युचुअल फंड में कहां लगता है आपका पैसा? जानें सभी स्कीमें

एएमएफआई गाइड और सेबी के सर्कुलर से स्पष्ट हुई डेट स्कीमों की श्रेणियां

- नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड अब केवल शेयर बाजार तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि निवेशकों के लिए डेट म्युचुअल फंड भी एक महत्वपूर्ण विकल्प बन गए हैं। ये फंड मुख्य रूप से बॉन्ड और फिक्स्ड इनकम सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जिसका उद्देश्य आय देना और पूंजी को सुरक्षित रखना है। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की हालिया गाइड और सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार, इन स्कीमों को निवेश की अवधि, जोखिम और सिक्योरिटीज के प्रकार के आधार पर विस्तार से वर्गीकृत किया गया है। सेबी के मार्च 2026 के मास्टर सर्कुलर के अनुरूप, सबसे कम अवधि के फंड में ओवरनाइट फंड (एक दिन की मैच्योरिटी) और लिक्विड फंड (91 दिन तक की मैच्योरिटी) शामिल हैं। अल्ट्रा शॉर्ट टर्म फंड की मैकाले अवधि 3 से 6 महीने होती है, जबकि मनी मार्केट फंड एक साल तक की मैच्योरिटी वाले इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं। लंबी अवधि के लिए शॉर्ट टर्म फंड (1-3 साल मैकाले अवधि), मीडियम टर्म फंड (3-4 साल) और लॉन्ग टर्म फंड (7 साल से अधिक) मौजूद हैं।

विशिष्ट श्रेणियों में कॉरपोरेट बॉन्ड फंड (80 फीसदी से अधिक एए प्लस रेटिंग वाले बॉन्ड), बैंकिंग एंड पीएसयू फंड (बैंक, पीएसयू के डेट इंस्ट्रूमेंट्स) और गिल्ट फंड (80 फीसदी से अधिक सरकारी सिक्योरिटीज) शामिल हैं। क्रेडिट रिस्क फंड अधिक जोखिम वाले एए या उससे नीचे की रेटिंग वाले बॉन्ड में निवेश करते हैं। निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे केवल पिछले रिटर्न पर ध्यान न दें, बल्कि स्कीम की निवेश रणनीति, पोर्टफोलियो की अवधि और निहित जोखिमों को समझकर ही निवेश का निर्णय लें।

संक्षिप्त समाचार

नागल-दक्षिणेश्वर प्री-क्वार्टर फाइनल में

नागोया । एशियाई खेलों में मंगलवार को सुमित नागल और दक्षिणेश्वर सुरेश ने टेनिस के पुरुष सिंगल्स के दूसरे दौर के मैचों में शानदार जीत हासिल की और प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सुमित ने दूसरे दौर में 2023 एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के

सेओंगचान होंग को 6-4, 6-0 से हराया, जबकि सुरेश ने इंडोनेशिया के गुनावान त्रिस्मुवंतारा पर कड़े मुकाबले में 7-5, 7-6 (2) से जीत दर्ज की। मौसम की खराबी के कारण सोमवार को सुमित और हांग का मैच रोक दिया गया जबकि पहले सेट में सुमित 3-2 से आगे थे। कोरियाई खिलाड़ी ने वापसी की और मंगलवार को फिर से शुरू होने पर पहले आठ अंक जीते क्योंकि सुमित पहले मैच में 3-4 से पीछे था। हालांकि, सुमित ने सेट और बाद में मैच अपने नाम करने के लिए लगातार नौ गेम जीते। सुमित एटीपी मास्टर्स 1000 इंडियन वेल्स क्वालीफाइंग राउंड में हांग से 6-2, 2-6, 6-7 (4) से हार गए थे। नागल ह्योन चुंग से 6-2, 4-6, 5-7 से हार गए जबकि वह एकल स्पर्धा में सूनवू क्वोन से 1-6, 2-6 से हार गए। एशियाई खेलों में अगले दौर में नागल का मुकाबला उज्बेकिस्तान के सर्गेई फोमिन से होगा।

शपथ ट्रैप इंडिविजुअल फाइनल में पहुंचे

नागोया । ट्रैप शूटर शपथ भारद्वाज ने 117 पॉइंट्स के साथ क्वालीफिकेशन में आठवें स्थान पर रहने के बाद पुरुषों के ट्रैप शूटिंग इंडिविजुअल में फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हांगझोऊ 2023 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले कायनन चेनाई 115 पॉइंट्स के साथ 16वें और अहवर रिजवी 107 पॉइंट्स के साथ 32वें स्थान पर रहे। दोनों फाइनल से चूक गए। शपथ इंडिविजुअल क्वालीफिकेशन में 117 पॉइंट्स

के साथ संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर रहे और कतर के मोहम्मद अल-रुमाही और कजाकिस्तान के अलीशेर ऐसालबायेव के साथ तीन-तरफा शूट-ऑफ में शामिल हुए, जिसमें फाइनल में दो जगह दांव पर थीं। फिर उन्होंने आखिरी दो जगहों के लिए एक नर्वस तीन-तरफा शूट-ऑफ में जीत हासिल की और अल-रुमाही को हराकर मेडल राउंड में अपनी जगह पक्की की। इस बीच, शपथ, कायनन और अहवर की ट्रैप मेन्स टीम 339 के टोटल स्कोर के साथ छठे स्थान पर रहने के बाद मेडल से चूक गई। इससे पहले, नीरू ढांडा, आशिमा अहलावत और मनीषा कीर की विमेंस ट्रैप टीम ने मंगलवार को विमेंस ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, जिससे शूटिंग में देश के मेडलों की संख्या 13 हो गई। तीनों ने 125-शॉट के क्वालीफिकेशन राउंड के तीन दिनों के बाद कुल 328 का स्कोर बनाया और सिल्वर के लिए कुवैत की चुनौती पर जीत हासिल की। चीन ने 346 के टोटल स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि कुवैत ने 325 के साथ ब्रॉन्ज जीता। नीरू ने क्वालीफिकेशन में 118 के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर रहने के बाद इंडिविजुअल फाइनल के लिए भी क्वालीफाई किया। आशिमा और मनीषा ने क्रमशः 106 और 104 का स्कोर किया और 16वें और 23वें स्थान पर रहने के बाद फाइनल से चूक गईं। शूटिंग में 13 मेडल में से भारत के पास सिर्फ एक गोल्ड है, जो मिक्स्ड 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट से आया है। कमलजीत और सुरुचि सिंह ने देश के लिए गोल्ड मेडल जीता। भारत के पदकों की कुल संख्या फिलहाल 46 है, जिसमें 4 गोल्ड, 21 सिल्वर और 21 ब्रॉन्ज मेडल हैं।

एशियन गेम्सः गोल्ड जीतने के बाद बोलीं ट्रैप शूटर नीरू

मेडल की अहमियत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता

आइची नागोया, एजेंसी
ट्रैप शूटर नीरू ढांडा ने एशियन गेम्स 2026 में भारत को पांचवां गोल्ड मेडल दिलाया है। अपने पहले ही एशियन गेम्स में एशियन रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीतकर नीरू ने इतिहास रचा है। नीरू ने महिलाओं की ट्रैप इंडिविजुअल इवेंट के फाइनल में 28 के एशियन रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता है। एशियन गेम्स के इतिहास में ट्रैप इवेंट में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी हैं। ट्रैप टीम इवेंट की तीसरी खिलाड़ी मनीषा कीर थीं। गोल्ड मेडल जीतने वाली नीरू हरियाणा के जींद से संबंध रखती हैं। उनकी स्वर्णिम सफलता के बाद जींद के संगतपुरा गांव में जश्न मनाया जा रहा है।

राष्ट्रपति मुर्मू और खेल मंत्री ने दी बधाई

यह एक खुबसूरत एहसास है...

गोल्ड मेडल जीतने के बाद नीरू ढांडा ने 'इस मेडल की अहमियत को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। यह एक एहसास है। कुछ चीजें शब्दों में बताने के बजाय महसूस करने के लिए होती हैं। मैं यह मेडल भारत को, अपने परिवार को, अपने कोच मनशेर सिंह को और राजा रणधीर सिंह को समर्पित करती हूं, जिन्होंने 1978 में गोल्ड मेडल जीता था। इस साल उनका निधन हो गया था।' युवा एथलीटों को अपने खास संदेश में उन्होंने कहा कि आप सभी को नीरू से आगे जाना है। आप जहां भी हैं, वहां से आगे बढ़ने और बेहतर मनोदशा से काम करने की कोशिश करें। नीरू ढांडा ने ट्रैप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल भी जीता। इसमें उनकी साथी खिलाड़ी आशिमा अहलावत ने आईएएनएस से कहा, 'यह प्रदर्शन करना आसान नहीं था। पिछले एक-दो दिन से कतर और कुवैत के साथ बहुत करीबी मुकाबला चल रहा था। आज के मौसम ने हमारी बहुत मदद की। दूसरे देश इससे बच नहीं पाए, लेकिन हम इस मौसम में बच गए और ब्रॉन्ज से सिल्वर मेडल पर आ गए। यह बहुत अच्छा लग रहा है। बेशक, भारत में हमें बारिश में शूटिंग करने की आदत है, हमारे सिलेक्शन ट्रायल और ट्रेनिंग भी ऐसे ही हालात में होते हैं, इसलिए मौसम ने हम पर ज्यादा असर नहीं डाला या हमें घुटन नहीं हुई। कई दूसरे देशों को इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन हमने इस मौसम में भी कोशिश की और सिल्वर मेडल जीता।'

कप्तानी से बल्लेबाजी तक... विराट के साथ दोस्ती पर रोहित ने खोले राज

खेलने का तरीका अलग लेकिन हमारा लक्ष्य एक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली लंबे समय से मैदान पर एक-दूसरे के साथ नजर आते रहे हैं। दोनों की दोस्ती और आपसी समझ को लेकर अक्सर चर्चा होती रही है। अब पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने विराट के साथ अपने रिश्ते पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच आज भी मजबूत बॉन्डिंग है और वे अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए एक-दूसरे से बातचीत करते रहते हैं। रोहित और विराट भारतीय क्रिकेट के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में शामिल हैं। रोहित ने 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, जबकि विराट ने 2008 में टीम इंडिया के लिए डेब्यू किया। करीब दो दशक से दोनों भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं और कप्तानी की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। रोहित ने जियोस्टार से बातचीत में कहा कि दोनों ने लगभग एक ही समय पर शुरुआत की और तब से टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं।

कोई असर नहीं पड़ा

उन्होंने कहा कि दोनों समझते हैं कि इस स्तर पर खेलने के लिए क्या करना पड़ता है। रोहित ने कहा कि दोनों के खेलने के तरीके भले ही अलग हैं, लेकिन इससे उनके बीच की समझ पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने विराट के बारे में कहा कि वह अब भी उसी अंदाज में खेलते हैं और टीम इंडिया के लिए रन बनाने तथा मैच जीतने की कोशिश करते हैं। रोहित के मुताबिक, कप्तान रहने के दौरान भी विराट का रवैया ऐसा ही था और अब भी उनके खेल में कोई बदलाव नहीं आया है। रोहित ने बताया कि दोनों बल्लेबाज एक-दूसरे के खेल की सराहना भी करते हैं और जरूरत पड़ने पर सुधार के लिए सुझाव भी देते हैं। अगर रोहित की बल्लेबाजी में उन्हें कुछ ऐसा नजर आता है, जिसमें सुधार की गुंजाइश हो, तो विराट उनसे बात करते हैं।

11 साल बोधना बनीं सबसे युवा महिला ग्रैंडमास्टर

नई दिल्ली। भारतीय मूल की 11 वर्षीय बोधना शिवानंदन ने चेस में इतिहास रच दिया है। बोधना ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में 46वें चेस ओलंपियाड में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए अपना तीसरा और अंतिम वुमन ग्रैंडमास्टर (डब्ल्यूजीएम) नॉर्म हासिल किया। इसके साथ बोधना इतिहास में वुमन ग्रैंडमास्टर का खिताब जीतने वालीं सबसे युवा खिलाड़ी बन गईं। इंग्लैंड की महिला टीम के लिए टॉप बोर्ड पर खेलते हुए बोधना ने टीम की अगुवाई की। उन्होंने छह गेम जीते और 8.0/11 का स्कोर हासिल किया, जिससे इंग्लैंड महिला वर्ग में 15वें स्थान पर रहा। बोधना बोर्ड 1 पर टूर्नामेंट की 13वीं सबसे बेहतरीन खिलाड़ी रहीं। इससे पहले, सबसे युवा वुमन ग्रैंडमास्टर का रिकॉर्ड रूस की ग्रैंडमास्टर कैटरीना लैग्नो के नाम पर था, जिन्होंने 12 साल की उम्र में खिताब जीता था। उनके अलावा, चीन की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन होउ यिफान ने भी 12 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। शिवानंदन की शतरंज यात्रा 'कोविड-19 लॉकडाउन' के दौरान शुरू हुई थी।

महिला मुक्केबाजी

परवीन हुड्डा का शानदार प्रदर्शन, फाइनल में पहुंचीं

निशियो । भारत की बॉक्सर परवीन हुड्डा मंगलवार को यहां निशियो जिम्नेजियम में चीन की ली शू को 5-0 से हराकर एशियन गेम्स में महिलाओं के 65 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंच गईं। परवीन ने आखिरी दो राउंड में खासतौर पर अपना दबदबा बनाया। उन्होंने पहला राउंड 3-2 के करीबी अंतर से जीता। इस दौरान परवीन ने सावधानी बरतते हुए काउंटर पंच मारे। परवीन ने दूसरे राउंड में अपने हिट्स से दबदबा बनाया, जबकि चीनी बॉक्सर ने भी कुछ पंच मारे। इसके बावजूद, परवीन ने राउंड 5-0 से जीत लिया। भारतीय बॉक्सर तीसरे राउंड में एक बार फिर बेहतर रहीं। उन्होंने सटीक पंच मारे और तीसरा राउंड 5-0 से जीत लिया। सभी पांच जजों ने उनके पक्ष में वोट दिया, जिसमें से तीन ने उन्हें 29-28 और दो ने 30-27 का फैसला दिया। परवीन अब 65 किग्रा के फाइनल में पहुंच गई हैं, जहां उनका सामना गोल्ड मेडल के लिए चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन से होगा। यह मुकाबला कड़ा और रोमांचक होगा। निएन-चिन मौजूदा ओलंपिक और वर्ल्ड ब्रॉन्ज मेडलिस्ट हैं। उन्होंने 2023 एशियन गेम्स में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

बड़ी उपलब्धि

चानू बोलीं-देश के लिए मेडल जीतना सपना था

निशियो। जापान में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारत का परचम लहराने के बाद स्टार वेटलिफ्टर साइखोम मीराबाई चानू मंगलवार को स्वदेश लौट आईं। महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक रजत पदक (सिल्वर मेडल) जीतने के बाद मीराबाई चानू अपने मुख्य कोच विजय शर्मा के साथ दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर पहुंचीं। एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, खेल मंत्रालय के प्रतिनिधि और उनके प्रशंसक मौजूद रहे। स्वदेश वापसी पर मीडिया से बातचीत करते हुए मीराबाई चानू ने अपनी खुशी जाहिर की और इस पदक को अपने वर्षों के संघर्ष का परिणाम बताया। रजत पदक जीतने पर गर्व महसूस करते हुए मीराबाई चानू ने कहा- 'मुझे बहुत ज्यादा खुशी हो रही है। कई वर्षों से मुझे इसी दिन का इंतजार था... यह मेडल जीतना हमारा एक बड़ा सपना था और यह मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण था। मेरे लिए यह बहुत संतोष और गौरव की बात है कि मैंने अपने देश भारत के लिए और भारतीय वेटलिफ्टिंग के लिए कुछ कर दिखाया है।'

5000 मीटर रेस

पारुल चौधरी का दोहरा प्रदर्शन जीता दूसरा ब्रॉन्ज

नागोया, । भारत की पारुल चौधरी ने 'एशियन गेम्स 2026' में दूसरा ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया है। पारुल ने महिलाओं की 5000 मीटर फाइनल रेस 15:14.61 के समय के साथ पूरी करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, पारुल महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में तीसरे स्थान पर रही थीं। बहरीन की विनफ्रेड यावी ने गोल्ड मेडल जीता, जबकि जापान की नोजोमी तनाका ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। पारुल ने रेस के आखिरी हिस्से में जबरदस्त तेजी दिखाते हुए कजाकिस्तान की नोराह तानुई को पछाड़कर तीसरा स्थान हासिल किया। शुरुआत में तेज रफ्तार के बावजूद, भारतीय एथलीट ज्यादातर समय आगे चल रहे ग्रुप के काफी करीब बनी रहीं। तानुई ने शुरुआत में बढ़त बनाई और शेष धावकों से काफी आगे निकल गईं, जबकि यावी पीछा करने वाले ग्रुप में शामिल हो गईं। शुरुआत में पारुल और उनकी साथी सीमा कुमारी बीच में चल रही थीं, जबकि तानुई लगातार अपनी रफ्तार बढ़ाती रहीं। यावी ने आधे रास्ते के बाद अंतर कम करना शुरू किया और धीरे-धीरे खिताब के लिए चुनौती देने की स्थिति में आ गईं।

नरेंद्र को मिला ब्रॉन्ज, अंकुश पंघाल फाइनल में पहुंचे

निशियो । एशियन गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी है। अंकुश पंघाल ने पुरुषों के 80 किग्रा सेमीफाइनल में फजलिद्दीन एर्किनबोव को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। अंकुश ने सेमीफाइनल में एर्किनबोव पर 4-1 से शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। अंकुश पहले राउंड के आखिर में 1-4 से पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने अच्छे पंचों के साथ करीबी मुकाबले में दूसरा राउंड 3-2 से जीत लिया। तीसरे राउंड में भी भारतीय मुक्केबाज दोनों बॉक्सरों में बेहतर रहे। उन्होंने तीसरा राउंड 5-0 से जीता। पांच में से चार जजों ने अंकुश के पक्ष में वोट दिया और उन्होंने 4-1 से जीत हासिल की। चारों ने 29-28 का फैसला दिया, जबकि एक जज ने उनके खिलाफ 28-29 का फैसला दिया।

नरेंद्र अपना सेमीफाइनल मुकाबला ओरलबे से 0-5 के एकमत फैसले से हार गए। ओरलबे ने अपने जोरदार मुक्कों से बाउट पर दबदबा बनाया, जबकि नरेंद्र ने अच्छा खेला, लेकिन वर्ल्ड चैंपियन को नीचे नहीं गिरा सके।

ओरलबे ने पहला राउंड 5-0 से जीता और उनके मुक्के अच्छे लगे। दूसरे राउंड में भी उन्होंने अपना दबदबा बनाए रखा। उनके जोरदार हमलों ने नरेंद्र को मुश्किल में डाल दिया। कजाख मुक्केबाज ने तीसरे राउंड में डिफेंसिव रवैया अपनाया और भारतीय मुक्केबाज पर 5-0 से जीत हासिल की।

इस बीच, अंकुश, अमित पंघाल (49 किग्रा) के 2018 जकार्ता गेम्स में गोल्ड जीतने के बाद एशियाड फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय पुरुष बॉक्सर बन गए हैं। यह मौजूदा गेम्स में बॉक्सिंग में भारत का दूसरा पक्का सिल्वर मेडल था।

इससे पहले, परवीन हुड्डा ने चीन की ली शू को 5-0 से हराकर महिलाओं के 65 किग्रा इवेंट के फाइनल में जगह बनाई। परवीन का गोल्ड मेडल के लिए मुकाबला चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन से होगा।

यशवीर को सिल्वर, रोहित ने जीता ब्रॉन्ज

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में सोमवार को पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के फाइनल में भारत ने दो मेडल हासिल किए। यशवीर सिंह ने देश के लिए सिल्वर मेडल जीता, जबकि रोहित यादव ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा किया। इस प्रतियोगिता का गोल्ड मेडल श्रीलंका के रुमेश थारंगा ने हासिल किया। नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में भारत के यशवीर सिंह ने 85.72 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरा स्थान अपने नाम किया। यशवीर ने अपने छठे प्रयास में 85.72 मीटर की दूरी तय की। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास 85.14 मीटर था। रोहित ने पहले प्रयास में 83.56 मीटर, दूसरे में 82.99 मीटर, तीसरे में 82.42 मीटर और चौथे प्रयास में 84.31 मीटर की दूरी तय की। उनका का पांचवां प्रयास 85.14 मीटर रहा था, जिसके बाद उन्होंने अंतिम प्रयास में सबसे अधिक दूरी तय की। वहीं, रोहित यादव ने 84.35 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। रोहित ने अपने तीसरे प्रयास में यह दूरी तय की थी। रोहित ने पहले प्रयास में 77.25 मीटर, दूसरे में 82.40 मीटर, तीसरे में 84.35 मीटर, चौथे में 82.16 मीटर और पांचवें प्रयास में 82.15 मीटर का थ्रो किया।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत: धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 4024

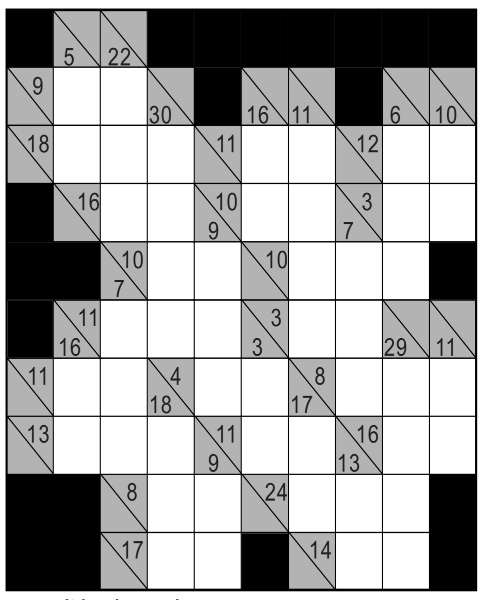

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

■	24\15	1	2	3	4	5
	7					
	8					
	9					

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -4023 का हल

■	14\	24\	■	■	■	■	■	■	■
\13	6	7	29\	■	11\	29\	■	18\	4\
\22	8	9	5	\7	2	5	\10	7	3
■	\15	8	7	23\17	9	8	7\3	2	1
■	■	10\17	9	8	\20	7	4	9	■
■	11\19	5	8	6	9\11	9	2	11\	17\
\3	2	1	13\16	9	7	4\14	1	5	8
\19	9	4	6	4\3	2	1	3\11	2	9
■	■	\8	5	3	\6	3	2	1	■
■	■	\3	2	1	■	\4	1	3	■

हंसी के फूव्वारें

शक्ल-सूरत से एकदम भोली दिखती एक जवान लड़की डॉक्टर के सामने बैठी हुयी थी. डॉक्टर ने उसका शारीरिक परीक्षण करने के बाद कहा, 'मेरा ख्याल है कि तुम्हारे बच्चा होने वाला है.' क्षण भर रुककर वह बोला, 'और यह संभव है कि तुम्हारे जुड़वां बच्चे हों.'

'लेकिन डॉक्टर साहब यह कैसे हो सकता है?' लड़की ने चकित स्वर में कहा, 'मैं अपने जीवन में एक बार में कभी दो से नहीं मिली हूँ.'

□ □ □

घरवाली ने जरा खीझते हुए आदमी से बोली, 'घर में जवान बेटी बैठी है और तुम्हें कोई चिंता नहीं, हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हो. कुछ भाग-दौड़ करो...'

आदमी ने एक गहरी सांस लेते हुए कहा, 'भागवान, कोई सही-सा लड़का मिले तो बात आगे...'

तड़-से घरवाली बीच में ही बात काटते हुए हाथ घुमाकर बोली, 'सोचो, अगर मेरे पिताजी भी सही लड़के की खोज करते, तो फिर तुम्हारा क्या होता?'

□ □ □

पति ने चिड़चिड़े लहजे में कहा, 'इस वक्त मुझे तंग मत करो, मेरे दिमाग में आग लगी है...'

'ओह !' पत्नी बोली, 'तभी तो मैं सोच रही थी कि चमड़ा जलने की बदबू कहां से आ रही है !'

फिल्म वर्ग पहेली- 4024

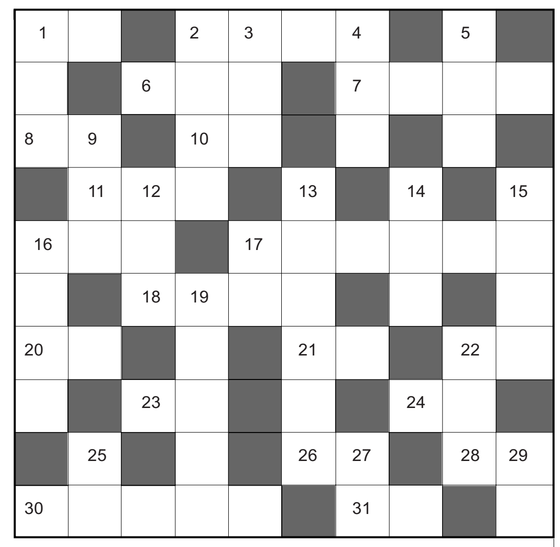

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4023

का	ला	प	त्थ	र	■	को	ह	रा	■
र	■	ड़ो	■	क्ष	त्रि	य	■	ही	रा
वाँ	■	स	ड़	क	■	ला	वा	■	खी
■	जा	न	■	■	ज	■	दा	दा	■
दि	ल	■	ख	ट्टा	मी	ठा	■	मि	ली
व्या	■	खे	ल	■	र	■	स	नी	■
■	प	■	ना	ना	■	डॉ	न	■	डो
प	रि	च	य	■	सु	■	म	वा	ली
■	वा	■	क	सू	र	■	■	रि	■
पा	र	स	■	र्या	■	वि	रा	स	त

सूडोकु -4024

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4023 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्द पहेली - 4024

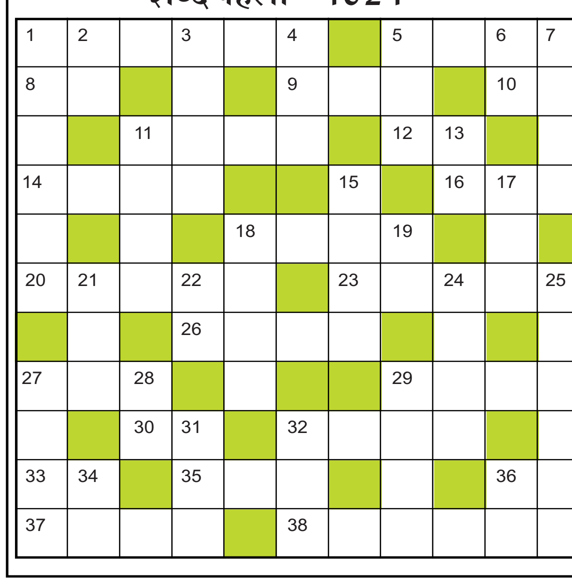

बाएँ से दाएँ

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -4023 का हल

उ	प	चा	र	■	नि	■	वि	रा	स	त
■	र	■	घु	■	ग	द	र	■	ही	न
क	■	■	व	रा	ह	■	ह	■	■	हा
म	हा	वी	र	■	बा	ल	■	क	मा	ई
जो	■	रा	■	ना	न	■	श	■	ख	■
र	म	णी	य	ता	■	भा	व	ही	न	ता
■	न	■	म	■	ज	ल	■	ट	■	र
अ	का	ल	■	शू	ल	■	नी	र	व	ता
प	■	■	न	■	प्र	ख	र	■	■	र
रा	ल	■	म	हु	वा	■	स	■	मी	■
ध	ड़	क	न	■	ह	■	ता	र	त	म्य

परफ्यूम चुनें सोच-समझकर

परफ्यूम को बाहरी कपड़ों पर कभी भी न छिड़कें। सुगंध अधिक समय तक बरकरार रहे, सके लिए उसका प्रयोग पर्याप्त सही स्थानों पर जैसे कलाई, कनपटी, गर्दन और कंधों आदि पर करें। बालों में लगाने से भी खुशबू टिकाऊ होती है।

आजकल परफ्यूम का उपयोग व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाने के लिए किया जाता है। परफ्यूम का चुनाव करने में पर्याप्त सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि हर परफ्यूम का अलग-अलग प्रभाव होता है। अपनी खास पहचान बनाने के लिए कभी भी अधिक मात्रा में परफ्यूम का उपयोग नहीं करें। ऐसा करके आप खुद को हास्यास्पद ही नहीं बनाते हैं, बल्कि अन्य लोगों के लिए सिरदर्द तथा एलर्जी का कारण भी बन बैठते हैं।

कई लोगों को सुगंध की तीव्रता से चक्कर भी आ जाते हैं। सही सुगंध जहां लोगों को आपकी ओर आकर्षित करती है, वहीं गलत सुगंध का इस्तेमाल आपके पास बैठे लोगों को आपसे दूर भगा सकता है। खास माहौल में खास तरह की खुशबू वातावरण को आत्मीय बना देती है।

हर मौसम की अलग-अलग विशेषता होती है, अत: परफ्यूम का इस्तेमाल भी मौसम को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। गर्मी के मौसम में हल्की सुगंध भीनी-भीनी खुशबू बिखेरने वाले परफ्यूम उपयुक्त रहते हैं, जबकि सर्दियों में तेज सुगंध वाले परफ्यूम। इसी तरह किसी भी मौसम में दिन में हल्की खुशबू और रात में तेज सुगंध का प्रयोग करना अच्छा होता है।

परफ्यूम का चुनाव अपनी संपन्नता व अपने व्यक्तित्व के अनुरूप करें। यदि आप कामकाजी महिला हैं तो तेज सुगंध के प्रयोग से बचें। आपके लिए भीनी-भीनी महक वाली पुष्प सुगंध उपयुक्त है। गृहिणियों के लिए पानी में यूडी-कोलोन डालकर नहाना ही उत्तम है। अच्छी गुणवत्ता अच्छी सुगंध वाले टेलकम पावडर का इस्तेमाल करें।

यदि आप कॉलेज के छात्र हैं तो परफ्यूम का इस्तेमाल न ही करें तो बेहतर है। साथ ही तेज सुगंध का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे आपकी गलत छवि बन सकती है। इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि सुगंध आपके व्यक्तित्व पर अनुकूल या प्रतिकूल दोनों ही प्रभाव डाल सकती है। सही सुगंध जहां व्यक्तित्व को आकर्षक बना सकती है, वहीं गलत सुगंध आपको फूहड़ता की श्रेणी में खड़ा कर देती है।

कॉलेज की छात्राएं अगर परफ्यूम का इस्तेमाल करना चाहें तो चंदन या अन्य किसी भी प्राकृतिक सुगंध या फूलों की भीनी खुशबू का इस्तेमाल करें। स्प्रे करने के बाद परफ्यूम की शीशियों को कसकर बंद करें और छायादार अंधेरी जगहों पर रखें, क्योंकि सूर्य की गर्मी से सुगंध उड़ जाती है।

बनारसी साड़ी अथवा कढ़ाई वाले अन्य कीमती कपड़ों पर कभी भी तीखे परफ्यूम स्प्रे नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे कपड़ों की आभा कम होने लगती है। सूती कपड़ों पर भी कम ही परफ्यूम करें। कभी-कभी बदरंग होने का खतरा रहता है जबकि सिंथेटिक कपड़ों पर अधिक परफ्यूम स्प्रे करना चाहिए, क्योंकि सिंथेटिक कपड़ों से खुशबू जल्दी उड़ जाती है। रंगों पर भी कोई असर नहीं होता। रूमाल पर परफ्यूम का इस्तेमाल कर सकते हैं।

परफ्यूम को बाहरी कपड़ों पर कभी भी न छिड़कें। सुगंध अधिक समय तक बरकरार रहे, सके लिए उसका प्रयोग पर्याप्त सही स्थानों पर जैसे कलाई, कनपटी, गर्दन और कंधों आदि पर करें। बालों में लगाने से भी खुशबू टिकाऊ होती है। आजकल अंतरराष्ट्रीय परफ्यूम अधिक पसंद किए जा रहे हैं। इनके इस्तेमाल से पूर्व यह ध्यान अवश्य रखें कि यह दूसरे देश की जलवायु के अनुरूप बनाया गया है। रसायन भी अधिक होते हैं इनमें, जो त्वचा पर बुरा असर भी डाल सकते हैं।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि हमारे देश में निर्मित अनेक हर्बल फूलों की खुशबुओं वाले, हिना, चंदन आदि सुगंध वाले परफ्यूम सभी के लिए समान होते हैं, जबकि रसायनयुक्त परफ्यूम महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग-अलग होते हैं, जिन पर लिखा होता है 'परफ्यूम फॉर हिम' व 'परफ्यूम फॉर हर' अर्थात परफ्यूम के माध्यम से सामने वाले को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है जबकि हमारे यहां व विदेशों से आयातित बहुत से परफ्यूम अपनी मौलिक खुशबू से पूरी फिजां को महका देने वाला माद्दा भी रखते हैं।

इसलिए महंगे होने के बावजूद भी इनके खरीददार बढ़ते जा रहे हैं। सुगंध की यह मदहोश दुनिया कमोबेश कई बीमारियों के लिए मुफीद है। किसी के देखा-देखी परफ्यूम खरीदे भी नहीं और इस्तेमाल न करें। परफ्यूम लगाने से पहले अपनी रुचि, माहौल की अनुकूलता, स्वास्थ्य के मापदंड, मन को भाने वाली सुगंधों के उत्तम पर्याय पर एक बार सोचें जरूर।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words.

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	- 50%	Strip Advt.	- 15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	- 10%	Political Advt.	- 50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	- 15%	Pull Outs	- 50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	- 10%	Discount as per deal	

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

राधिका आप्टे का खुलासा

अभिनेत्री राधिका आप्टे ने अपनी आगामी फिल्म लस्ट स्टोरीज 3 को लेकर एक साक्षात्कार में फिल्मों में ज़रूरत से ज़्यादा न्यूडिटी और बोल्ड सीन पर अपनी राय रखी है। उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दौर का एक निजी अनुभव साझा करते हुए बताया कि कुछ फिल्ममेकर्स ने उनके बोल्ड किरदारों को लेकर एक ऐसी धारणा बना ली थी कि वे उनसे किसी भी तरह के बोल्ड सीन के लिए आसानी से तैयार होने की उम्मीद करते थे, चाहे उसकी कहानी या स्क्रिप्ट में ज़रूरत हो या नहीं। राधिका के अनुसार, उन्हें कई बार बिना किसी खास वजह के अपने सह-कलाकारों को किस करने के लिए कहा गया। उन्होंने एक उदाहरण दिया जहाँ एक फिल्म के दौरान उनसे एक एक्शन सीन इनरवियर में करने के लिए भी कहा गया था, जिसे अभिनेत्री ने हैरान करने वाला बताया क्योंकि उसका कहानी से कोई खास संबंध नहीं था। अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि उन्हें कई मौकों पर यह साफ करना पड़ता था कि वह केवल इसलिए कोई सीन नहीं करेंगी क्योंकि उनसे इसकी उम्मीद की जा रही है।

हेली शाह का नया फेस्टिव सॉन्ग गलगोटो रिलीज

ओटीटी शो चुंबक में अपने कॉमेडी रोल से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद, अब प्रतिभाशाली एक्ट्रेस हेली शाह एक बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रही हैं। हेली शाह का नया फेस्टिव सॉन्ग गलगोटो रिलीज हो गया है, जिसे खास तौर पर आगामी नवरात्र सेलिब्रेशन से पहले जारी किया गया है। गलगोटो गाने में हेली शाह और देवर्षि शाह की जोड़ी दर्शकों को मंत्रमुग्ध करती नजर आ रही है। इस गाने को मोनाली ठाकुर, पार्थ ओझा और सुहित अभ्यंकर जैसे लोकप्रिय गायकों ने अपनी आवाज दी है, जिससे इसमें एक अलग ही ऊर्जा का संचार हुआ है। गलगोटो को लेकर हेली शाह भी बेहद उत्साहित हैं और उन्होंने अपनी खुशी जाहिर की।

एक्ट्रेस ने गाने के बारे में बात करते हुए कहा, इसे सुनते ही किसी का भी उठकर डांस करने का मन करने लगता है। इस गाने की शूटिंग का पूरा एक्सपीरियंस काफी एनर्जी से भरा हुआ था। मैं चाहती हूं कि लोग इस गाने के साथ नवरात्र सेलिब्रेट करें और इसे खूब एंजॉय करें। हेली ने आगे बताया कि गाने का म्यूजिक वीडियो भी पूरी तरह से फेस्टिव फील देता है। इसमें तेज बीट्स, एनर्जेटिक म्यूजिक और कलरफुल विजुअल ट्रीटमेंट का खूबसूरती से इस्तेमाल किया गया है, जो उत्सव के माहौल को चार चांद लगा देता है। नवरात्र के दौरान गरबा और डांस के माहौल को देखते हुए, गाने की पूरी फील को काफी जश्न वाला रखा गया है, ताकि दर्शक इसमें पूरी तरह से डूब सकें। गलगोटो को सुहित अभ्यंकर ने कंपोज किया है, जबकि इसके प्रेरणादायक लिरिक्स जय तन्ना ने लिखे हैं। पीयूष शंकर ने इस गाने को प्रोड्यूस किया है, और तीनों अलग-अलग आवाजों का मिश्रण इसे संगीत और ऊर्जा के मामले में काफी अनूठा बनाता है।

सिंगर मोनाली ठाकुर ने भी गलगोटो को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, यह गाना एनर्जी, रिदम और खुशी से भरा हुआ है। लोग इस गाने पर दिल खोलकर डांस करेंगे और इस साल नवरात्र में इसे अपनी प्लेलिस्ट का हिस्सा बनाएंगे। टाइम्स म्यूजिक के सीईओ मंदार ठाकुर ने गाने की सांस्कृतिक प्रासंगिकता पर टिप्पणी करते हुए कहा, नवरात्र देश के सबसे बड़े कल्चरल सेलिब्रेशन में से एक है। गलगोटो में इसके लिए जरूरी एनर्जी, म्यूजिक और विजुअल अपील को एक साथ लाने की कोशिश की गई है। गाने का फेस्टिव साउंड और इसका विजुअल ट्रीटमेंट नवरात्र के माहौल को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

कृति द्वारा अपनी फिल्म के ट्रेलर की तारीफ

अभिनेत्री कृति सेनन ने आगामी फिल्म पहला प्यार दूसरी बार के हाल ही में रिलीज़ हुए ट्रेलर की जमकर तारीफ की है। युवा दर्शकों के बीच लगातार चर्चा में बनी इस यूथ एंटरटेनर को बॉलीवुड सेलेब्स का भी प्यार मिल रहा है। कृति ने फिल्म की नई स्टारकास्ट को सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं देते हुए अपना पूरा सपोर्ट दिया। कृति सेनन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म का ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, उनकी क्रेजी एनर्जी वाली इस रिफ्रेशिंग कास्ट को ढेर सारा प्यार और लक! ट्रेलर मजेदार लग रहा है। उन्होंने अपनी पोस्ट में फिल्म की कास्ट और निर्देशक अनुज सैनी को भी टैग किया, जिससे फिल्म की टीम के लिए उनका यह सपोर्ट काफी खास बन गया है। लव फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन अनुज सैनी ने किया है, और इसे लव रंजन व अंकुर गर्ग ने प्रोड्यूस किया है।

मिर्जापुर: द मूवी 300 करोड़ के पार

पंकज त्रिपाठी और दिव्येंदु स्टारर मिर्जापुर- द मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाए रखते हुए दुनियाभर में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज की यह फिल्म वीकडेज में भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही है, जिससे इसकी कमाई की रफ्तार बरकरार है। फिल्म ने सोमवार को 1.65 करोड़ रुपये, मंगलवार को 1.40 करोड़ रुपये और गुरुवार को 1.20 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया, जो नई फिल्मों की रिलीज के बीच भी इसकी मजबूत बॉक्स ऑफिस पकड़ को दर्शाता है। मिर्जापुर-द मूवी ने सिर्फ भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ही नहीं, बल्कि विदेशी बाजारों में भी अपनी छाप छोड़ी है और साल की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली ओवरसीज फिल्मों में शामिल हो गई है। एक ओटीटी ओरिजिनेटेड फ्रेंचाइजी का बड़े पर्दे पर आकर 300 करोड़ का आंकड़ा पार करना एक खास उपलब्धि मानी जा रही है।

सामंथा के वर्कआउट का वीडियो वायरल

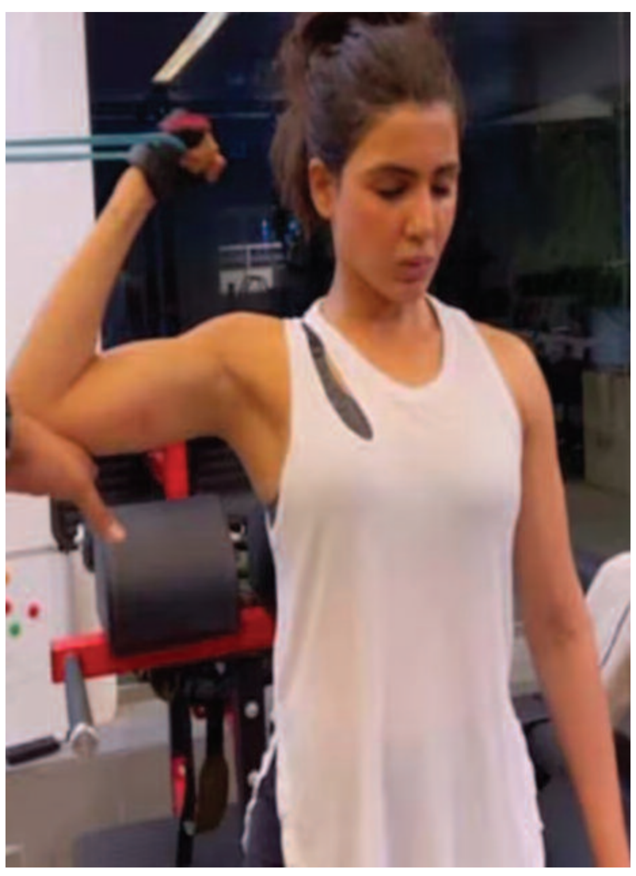

मां बनने वालीं सामंथा रुथ प्रभु ने अपनी प्रेग्नेंसी फिटनेस रूटीन की एक झलक साझा करते हुए दिखाया है कि वह अपने बदलते शरीर की बात को कितना महत्व देती हैं। दिसंबर में अपने पति और फिल्ममेकर राज निदिमोरु के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वालीं यह एक्ट्रेस, जो अपनी प्रेग्नेंसी के तीसरे ट्राइमेस्टर में हैं, ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने लेटेस्ट वर्कआउट सेशन का एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में सामंथा को सीटेड केबल रो करते हुए देखा जा सकता है, जो पीठ के ऊपरी हिस्से और बाहों पर काम करने वाली एक स्ट्रेंथ-ट्रेनिंग एक्सरसाइज है। कंट्रोल के साथ मूवमेंट करते हुए उनका बढ़ता बेबी बंप भी दिख रहा था। वीडियो साझा करते हुए उन्होंने लिखा, एक तरफ आखिर तक मजबूत और दूसरी तरफ प्लीज मुझे उठने के लिए मत कहो वाली भावना। सामंथा अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान काफी एक्टिव बनी हुई हैं।

सही मकसद वाले किरदार का था इंतजार

टीवी की दुनिया में अपनी एटिंग और अलग अंदाज से पहचान बनाने वाली रश्मिदेसाई एक बार फिर छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। लंबे समय बाद अभिनेत्री नए शो 'सयोनी' में नजर आ रही हैं। रश्मि के लिए यह वापसी सिर्फ एक औरटीवी प्रोजेट का हिस्सा नहीं है, बल्कि एक ऐसे किरदार के साथ पर्दे पर लौटनेका मौका है, जिससे वह खुद को जोड़ पाई हैं। 'सयोनी' को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए रश्मि ने कहा, ''शो में मेरा किरदार माया सिर्फ एक कल्पना नहीं है, बल्कि एक बहुत ही प्रैटिकल किरदार है। मुझे कई ऑफर मिले थे, लेकिन मैंने उन्हेंमना कर दिया योंकि मैं उन कहानियों और किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पा रही थीं। हर कलाकार चाहता है कि उसे ऐसा किरदार मिले, जो अच्छी तरह लिखा गया हो और जिसे निभाने में उसे कुछ खास महसूस हो।'' रश्मि ने कहा, ''मैं टीवी पर कमबैक नहीं ढूंढ रही थीं, मैं किसी मकसद की तलाश में थीं। शो के प्रोड्यूसर सरगुन मेहता और रवि दुबे, दोनों वाकई टीवी पर शानदार काम कर रहे हैं। डायरेटर उाम भेलावत भी कमाल के इंसान है। कैमरे के पीछे काम करने वाले लोगों को असर दर्शक नहीं जानते, लेकिन किसी कहानी को सही दर्शकों तक पहुंचाने में इन लोगों की भूमिका बहुत अहम होती है।'' अभिनेत्री ने अपने इस इंतजार को लेकर कोई पछतावा भी नहीं जताया। उन्होंने कहाकि अच्छा हुआ कि उन्होंने लंबे समय तक इंतजार किया और अपनी भावनाओं केसाथ ईमानदार रहीं। रश्मि का कहना है कि वह कभी भी जल्दबाजी में फैसले नहीं लेतीं और इस बार भी उन्होंने वही किया। उनके लिए सिर्फ स्क्रीन पर दिखाई देना जरूरी नहीं था, बल्कि ऐसा काम करना जरूरी था, जिसे करने के बाद उन्हें लगे कि उन्होंने सही फैसला लिया है। शो में रश्मि के साथ जान्हवी सोनी और गौतम सिंह विग भी अहम भूमिकाओं में हैं। जान्हवी शो में सानवी का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने अपने किरदार के बारे में कहा, ''सानवी बहुत प्यार करने वाली और दूसरों की परवाह करने वाली लड़की है, लेकिन उसकी अच्छाई को उसकी कमजोरी समझना सही नहीं होगा। वह अपने लिए और सही बात के लिए खड़े होने की हिमत रखती है। वह अपने वादेभी निभाती है, भले ही ऐसा करने के लिए उसे खुद किसी मुश्किल का सामना यों न करना पड़े।'

मैं जैकी दादा के साथ काम करने को लेकर काफी नर्वस थीं: करिश्मा कपूर

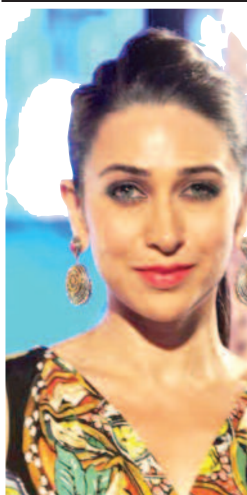

अपने फिल्मी करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने मशहूर एक्टर जैकी श्रॉफ के साथ काम करने का एक दिलचस्प अनुभव साझा किया है। उन्होंने जैकी श्रॉफ के साथ 1992 में रिलीज हुई फिल्म पुलिस ऑफिसर में काम किया था। करिश्मा ने बताया कि यह उनके करियर की शुरुआती फिल्मों में से एक थी, और उस वक्त वह महज 17 साल की थीं, जिसके चलते एक बड़े स्टार के साथ काम करने को लेकर वह काफी नर्वस थीं। यह खुलासा तब हुआ जब जैकी श्रॉफ इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 में बतौर गेस्ट शामिल हुए और शो की जज करिश्मा कपूर ने उनके साथ काम के अनुभव को याद किया। करिश्मा ने जैकी श्रॉफ से मुखातिब होते हुए कहा, मुझे नहीं पता जग्गू दादा, आपको याद है या नहीं, लेकिन मैं कहना चाहती हूं कि मैंने आपके साथ एक फिल्म की थी, जिसका नाम पुलिस ऑफिसर था। यह मेरी शुरुआती फिल्मों में से एक थी। बहुत पहले की बात है, तब मैं सिर्फ 17 साल की थी। यह प्रेम कैदी के बाद की बात है।

करिश्मा ने आगे उस फिल्म के एक गाने का जिक्र किया, जिसने उन्हें काफी घबरा दिया था। उन्होंने कहा, उसमें एक गाना था देखो ये लड़की करंट मारती हैज यह बहुत बड़ा गाना था, जिसमें काफी सारे डांसर्स थे। मुझे लगता है कि यह पहली बार था जब मैंने इतने सारे डांसर्स और किसी बड़े स्टार के साथ काम किया था। इसलिए मैं काफी डरी हुई और नर्वस भी थी। उस उम्र में एक बड़े सेट पर इतने सारे लोगों के साथ काम करना किसी भी नए कलाकार के लिए स्वाभाविक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है। करिश्मा ने जैकी श्रॉफ के साथ काम करने को अपने लिए सम्मान और खुशी की बात बताया। उन्होंने कहा, आपके साथ काम करना मेरे लिए हमेशा खास रहेगा। उनकी इन बातों से पता चलता है कि जैकी श्रॉफ ने उस युवा अभिनेत्री के साथ किस तरह का सहयोगपूर्ण माहौल बनाया होगा। वहीं जैकी श्रॉफ ने भी करिश्मा कपूर की जमकर तारीफ की। उन्होंने करिश्मा को एक शानदार एक्ट्रेस बताते हुए कहा कि वह एक मल्टीटैलेंटेड कलाकार हैं और कुछ भी कर सकती हैं। जैकी श्रॉफ ने कहा, एक शानदार और प्यारी महिला के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान और खुशी की बात है। वह मल्टीटैलेंटेड हैं और कुछ भी कर सकती हैं। वह ऐसे परिवार से आती हैं, जो हमारी इंडस्ट्री का एक मजबूत हिस्सा रहा है। मुझे आपके परिवार और आप पर बहुत गर्व है। मुझे प्यार देने और पसंद करने के लिए शुक्रिया। करिश्मा कपूर और जैकी श्रॉफ ने 1992 में रिलीज हुई फिल्म पुलिस ऑफिसर में साथ काम किया था। फिल्म का डायरेक्शन अशोक गायकवाड़ ने किया था और इसमें अरुणा ईरानी और परेश रावल भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन पर रातभर बरसे रूसी ड्रोन

कीव, एजेंसी। कूटनीतिक बातचीत नाकाम होने के कुछ ही घंटों बाद रूस ने रातभर यूक्रेन पर भीषण हवाई हमले कर दिए। राजधानी कीव में एक गैर-आवासीय इमारत पर रूसी ड्रोन गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक वाहन मरम्मत दुकान में आग लगने से भारी नुकसान पहुंचा। इसके अलावा, मुख्य काला सागर बंदरगाह के पास स्थित दक्षिणी ओडेसा क्षेत्र में हुए कई हवाई हमलों में एक अन्य नागरिक की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। पिछले कुछ महीनों से रूस लगातार क्रूज मिसाइलों, ग्लाइड बमों और ड्रोन से यूक्रेनी ठिकानों पर कहर ढा रहा है।

पाकिस्तान में अजरबैजान की महिला से हैवानियत, कैफे से ले जाकर फ्लैट में सामूहिक दुष्कर्म

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान के लाहौर में व्यापार के सिलसिले में आई अजरबैजान की 20 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, बाकू की रहने वाली पीड़िता करीब दो हफ्ते पहले व्यापारिक सिलसिले में लाहौर पहुंची थी और रायविंड इलाके में ठहरी हुई थी। आरोप है कि 25 सितंबर की रात दो महिलाएं उसे डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी इलाके के एक कैफे में ले गईं, जहां तीन पुरुष भी शामिल हो गए। इसके बाद तीनों पुरुषों ने युवती को ड्रॉप करने का झांसा देकर अपनी गाड़ी में बैठाया और एक फ्लैट में ले गए। वहां उसे कोई नशीला पदार्थ पिलाकर तीनों ने उसके साथ दरिंदगी की और बाद में गाजी इंटरचेंज के पास फेंककर उसका आईफोन भी छीन लिया।

गोलीबारी में 27 लोगों की मौत

दक्षिण अफ्रीका में एक सप्ताह में 38 लोगों की गई जान, गैंगवार की आशंका

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका दो अलग-अलग सामूहिक गोलीबारी की घटनाओं में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा ने बताया कि जोहान्सबर्ग के दक्षिण-पश्चिम में स्थित वेडेला टाउनशिप में शनिवार रात एक बार में आठ संदिग्धों ने एके-47 राइफलों और पिस्तौल से अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 15 अन्य लोग गोली लगने से घायल हुए।

पुलिस ने क्या बताया?: एक अलग बयान में पुलिस ने बताया कि केप टाउन के पास लैंडले में रविवार तड़के करीब 1 बजे एक दुकान में हुई सामूहिक गोलीबारी में 10 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में 11 अन्य लोग घायल हुए। पुलिस ने बताया कि वह इस मामले में भी कई संदिग्धों की तलाश कर रही है, हालांकि उनकी सटीक संख्या नहीं बताई गई है। पुलिस को आशंका है कि गैंगवार के चलते इस नरसंहार को अंजाम दिया गया है। फिलहाल पुलिस जांच कर रही है। इन दोनों घटनाओं के कुछ ही दिन पहले दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी तट के शहर डरबन के पास एक घर में आयोजित पार्टी में तीन बंदूकधारियों ने गोलीबारी की थी। उस हमले में एक गर्भवती महिला समेत 11 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में एक गर्भवती महिला भी है। पुलिस ने बताया कि एक घर में पार्टी के दौरान तीन हमलावरों ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। घटना में तीन लोग घायल भी हुए हैं। मरने वालों में एक गर्भवती महिला भी है। घटना डरबन के नजदीक स्थित क्वामख्शुआ शहर में मंगलवार रात को घटी। पुलिस ने बताया कि सामूहिक गोलीबारी के दोनों मामलों में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। दक्षिण अफ्रीका लंबे समय से हिंसक अपराध की ऊंची दर से जूझ रहा है। हालांकि, इस सप्ताह हुई सामूहिक गोलीबारी की लगातार घटनाओं ने देश में भी चिंता बढ़ा दी है, जहां दुनिया में हिंसक अपराध की दर पहले से ही काफी ऊंची है।

अमेरिका ने ठुकराया प्रस्ताव क्या बढ़ेगा युद्ध का खतरा ?

होर्मुज खोलने के लिए अपनी शर्तों पर अड़ा ईरान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच ईरान ने एक तरफ किसी भी बड़े सैन्य टकराव के लिए तैयार रहने का कड़ा संदेश दिया है, तो दूसरी तरफ कूटनीतिक बातचीत का रास्ता भी खुला रखा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि उनका देश अमेरिका के साथ ऐसी लड़ाई के लिए भी तैयार है, जिसे उन्होंने कयामत की जंग कहा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तेहरान शांति की किसी भी संभावना को खत्म नहीं करना चाहता। अराघची ने यह बयान संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के बाद एनबीसी न्यूज के कार्यक्रम में दिया। उन्होंने कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है और साथ ही किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए भी तैयार है। उनके अनुसार तेहरान शांति का कोई अवसर गंवाना नहीं चाहता।

होर्मुज को लेकर बातचीत में गतिरोध

अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य बन गया है। फारस की खाड़ी और अरब सागर के बीच स्थित यह समुद्री मार्ग दुनिया के ऊर्जा व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ईरान ने संघर्ष के दौरान इस मार्ग से तेल और गैस की आवाजाही को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।अराघची ने शुक्रवार को प्रस्ताव दिया था कि अगर अमेरिकी प्रशासन ईरान की शर्तें स्वीकार करता है तो तेहरान 7 दिनों के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता शुरू करने पर सहमत हो सकता है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने अपने सहयोगियों से कहा है कि नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनाव

के बाद ईरान पर अमेरिकी बमबारी फिर शुरू होने की संभावना है। हालांकि यह बात अमेरिकी सरकार की ओर से आधिकारिक रूप से पुष्ट नहीं हुई है।अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत माइकल वॉल्ट्ज ने ईरान के प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार करते हुए इसे ऐसा प्रयास बताया जिसे ईरान पहले से जानता था कि अमेरिका स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु हथियार हासिल करने की संभावना को रोकने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति सभी विकल्प खुले रखेंगे।

ईरान की तीन प्रमुख शर्तें

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने के लिए कई शर्तें रखी हैं। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई के अनुसार इनमें अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकना, नौसैनिक नाकाबंदी समाप्त करना और ईरान की जब्त संपत्तियों को जारी करना शामिल है।अराघची ने कहा कि मध्यस्थों के साथ हुई बैठकों में ईरान ने अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखी हैं और इन शर्तों को अमेरिकी पक्ष तक पहुंचाया गया है। हालांकि उनके अनुसार अभी तक मध्यस्थों के जरिए अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से तेहरान को कोई औपचारिक जवाब नहीं मिला है।ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि इस गतिरोध को केवल बातचीत के जरिए ही समाप्त किया जा सकता है।

ईरान ने अमेरिकी अंडरवाटर ड्रोन पकड़ने का किया दावा

इसी बीच ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी की नौसेना ने रविवार को एक अमेरिकी स्वायत्त अंडरवाटर वाहन को पकड़ने का दावा किया है ।ईरान की सरकारी समर्थक तस्नीम न्यूज एजेंसी ने आईआरजीसी के हवाले से कहा कि ईरानी नौसेना ने अमेरिका के एक अत्याधुनिक मानवरहित अंडरवाटर वाहन को कब्जे में लिया है । ईरान ने इसकी पहचान रेमस 600 मानवरहित अंडरवाटर वाहन के रूप में की है ।ईरानी पक्ष के अनुसार वाहन को तकनीकी विशेषज्ञों के हवाले कर दिया गया है ताकि उसमें मौजूद डेटा को हासिल किया जा सके । आईआरजीसी ने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में अनधिकृत आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी ।हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है ।

दुनिया के तेल बाजार पर सीधा असर

अमेरिका-ईरान संघर्ष का असर अब केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है । होर्मुज जलडमरूमध्य से ऊर्जा की आवाजाही प्रभावित होने के कारण वैश्विक तेल बाजार पर दबाव बढ़ा है । तेल की आपूर्ति में किसी भी बड़े व्यवधान का असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों से लेकर परिवहन लागत और महंगाई तक पर पड़ सकता है ।संघर्ष के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा गया और दुनिया के कई हिस्सों में महंगाई बढ़ने की आशंका मजबूत हुई । हालांकि संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की खबरों के बाद सप्ताह के अंत में कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट भी दर्ज की गई ।

भारतीय दवा कंपनियों को अमेरिका से बड़ी राहत: चुनिंदा दवाओं पर नहीं लगेगा टैरिफ

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत से अमेरिका भेजी जाने वाली कुछ खास दवाओं और दवा बनाने वाले कच्चे माल पर अब जीरो अमेरिकी टैरिफ लागू होगा। इससे अमेरिका को दवाएं सप्लाई करने वाले भारत के फार्मा सेक्टर को बड़ी राहत मिल सकती है। यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट ने यह लिस्ट तब जारी की है जब वॉशिंगटन 29 सितंबर से कुछ पेटेंटेड फार्मास्युटिकल इंपोर्ट और उनसे जुड़ी सामग्री पर 100% टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है। यह छूट भारत से भेजे जाने वाले हर फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट पर लागू नहीं होती है। यह अप्रैल में जारी राष्ट्रपति के आदेश में बताई गई खास दवाओं और सामग्री पर लागू होती है। योग्य प्रोडक्ट्स में ऑरफन ड्रग्स, न्यूक्लियर दवाएं, प्लाज्मा से बनी थेरेपी, फर्टिलिटी दवाएं, सेल थेरेपी, जीन थेरेपी और एंटीबॉडी-ड्रग कॉन्जुगेट्स शामिल हैं। इस लिस्ट में केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर खतरों से जुड़े मेडिकल काउंटरमेजर और जानवरों की सेहत से जुड़े कुछ प्रोडक्ट्स भी शामिल हैं। भारत को अर्जेंटीना, बांग्लादेश, कंबोडिया, इक्वाडोर, अल साल्वाडोर, यूरोपीय संघ, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, जापान, जॉर्डन, मलेशिया, नॉर्थ मैसेडोनिया, दक्षिण कोरिया, स्विट्जरलैंड और लिकटेंस्टीन, ताइवान, थाईलैंड, ब्रिटेन और वियतनाम के साथ लिस्ट में शामिल किया गया था। नोटिस में कहा गया है कि इन जगहों से आने वाले योग्य प्रोडक्ट्स पर जीरो प्रतिशत टैरिफ लग सकता है क्योंकि अमेरिका के साथ उनका मौजूदा या भविष्य का ट्रेड और सिक्योरिटी फ्रेमवर्क एग्रीमेंट है। ये छूट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अप्रैल के उस आदेश को लागू करने का हिस्सा हैं, जिसमें ट्रेड एक्सपेंशन एक्ट की धारा 232 के तहत फार्मास्युटिकल्स और फार्मास्युटिकल सामग्री के इंपोर्ट में बदलाव किया गया था। इस आदेश के तहत कुछ खास पेटेंट वाली दवाओं और उनके इंग्रीडिएंट्स पर 100% टैरिफ लगाया गया।

कांगो में बड़ा नाव हादसा: लेक किवु में 50 से ज्यादा लोगों को ले जा रही नाव पलटी

बुकावु (कांगो), एजेंसी। पूर्वी कांगो की किवु झील में शनिवार रात एक नाव पलटने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। हादसा दक्षिण किवु प्रांत के इदज्वी द्वीप के पास हुआ। नाव में 50 से अधिक लोग सवार थे। किसेके गांव के प्रमुख फेलिक्स हबिरागी ने बताया कि हादसे के बाद करीब 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। हालांकि, नाव पलटने की असली वजह अभी सामने नहीं आई है। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, नाव इदज्वी द्वीप के ब्विना इलाके से बोझा की ओर जा रही थी। इसमें मछली कारोबारी और बड़ी मात्रा में सामान भी लदा हुआ था। हादसे के बाद सामने आए कुछ वीडियो में स्थानीय ग्रामीणों और अन्य यात्रियों को झील से शव बाहर निकालते हुए देखा गया। राहत और बचाव अभियान के बीच लापता लोगों की तलाश जारी है। इदज्वी के रहने वाले क्रिश्चियन अमिनी नदाहिरा ने बताया कि हादसे में उन्होंने अपने एक दोस्त को खो दिया। उन्होंने कहा कि नाव पर सवार होने से पहले शाम को ही उनकी दोस्त से बातचीत हुई थी। उन्होंने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि इस हादसे से उसके परिवार और उनके लिए बहुत दुखद स्थिति पैदा हो गई है।

कांगो में आम हैं नाव हादसे

कांगो में नाव दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। देश में 10 करोड़ से अधिक आबादी के लिए नदियां और झीलें परिवहन का प्रमुख साधन हैं। कई बार नावों में क्षमता से अधिक यात्रियों और सामान को ले जाया जाता है। इदज्वी में नागरिक समाज से जुड़े डोरसेल बागाजाने ने बताया कि प्रशासन ने यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य करने की दिशा में कदम उठाए हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में लोग अब भी बिना लाइफ जैकेट के नावों में सफर करते हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा नियम लागू किए जाने के बावजूद उनका पालन पूरी तरह नहीं हो रहा है, जिससे ऐसे हादसों में जान का जोखिम बढ़ जाता है।

'ईरान पर दोबारा हमला संभव है': ट्रंप ने किया बड़ा इशारा, अराघची बोले- विनाशकारी युद्ध के लिए तैयार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्ष को लेकर दावा किया है कि अमेरिका यह युद्ध बहुत जल्द जीत लेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका में आगामी मध्यावधि चुनाव से पहले ईरान पर नए सैन्य हमले की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ट्रंप ने रविवार को स्थानीय समयानुसार पीजीए टूर प्रेसिडेंट्स कप से इतर फॉक्स न्यूज से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि संघर्ष खत्म होते ही वैश्विक तेल कीमतों में बड़ी गिरावट आ सकती है। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम यह युद्ध बहुत जल्द जीतने जा रहे हैं और जैसे ही हम इसे जीतेंगे, तेल की कीमत बहुत नीचे चली जाएगी, उतनी ही जितनी युद्ध से पहले थी। ' जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि क्या आगामी मध्यावधि चुनाव से पहले अमेरिका दोबारा सैन्य हमले कर सकता है, तो उन्होंने इस संभावना को खारिज नहीं किया। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसा नहीं कहना चाहता। मेरा मतलब है कि यह संभव है, लेकिन मैं बस यह नहीं कहना चाहता।' ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी

नीति का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान परमाणु हथियार हासिल न करे। उन्होंने कहा, 'और मुख्य बात यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा।' उन्होंने परमाणु प्रतिरोध को पूरे मामले के लिए महत्वपूर्ण बताया।

सैन्य और आर्थिक दबाव दोनों पर जीत का दावा : 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' और यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका सैन्य दबाव या आर्थिक प्रतिबंधों के जरिए ईरान के खिलाफ आगे बढ़ रहा है, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका दोनों मोर्चों पर प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हम दोनों तरीकों से जीतेंगे। सैन्य दृष्टिकोण से तो हम वास्तव में पहले ही जीत चुके हैं।' साथ ही उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि सैन्य कार्रवाई रुक गई है।

ईरान की अर्थव्यवस्था को लेकर ट्रंप का दावा : ट्रंप ने ईरान पर आर्थिक दबाव के असर का जिक्र करते हुए दावा किया कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह बर्बाद हो गई है। उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से बहुत बड़ी जीत हासिल कर रहे हैं। अगर आप उनकी अर्थव्यवस्था को देखें, तो वह खत्म हो चुकी है। उनके पास कोई अर्थव्यवस्था नहीं है।' ईरानी मुद्रा की स्थिति और महंगाई का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा कि वहां मुद्रा का मूल्य लगभग खत्म हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि ईरान में महंगाई करीब 300 प्रतिशत तक पहुंच गई है और उन्होंने सुबह तक यह आंकड़ा 318 प्रतिशत सुने जाने की बात कही। ट्रंप ने कहा, '300 प्रतिशत, यानी उनकी मुद्रा खत्म हो चुकी है, उनकी अर्थव्यवस्था खत्म हो चुकी है और उनकी सेना खत्म हो चुकी है।

मलबे से निकाले गए थे मोजतबा खामेनेई, अमेरिकी हमले से बाल-बाल बचे ईरान के नए सुप्रीम लीडर

तेहरान , एजेंसी। ईरान के नए सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह मोजतबा खामेनेई को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। तेहरान के अस्पताल पर अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद उन्हें मलबे से बाहर निकाला गया। ईरान की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के सदस्य मोहसिन हैदरी ने 'अल अरबी' टीवी पर यह खुलासा किया। हैदरी के मुताबिक मोजतबा शुरुआती हमलों में जख्मी होकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती थे। इसके बाद तेहरान के तीन अस्पतालों पर बमबारी हुई और मोजतबा को तीसरे अस्पताल से निकाला गया। ईरानी प्रशासन ने अमेरिकी दावों को खारिज कर कहा है कि मोजतबा स्वस्थ हैं और देश

संभाल रहे हैं।

असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के सदस्य का बड़ा खुलासा : असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के सदस्य मोहसिन हैदरी ने 'अल अरबी' टीवी पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने बताया कि मोजतबा खामेनेई शुरुआती हवाई हमलों में जख्मी हो गए थे। इलाज के लिए उन्हें तेहरान के एक प्रमुख अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लेकिन इसके बाद अमेरिकी व इजराइली सेना ने तेहरान के तीन अस्पतालों पर बमबारी की। हैदरी के अनुसार मोजतबा खामेनेई उस समय तीसरे अस्पताल में मौजूद थे। बमबारी से अस्पताल की इमारत ध्वस्त हो गई और वे मलबे में दब गए। राहत व बचाव दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें मलबे से बाहर निकाला। यह खुलासा ऐसे समय आया है जब मोजतबा की सेहत को लेकर दुनिया में कयास लगाए जा रहे थे।

गुप्त बैठक में मतदान और नए सुप्रीम लीडर का चयन : मोहसिन हैदरी ने नए सर्वोच्च नेता के चयन की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चयन के दौरान कोम स्थित असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के दफ्तर पर हमला हुआ। उस हवाई हमले में 8 लोगों की मौत हुई और चयन से जुड़े कई दस्तावेज नष्ट हो गए।

इसके बावजूद असेंबली के सदस्यों ने गुप्त स्थान पर बैठक बुलाई और वोटिंग कराई। सचिवालय तबाह होने के बाद सदस्यों ने पर्चियों पर अपने वोट दर्ज किए। कुल 59 सदस्यों में से 50 सदस्यों ने मोजतबा खामेनेई के पक्ष में मतदान किया। अयातुल्लाह अलीरेजा अराफी को 8 वोट मिले, जबकि एक सदस्य तटस्थ रहा। चयन के समय मोजतबा को चुने जाने की जानकारी टीवी पर आधिकारिक ऐलान तक नहीं थी।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री अल्बानीज ने पीएम मोदी की तारीफ

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने दिसंबर में एक बिजनेस डेलिगेशन के साथ भारत आने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ रिश्ते तेजी से मजबूत हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी की पूरी क्षमता का अभी तक इस्तेमाल नहीं हो पाया है। अल्बानीज ने कहा कि उनकी भारत यात्रा के दौरान मुंबई में एक बिजनेस कार्यक्रम होगा और यात्रा का समापन चेन्नई में एक क्रिकेट मैच के साथ होगा।

उन्होंने न्यूयॉर्क में एशिया सोसायटी के एक कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री केविन रड के साथ बातचीत के दौरान इस यात्रा की जानकारी दी। अल्बानीज ने कहा की दिसंबर में फ्लोरिडा से लौटते समय, जहां राष्ट्रपति ट्रंप की मेजबानी में शायद 14 और 15 दिसंबर को जी20 बैठक हो रही है, मैं रास्ते में भारत जाऊंगा। उन्होंने कहा, 'हम एक दिन का कार्यक्रम करेंगे। मुझे यह आइडिया पसंद है। बिजनेस काउंसिल ऑफ ऑस्ट्रेलिया के साथ कई कंपनियों के प्रतिनिधियों को लेकर मैं मुंबई जाऊंगा। अल्बानीज ने कहा कि उनकी भारत यात्रा का समापन चेन्नई में एक क्रिकेट कार्यक्रम से होगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया राज्यों की टीमें शामिल होंगी। उन्होंने कहा, 'जैसा कि भारत में अक्सर होता है, इसका समापन एक क्रिकेट मैच के साथ होगा।' अल्बानीज ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच लोकतांत्रिक व्यवस्था और कॉमनवेल्थ से जुड़े रिश्ते हैं। इसके अलावा दोनों देशों के बीच शिक्षा और खेल के क्षेत्र में भी मजबूत संबंध हैं। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई यूनिवर्सिटियां भारत में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही हैं।

अल्बानीज ने कहा की 'हालांकि, हम अभी बहुत कुछ और कर सकते हैं। इस रिश्ते और साझेदारी की पूरी क्षमता का अब तक इस्तेमाल नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी और मैं, दोनों इसे बदलने के लिए काफी उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और बड़ी आबादी की वजह से ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत के साथ संबंध लगातार ज्यादा महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। अल्बानीज ने कहा, 'भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उसके पास पहले से ही दुनिया की सबसे बड़ी आबादी है।'

दक्षिण अफ्रीका में भीषण सड़क हादसा, ट्रक और मिनीबस की भीषण टक्कर

11 लोगों की मौत, 8 घायल

केप टाउन , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के क्वाजुलु-नताल में भीषण सड़क हादसा हुआ है। एन2 हाईवे पर उत्तर जा रही मिनीबस टैक्सी और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक में टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि धमाके जैसी आवाज के साथ मिनीबस में भयंकर आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में 11 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई तथा 8 लोग गंभीर घायल हो गए। घायलों को तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां कई की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस तथा रोड ट्रैफिक मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन की टीमें हादसे की संयुक्त जांच कर रही हैं।

क्वाजुलु-नताल प्रांत के एन2 हाईवे पर दर्दनाक दुर्घटना : यह हादसा स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह करीब 4 बजे पर घटित हुआ। इनकोसी म्तुबातुबा म्युनिसिपैलिटी में ह2 हाईवे पर दोनों वाहन आपस में टकरा गए। इंडिपेंडेंट ऑनलाइन ने ट्रांसपोर्ट व ह्यूमन सेटलमेंट्स विभाग के हवाले से रिपोर्ट दी। टक्कर होते ही मिनीबस में धमाका हुआ और कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे वाहन को घेर लिया। सिन्हुआ के मुताबिक आग में झुलसे आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें कई लोगों की हालत चिंताजनक बनी हुई है और वे गंभीर रूप से झुलस चुके हैं। पुलिस तथा प्रांतीय अधिकारियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। रोड ट्रैफिक मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन पुलिस के साथ मिलकर हादसे की जांच कर रहा है।

13 सितंबर को वेस्टर्न केप में हुआ था 21 लोगों की मौत वाला हादसा : दक्षिण अफ्रीका के वेस्टर्न केप प्रांत में 13 सितंबर को भी भयानक हादसा हुआ था। वह दुर्घटना रात करीब 11:30 बजे प्रिंस अल्बर्ट तथा लीउ-गामका के बीच एन1 हाईवे पर हुई। हादसे में दो मिनीबस टैक्सियां और एक स्टेशन वैगन आपस में टकरा गए थे।

शुरुआत में पुलिस प्रवक्ता क्रिस्टोफर स्पाइस ने 18 लोगों की मौत की पुष्टि की थी। बाद में वेस्टर्न केप मोबिलिटी डिपार्टमेंट ने मरने वालों की कुल संख्या 21 बताई थी। घायल यात्रियों को इलाज के लिए पास के मेडिकल सेंटरों में भर्ती कराया गया था। स्थानीय पुलिस ने इस दर्दनाक हादसे के बाद गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया था। कुछ ही दिनों के भीतर हुए इस दूसरे हादसे ने सड़क सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मिनीबस टैक्सियों से बढ़ते हादसे और प्रशासन की चिंता : दक्षिण अफ्रीका में मिनीबस टैक्सियां सार्वजनिक परिवहन का मुख्य साधन मानी जाती हैं। लेकिन सुरक्षा मानकों की अनदेखी और तेज रफ्तार से ये अक्सर हादसों का कारण बनती हैं। लाखों नागरिक रोजाना अपनी यात्रा के लिए इन्हीं मिनीबस टैक्सियों पर निर्भर रहते हैं। बार-बार होने वाले इन भीषण हादसों से जन-धन की भारी हानि हो रही है। प्रशासनिक अधिकारियों ने एन2 हाईवे पर हुई ताजा दुर्घटना पर गहरा दुख जताया है। अधिकारियों ने कहा कि सड़क हादसों को रोकने के लिए यातायात नियम सख्त किए जाएंगे। जांच एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि दुर्घटना ड्राइवर की लापरवाही से हुई या यांत्रिक खराबी से। सरकार सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जुटी है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)